रविवार

25 अगस्त 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

खुशखबरी: 5 लाख पदों पर बहाली के लिए सरकार ने उठाया बड़ा कदम

2

23 लाख कर्मचारियों को फायदा, एनपीएस और यूपीएस का विकल्प, केंद्र का योगदान बढ़कर 18.5 फीसदी

25 साल नौकरी करने पर मिलेगी पूरी पेंशन, मोदी सरकार ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम को दी मंजूरी

- राज्य सरकार के कर्मचारी इसमें शामिल होते हैं तो 90 लाख कर्मियों को मिलेगा फायदा
- कर्मचारी 2004 से अब तक और आगे 31 मार्च 2025 तक सेवानिवृत्त होंगे, उन्हें भी लाभ

एजेंसी/नई दिल्ली

सरकारी कर्मचारियों में पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) की जोर पकड़ती मांग के बीच केंद्र सरकार ने बड़ा एलान किया है। बताया गया है कि सरकार ने नई पेंशन स्कीम की जगह अब सरकारी कर्मियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम यानी एकीकृत पेंशन योजना लॉन्च करने का फैसला किया है। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में इसे लेकर सहमति बनी है।राज्य सरकारों को भी एकीकृत पेंशन योजना चुनने का मिलेगा विकल्प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शनिवार को एकीकृत पेंशन योजना को मंजूरी दे दी, जिसका उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों को सुनिश्चित पेंशन, पारिवारिक पेंशन और सुनिश्चित न्यूनतम पेंशन प्रदान करना है। इस बीच, राज्य सरकारों को भी एकीकृत पेंशन योजना चुनने का विकल्प दिया जाएगा। अगर राज्य सरकारें यूपीएस चुनती हैं, तो लाभार्थियों की संख्या करीब 90 लाख हो जाएगी। सरकार के मुताबिक बकाया राशि (एरियर) पर 800 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। पहले साल में सालाना लागत में करीब 6,250 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी होगी। यह योजना 1 अप्रैल, 2025 से प्रभावी होगी। केंद्र सरकार के कर्मचारियों को राष्ट्रीय पेंशन योजना से किसी एक को चुनने का विकल्प दिया जाएगा। मौजूदा केंद्र सरकार के ग्राहकों में स्विच करने का विकल्प भी दिया जाएगा। कैबिनेट के फैसले का एलान करते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि देशभर में सरकारी कर्मचारियों की तरफ से हमेशा मांग आती रही कि एनपीएस स्कीम में सुधार किया जाए। इस सुधार के लिए अप्रैल 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक कमेटी बनाई थी। डॉ सोमनाथन इस कमिटी के चेयरमैन थे। इस कमिटी ने 100 से अधिक सरकारी कर्मचारी संगठनों के साथ बात की। करीब सभी राज्यों के साथ इस कमिटी ने बातचीत की। राज्य सरकारों के कर्मचारियों के संगठनों को भी तरजीह दी गई। पीएम ने इस विषय को गंभीरता से लिया था। अब केंद्र सरकार का योगदान बढ़कर 18.5 फीसदी हो जाएगा। यह स्कीम 1 अप्रैल 2025 से लागू होगी।

वेतन का 50 फीसदी हिस्सा पेंशन में, 2004 में रिटायर हुए हों तब भी फायदा, एरियर्स भी मिलेंगे

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में शनिवार को कई अहम एलान हुए। इनमें सबसे बड़ा फैसला एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को लेकर रहा। सरकारी कर्मचारियों के लिए लाई गई इस योजना में कई बड़े एलान हैं। यूपीएस की सबसे बड़ी खास बात यह है कि इसमें पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) की तरह ही सरकारी कर्मियों को रिटायरमेंट के बाद औसत मूल वेतन की 50 फीसदी राशि मिलेगी। हालांकि, इसके लिए कई मानक और नियम भी तय किए गए हैं। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में शनिवार को कई अहम एलान हुए। इनमें सबसे बड़ा फैसला एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को लेकर रहा। सरकारी कर्मचारियों के लिए लाई गई इस योजना में कई बड़े एलान हैं। यूपीएस की सबसे बड़ी खास बात यह है कि इसमें पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) की तरह ही सरकारी कर्मियों को रिटायरमेंट के बाद औसत मूल वेतन की 50 फीसदी राशि मिलेगी। हालांकि, इसके लिए कई मानक और नियम भी तय किए गए हैं। एकीकृत पेंशन योजना की सिफारिश को मंजूरी दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसले की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमने एकीकृत पेंशन योजना यानी यूपीएस को मंजूरी दी है।

यूपीएस के पांच स्तंभ, योजना 1 अप्रैल 2025 से लागू होगी

1. 50 फीसदी की सुनिश्चित पेंशन

यूपीएस अपनाने पर सुनिश्चित पेंशन मिलेगी। इसकी रकम सेवानिवृत्ति से पहले के 12 महीने के औसत मूल वेतन का 50 फीसदी होगी। 25 वर्ष तक की सेवा पर ही यह रकम मिलेगी।

2. पारिवारिक पेंशन

किसी भी कर्मचारी के निधन से पहले पेंशन की कुल रकम का 60 फीसदी हिस्सा परिवार को मिलेगा।

3. न्यूनतम पेंशन

10 साल की सेवा के बाद 10 हजार रुपये प्रतिमाह की न्यूनतम पेंशन सुनिश्चित होगी। महंगाई भत्तों को जोड़कर करीब 15 हजार रुपये के आसपास होगी।

4. महंगाई दर के साथ इंडेक्सेशन

उपरोक्त तीनों तरह की पेंशन यानी सुनिश्चित पेंशन, पारिवारिक पेंशन और न्यूनतम पेंशन के मामलों में महंगाई राहत मिलेगा।

5. सेवानिवृत्ति पर ग्रेच्युटी के अतिरिक्त भुगतान

छह महीने की सेवा के लिए (वेतन+डीए) की 10 फीसदी रकम का एकमुश्त भुगतान होगा। यानी अगर किसी की 30 साल की सर्विस है तो उसे छह महीने की सेवा के आधार पर एकमुश्त भुगतान होगा। जिससे कर्मियों को लाभ मिलेगा।

देश की आबादी के हिसाब से बनाई जाए नीति, आधी आबादी ओबीसी : राहुल

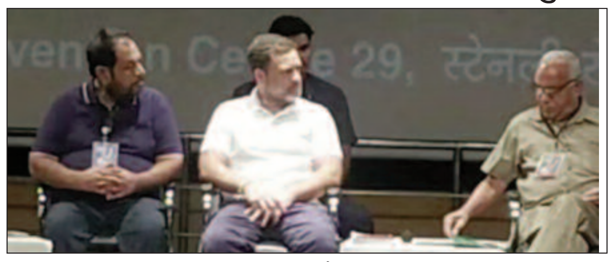

केटी न्यूज/पटना

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का शनिवार को प्रयागराज में हैं। वह करीब पांच बजे प्रयागराज एयरपोर्ट पहुंचे। यहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। इसके अलावा वह भगवतपुर, चकिया, महाराणा प्रताप चौराहा स्थित इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन के कन्वेंशन सेंटर में आयोजित संविधान सम्मान समारोह को संबोधित करेंगे। रास्ते में जगह-जगह कांग्रेसी कार्यकर्ता उनके स्वागत के लिए खड़े हैं। एयरपोर्ट से लेकर एएमए कन्वेंशन सेंटर तक उनका जगह-जगह स्वागत किया गया। बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकताओं ने उन्हें बुके भेंट किया। कांग्रेस जिंदाबाद और राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे लगाए गए। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक बंदोबस्त किया गया है।राहुल गांधी ने कहा कि हिंदुस्तान की जो सच्चाई है जो हकीकत है। जिसकी जितनी आबादी है उसके हिसाब से पॉलिसी बनाई जानी चाहिए। यदि लोगों की आबादी के हिसाब से नीतियां नहीं बनाई जाती हैं तो जरूरतमंदों को इसका कोई लाभ नहीं मिलेगा और पॉलिसी बनाने का कोई मतलब नहीं है। राहुल गांधी ने कहा कि देश की 70 फीसदी आबादी के हिसाब से नीतियां नहीं बनाई जा रही हैं। केंद्र सरकार की नीतियां सिर्फ चुनिंदा पूजीपतियों और तीस फीसदी लोगों के लिए है। अधिकांश आबादी को केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। जो काफी खेद जनक है। सरकार इसमें कोई सुधार नहीं कर रही है। संविधान यह कहता है कि सभी नागरिक एक समान हैं और सभी को बराबर अधिकार मिलना चाहिए। राहुल गांधी के कार्यक्रम के मद्देनजर स्टेनली रोड महाराणा प्रताप चौराहा स्थित एएमए कन्वेंशन सेंटर को पूरी तरह से सुरक्षा घेरे में ले लिया गया है। अंदर जाने वालों की कई स्तर पर चेकिंग की जा रही है। प्रतिभागियों के लिए अलग द्वार जबकि मुख्य अतिथि और चुनिंदा नेताओं के लिए अलग द्वार से प्रवेश की व्यवस्था की गई है। पूरा इलाका कांग्रेसी नेताओं से पट गया है। संविधान से संबंधित पंफलेट भी लोगों के बीच बांटे गए हैं।

यूपी से बिहार लाई गई 28 लाख की चांदी जब्त, वाहन जांच के दौरान पुलिस का एक्शन

केटी न्यूज/गोपालगंज

गोपालगंज पुलिस को वाहन जांच के दौरान बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने कुचायकोट थाना क्षेत्र के बलथरी चेक पोस्ट के पास कार से 31.8 किलो चांदी के आभूषण को जब्त किया है। जब्त चांदी की कीमत 28 लाख रुपए बताई जा रही है। इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ जारी है। तीनों युवक उत्तर प्रदेश के रहने वाले बताए जा रहे हैं। पूछताछ के दौरान तीनों ने पुलिस को बताया है कि चांदी के आभूषण मथुरा से लेकर बिहार आए थे और सीवान में उसकी डिलेवरी देनी थी। पुलिस ने 31 किलो से अधिक चांदी बरामद होने की जानकारी वाणिज्यकर विभाग को दे दी है। विदित हो कि पूर्व में इस बात की सूचना मिली थी कि बड़ी मात्रा में चांदी की खेप आ रही है। इसके लिए पूरी तरह से जाल बिछाया गया था। यह पूरा प्रयास किया था कि कहीं से भी तस्कर भाग नहीं निकले। अंततः पुलिस को इसमें सफलता मिल गई। बता दें कि यह पहला मौका नहीं है जब गोपालगंज के बलथरी चेकपोस्ट पर पुलिस को सफलता मिली है। तस्कारों से पूछताछ की जारही है। इससे जुड़े तार की तलाश की जा रही है। ताकि अन्य तस्कारों को धर-दबोचा जाए। इससे पहले वाहन जांच के दौरान पुलिस ने 60 किलों चांदी जब्त किया था। पांच महीने पहले दिल्ली से आ रही बस में चांदी के साथ दो लड़कों को पकड़ा गया था जो आगरा से चांदी लेकर छपरा जा रहे थे।

यूपी को ग्लोबल आईटी हब का ब्रांड बनाने की तैयारी में सरकार

केटी न्यूज/लखनऊ

यूपी को प्रत्येक सेक्टर में ब्रांड के तौर पर प्रोजेक्ट कर रही योगी सरकार अब प्रदेश को ग्लोबल आईटी हब का भी एक ब्रांड बनाने की तैयारी में जुट गई है। सूबे के पांच जनपदों को आईटी और आईटीईएस सेक्टर से जुड़े उद्योग के लिए मुफीद बनाने का संकल्प मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिया है। इसके अंतर्गत प्रदेश के पांच शहर, गौतमबुद्ध नगर, लखनऊ, कानपुर, वाराणसी और प्रयागराज को आईटी सिटी के रूप में डेवलप किया जाना है। इसमें भी गौतमबुद्ध नगर को आईटी और आईटीईएस का हब, लखनऊ को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग का हब, कानपुर को ड्रोन और

रोबोटिक्स तथा वाराणसी और प्रयागराज को इंजीनियरिंग रिसर्च एंड डेवलपमेंट (ईआर एंड डी) के सेंटर के हब के रूप में डेवलप किया जाना है। योगी सरकार अगले तीन साल में प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन इकोनॉमी बनाने के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रही है। इसी क्रम में सरकार का जोर प्रदेश को आईटी और आईटीईएस सेक्टर में भी बुलंदियों पर ले जाने पर है। राज्य में रोजगार क्षमता बढ़ाने और उच्च वेतन वाली नौकरियां पैदा करने के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों में कौशल विकास करना इसमें शामिल है। इसके साथ ही आईटी और आईटीईएस क्षेत्र के लिए भूमि बैंक बनाना और आईटी सिटी एवं आईटी पार्कों के विकास के लिए बुनियादी ढांचे का संवर्धन करना भी सरकार के महत्वपूर्ण उद्देश्यों में से एक है। योगी सरकार प्रदेश को आईटी हब के ब्रांड के रूप में डेवलप करने के लिए जल्द ही राज्य स्तरीय आईटी और आईटीईएस सलाहकार समिति का भी गठन कर सकती है। इसमें इस सेक्टर के उद्योग और अकादमिक स्टेक होल्डर्स के साथ जुड़कर इस सेक्टर को प्रदेश में बढ़ावा देने के लिए उपाय और रणनीतियां तैयार करने में मदद मिलेगी। वहीं सरकार आईटी क्षेत्र को उद्योग का दर्जा देने पर भी विचार कर रही है। जिससे आईटी इकाइयों को औद्योगिक टैरिफ पर बिजली उपलब्ध कराई जा सके। इसके अलावा एआई, ड्रोन उद्योग से जुड़े निवेशकों और गल्फ कॉर्पोरेशन्स काउंसिल के निवेशकों को भी प्रदेश के आईटी सेक्टर में निवेश के लिए आकर्षित करने की रणनीति बनाई जा रही है। साथ ही प्रदेश में प्रौद्योगिकी से जुड़े सम्मेलनों के जरिए आईटी हब के रूप में डेवलप किये जाने वाले यूपी शहरों की ब्रांडिंग पर भी विचार हो रहा है।

महाराष्ट्र के ठाणे में पालघर में सात साल की छात्रा बनी शिकार

एजेंसी/ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे स्थित बदलापुर में स्कूल में दो बच्चियों के यौन उत्पीड़न के मामले पर बवाल जारी है। इस बीच पालघर जिले के नयगांव भी एक निजी स्कूल में सात साल की बच्ची के यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। बताया गया है कि यहां कैंटीन में काम करने वाले एक लड़के ने बच्ची के साथ इस हरकत को अंजाम दिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर 16 साल के लड़के को हिरासत में ले लिया। बताया गया है कि नाबालिग उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। नयगांव पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ अधीक्षक ने बताया कि उसे रिमांड होम में भेजा गया है। अधिकारियों के मुताबिक, यह मामला गुरुवार को तब सामने आया, जब दूसरी कक्षा में पढ़ने वाली बच्ची ने स्कूल की कैंटीन जाने से इनकार कर दिया और अपनी क्लास टीचर को बताया कि वहां काम करने वाले एक अंकल उसे परेशान करते हैं। इस घटना के बारे में स्कूल के हेडमास्टर को बताया गया और आगे की जांच में सामने आया कि बीते 15 दिनों में नाबालिग लड़के ने चार से पांच मौकों पर बच्ची का यौन उत्पीड़न किया था। इस घटना के प्रकाश में आने के बाद हेडमास्टर ने नयगांव पुलिस को सूचना दी और मामले में लड़के कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कोलकाता कांडः पूर्व प्रिंसिपल की बढ़ी मुश्किलें, सीबीआई ने दर्ज किया केस

एजेंसी/कोलकता

पूरे देश की नजर इस वक्त कोलकाता रेप कांड की जांच पर टिकी हुई है। सब जानना चाहते हैं कि कब इस केस में पूरा खुलासा होगा। जांच की अगली उम्मीद पॉलीग्राफ टेस्ट पर टिकी है, जो आज कुल छह लोगों की गई है। मुख्य आरोपी संजय रॉय का टेस्ट पोस्टपोन कर दिया गया है, जो कि कल रविवार को होगा। कोलकाता रेप कांड की गुत्थी सुलझाने में जुटी सीबीआई जांच के लिए हर तरीके को आजमा रही है। मुख्य आरोपी से लेकर पूर्व प्रिंसिपल तक दर्जनों घंटों की पूछताछ के बाद पॉलीग्राफ टेस्ट की अब बारी थी। छह लोगों का पॉलीग्राफ टेस्ट किया जा रहा है। मुख्य आरोपी संजय रॉय का टेस्ट पोस्टपोन कर दिया गया, जो कि कल रविवार को होगा. जबकि पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष, नाइट ड्यूटी पर मौजूद चार जूनियर डॉक्टरों और एक वॉलन्टियर का टेस्ट चल रहा है। मुख्य आरोपी संजय रॉय का पॉलीग्राफ टेस्ट जेल में ही किया जाएगा, जहां वो 14 दिन की न्यायिक हिरासत में है।

इथेनॉल उत्पादन में देश में जल्द नंबर वन बनेगा बिहार : सीएम नीतीश

उद्योग

केटी न्यूज/पटना

बिहार में कृषि आधारित उत्पाद पर आधारित उद्योग को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दूरदर्शी योजना बनाई है। बिहार में भारी उद्योगों को सहारा देने के लिए खनिजों की प्रचुरता नहीं है लेकिन इसके समृद्ध जल भंडार और उपलब्ध अनाज के कारण बिहार में इथेनॉल या जैव ईंधन क्रांति संभव हो पाया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ये तथ्य समझ लिया कि बिहार में इथेनॉल क्रांति की अपार संभावनाएं हैं और अब ये तय हो गया है कि आने वाले वक्त में इथेनॉल उत्पादन में बिहार नया इतिहास रचने

वाला है। 2021 में इथेनॉल उत्पादन संवर्धन नीति से आया बदलाव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में इथेनॉल उत्पादन संवर्धन नीति को साल 2021 में मंजूरी दी थी। इथेनॉल उत्पादन को प्रमोट करने के लिए नीति बनाने वाला देश का पहला राज्य बिहार बन गया।यह नीति इथेनॉल के निष्कर्षण की अनुमति देता है। नई नीति से बिहार में इथेनॉल

बिहार में इथेनॉल क्रांति के जनक हैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

पटना। सीएम नीतीश कुमार बिहार में इथेनॉल क्रांति के जनक हैं। उन्होंने कहा था कि, ह्यहमने 2007 में गन्ने से इथेनॉल बनाने की नीति बनाई थी और 31,000 करोड़ रुपए के प्रस्ताव हमारे पास आए थे, लेकिन तत्कालीन केंद्र सरकार ने इसे स्वीकार नहीं किया। केंद्र ने कहा कि चीनी उत्पादन के लिए इथेनॉल की तुलना में गन्ने को संसाधित करना अधिक आवश्यक है। हमें 2020 में पता चला कि केंद्र सरकार इथेनॉल उत्पादन पर नीति बना रही है। मैंने प्रधानमंत्री से मुलाकात की और उन्हें बिहार में इथेनॉल संयंत्र स्थापित करने के लिए 2007 से हमारे द्वारा उठाए गए सभी कदमों के बारे में जानकारी दी।हमने केंद्र को सूचित किया है कि गन्ना, मक्का और टूटे चावल का उपयोग करके इथेनॉल का उत्पादन किया जा सकता है। हमने बिहार में इथेनॉल संयंत्र स्थापित करने के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए और हमें 152 प्रस्ताव मिले।

क्रांति का सपना सच होता नजर आ रहा है।अब तक,भारत सरकार ने भारी गुड़,हैवी गुड़,मानव उपभोग के लिए अनाज,गन्ने के रस,चीनी,चीनी सिरप,अधिशेष चावल और मक्का से इथेनॉल उत्पादन की अनुमति दी है। बिहार की इथेनॉल उत्पादन संवर्धन नीति में प्लांट लगाने वाले कारोबारियों को विशेष सुविधा भी प्रदान की गई है। बिहार की इथेनॉल उत्पादन संवर्धन नीति,2021 में संयंत्र और मशीनरी की लागत का 15 फीसदी (अधिकतम 5 करोड़ रुपए) तक की अतिरिक्त पूंजी सब्सिडी प्रदान करके नई स्टैंड अलोन इथेनॉल विनिर्माण इकाइयों को बढ़ावा देती है। नई नीति में एससी, एसटी, ईबीसी, महिलाओं, दिव्यांग जन,शहीद सैनिकों की विधवाओं,एसिड अटैक पीड़ितों और थर्ड जेंडर उद्यमियों जैसे विशेष वर्ग के निवेशकों के लिए एक अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान करती है। इनके मामले में, संयंत्र और मशीनरी की लागत का 15.75 फीसदी (अधिकतम 5.25 करोड़ रुपए) का पूंजी अनुदान सरकार देगी।नई नीति नए स्टैंड अलोन इथेनॉल इकाइयों के लिए समयबद्ध तरीके से लाइसेंस और मंजूरी जारे करने पर जोर देती है।

बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों के शिक्षकों को मिल सकती है राहत, जिलाधिकारी ले सकते है निर्णय

केटी न्यूज/ पटना

बिहार शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने सभी जिलाधिकारियों को बाढ़ क्षेत्रों में स्कूल बंद करने का आदेश देने का अधिकार दे दिया है। उन्होंने सभी डीएम को निर्देश दिया है कि भीषण बाढ़ से प्रभावित होने की स्थिति में जान माल की सुरक्षा के मद्देनजर विद्यालय बन्द करने के संबंध में आपदा प्रबंधन के सुसंगत प्रावधानों के तहत आप स्वयं आदेश निर्गत कर सकेंगे। बता दें कि इससे पहले बिहार शिक्षा विभाग के सचिव बैद्यनाथ यादव ने राज्य के सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन घाटों से शिक्षक, कर्मी, बच्चे विद्यालय नदी पार कर आते जाते है, उन घाटों पर सरकारी नाव की व्यवस्था की जाय। साथ ही नाव पर लाइफ जैकेट पर्याप्त संख्या में उपलब्ध कराई जाएं। गौरतलब हो कि पटना के दानापुर नासरीगंज घाट पर नाव से स्कूल जा रहे एक बीपीएससी शिक्षक की गंगा नदी में डूबकर मौत हो गई थी। वहीं, शिक्षक के डूबने की घटना के बाद सरकार एक्शन में आ गई है। इसके बाद

राज्य भर में सरकारी नौकरी के कुल 16 लाख 27 हजार पद है स्वीकृत

खुशखबरी: 5 लाख पदों पर बहाली के लिए सरकार ने उठाया बड़ा कदम

केटी न्यूज/पटना

नौकरी के लिए हो जाइये तैयारबिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 15 अगस्त को गांधी मैदान से अपने भाषण में ऐलान किया था कि वे बिहार के 12 लाख बेरोजगारों को सरकारी नौकरी देने जा रहे हैं. नीतीश कुमार के वादे के मुताबिक बेरोजगारों को नौकरी देने के लिए सरकार एक्शन में आ गयी है। सरकार ने बम्पर बहाली के लिए बड़ा कदम उठाया है। विभागों और जिलों से आ गयी लिस्ट बिहार में पौने पांच लाख पद खाली सरकार को मिली जानकारी के मुताबिक बिहार के विभिन्न सरकारी विभागों में 4.73 लाख कर्मियों के पद खाली हैं। सरकार के पास सारे जिलों और विभागों से जो आंकड़े पहुंचे हैं उसके मुताबिक राज्य भर में सरकारी नौकरी के कुल 16 लाख 27 हजार पद स्वीकृत हैं। लेकिन कुल सरकारी

सेवकों की संख्या करीब 11 लाख 54 हजार ही है। इसका मतलब ये है कि करीब पौने पांच लाख पद खाली पड़े हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की घोषणा के मुताबिक नौकरी देने के लिए राज्य सरकार ने सभी विभागों और सारे जिलों से खाली पड़े सरकारी पदों का पूरा ब्योरा मांगा था। सरकार के पास पूरा ब्योरा पहुंच गया है। अब उन पर नियुक्ति के लिए बीपीएससी से लेकर बहाली के लिए बनी दूसरी एजेंसियों को तत्काल अधियाचना भेजने का निर्देश जारी हो गया है.सबसे ज्यादा वेकैंसी शिक्षा विभाग में सरकार को मिली जानकारी के मुताबिक सबसे अधिक रिक्तियां शिक्षा विभाग में हैं। वहां 2 लाख 17 हजार पद खाली पड़े हैं। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग में 65 हजार पद खाली पड़े हैं। नीतीश कुमार बार-बार जनसंख्या के अनुपात में पुलिसकर्मियों की तैनाती करने की बात करते रहे हैं। ऐसे में 42 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मियों की बहाली होनी है.सरकार को मिली जानकारी के मुताबिक ग्रामीण विकास विभाग में 11 हजार 784 पद, नगर विकास विभाग में 1 हजार 948 पद, पंचायती राज विभाग में 5 हजार 551, कृषि विभाग में 3 हजार 15, पशु एवं मत्स्य विभाग में 4 हजार 814, पथ निर्माण विभाग में 2 हजार 465 और ग्रामीण कार्य विभाग में 3 हजार 346 पद रिक्त हैं। सभी प्रक्रिया पूरी कर नौकरी के लिए विज्ञापन निकाला जाएगा।

विभिन्न विभागों में कई नये पद होंगे सृजित

सरकारी सूत्रों के मुताबिक सिर्फ पौने पांच लाख खाली पदों पर ही बहाली नहीं होनी है, बल्कि सरकार कई नये पद भी सृजित करने जा रही है। सरकार ने अलग से खेल विभाग बनाया है। पहले वह कला-संस्कृति विभाग के साथ था। खेल विभाग के लिए अलग से पद सृजित किये जा रहे हैं। राज्य सरकार ने पथ निर्माण, पीएचईडी, साइंस एंड टेक्नोलॉजी, आईटी जैसे विभाग से तकनीकी पदों की रिक्ति भी मांगी है। उन पर भी नियुक्ति की जायेगी।

जिलों को भेजा गया नया फरमान

राज्य सरकार ने सभी विभागों और जिलों को नया पत्र भेजा है। इसमें संविदा पर नियुक्त कर्मचारियों के अलावा आउटसोर्सिंग पर लाये गये कर्मचारियों की संख्या मांगी गयी है। राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी जिलों में तीन पेज का एक फॉर्मेट भेजा है। इसमें सरकारी नौकरियों में महिलाओं की संख्या, 35 प्रतिशत आरक्षण नीति के तहत कितने महिला पदस्थ हैं, कितने पद खाली होते हैं, इसका पूरा ब्योरा मांगा गया है। संविदा आधारित कर्मियों की संख्या और प्रपत्र विशुद्ध रूप से संविदागत पदों का ब्योरा देना है।

भूसे में छिपाकर लायी जा रही 50 लाख रुपए की अवैध शराब बरामद, एक गिरफ्तार

केटी न्यूज/ बांका

बिहार में बांका जिले के रजौन थाना क्षेत्र से पुलिस ने ट्रक पर लदी 50 लाख रुपए की शराब बरामद की है। साथ ही मौके से फरार हो रहे ट्रक चालक को खदेड़ कर गिरफ्तार किया गया है। जब्त शराब की कीमत 50 लाख रुपए से भी ज्यादा बताया जा रहा है। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार की रात सूचना मिली थी कि शराब की खेप ले जाई जा रही है। इसी आधार पर पुलिस ने बनगांव गांव के समीप भूसा लदे एक ट्रक को रूकने का इशारा किया गया। लेकिन, ट्रक चालक पुलिस वाहन को देख तेजी से ट्रक लेकर भागने लगा। लेकिन पटना उत्पाद विभाग की टीम के सहयोग से ट्रक को खदेड़ कर जब्त कर लिया गया। इसके बाद ट्रक की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान भूसे के अंदर छिपाकर रखी गई 6147 लीटर विदशी शराब बरामद की गई। मौके से ट्रक चालक पंजाब निवासी सिमरनजीत सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। सूत्रों ने बताया कि बरामद शराब पंजाब से बिहार के मुजफ्फरपुर ले जाई जा रही थी। बरामद शराब की कीमत करीब 50 लाख रूपए है। गिरफ्तार व्यक्ति से पूछताछ की जा रही है। इस बात की संभावना जतायी जा रही है कि पूछताछ में कई सफेदपोश के नाम सामने आ सकते है। पुलिस गिरफ्तार का मोबाइल भी खंगाल रही है।

पटना में भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, विरोध में लोगों ने किया हंगामा

केटी न्यूज/पटना

पटना के नौबतपुर में एक तेज रफ्तार वाहन ने दो युवकों को कुचल दिया। इसमें दोनों की मौत मौके पर हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास गांव के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और नौबतपुर पटना सड़क को जाम कर जमकर हंगामा शुरू कर दिया। हंगामा कर रहे लोग मुआवजा की मांग कर रहे थे। सूचना मिलते ही नौबतपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा-बुझाकर शांत करवाया। नौबतपुर थाना प्रभारी रजनीश कुमार केसरी ने बताया कि एक युवक मोटरसाइकिल से जा रहा था, जबकि एक युवक सड़क पर टहल रहा था। इसी बीच वाजिदपुर के नजदीक तेज रफ्तार से आ रही एक वाहन ने दोनों को कुचल दिया। इस हादसे में दोनों लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। दोनों के शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पटना एम्स भेज

दी है।बताया जा रहा है कि दियारा के महंगु पुर निवासी नीतीश कुमार (18) अपनी मोटरसाइकिल से नौबतपुर आ रहा था। इसी क्रम में वाजिदपुर के नजदीक तेज रफ्तार से आ रही एक वाहन ने मोटरसाइकिल सवार नीतीश कुमार को कुचल दिया। वहीं, एक अन्य युवक सड़क से गुजर रहा था। तेज रफ्तार वाहन ने उसे भी कुचल दिया। हादसा इतना भीषण था कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान पप्पू सिंह तरेत निवासी के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग सड़क पर उतर आए और लोगों ने सड़क जामकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। घटना की जानकारी देते हुए नौबतपुर थाना प्रभारी रजनीश कुमार केसरी ने बताया कि लोगों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया गया है। उन्होंने बताया कि अज्ञात वाहन की भी तलाश की जा रही है। इसके लिए आसपास के सभी सीसीटीवी कैमरा के माध्यम से तलाश की जा रही है। ताकि अज्ञात वाहन को तत्काल खोजा सके। वहीं सड़क जाम के कारण वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से बाधित हो गई थी।

घरेलू विवाद में पति पत्नी ने खाया जहर

मुंगेर। मुंगेर में घरेलू विवाद के बाद एक दंपति ने खौफनाक कदम उठा लिया। दोनों पति-पत्नी ने जहर खाकर अपनी जान दे दी। दोनों अपने पीछे चार बच्चों को छोड़ गए हैं। पति-पत्नी की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। घटना तारापुर थाना क्षेत्र के धोबई गांव की है। मृतक पति-पत्नी की पहचान धोबई गांव निवासी 35 वर्षीय इंद्रदेव यादव और उसकी 28 वर्षीय पत्नी पिंकी देवी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि इंद्रदेव यादव मजदूरी कर अपने चार बच्चों, पत्नी और एक बूढ़ी मां के साथ जीवन यापन करता था। इंद्रदेव पहले ऑटो चलाता था उसके बाद ई रिक्शा और पुनः ई रिक्शा बेच एक नया ई रिक्शा लेने के चक्कर में था और इसी बात को लेकर दोनों पति पत्नी के बीच झगड़ा हो गया। बात बढ़ गई और पति-पत्नी दोनों जहर खा लिया। पिंकी देवी की मौत घर में ही हो गई थी जबकि इंद्रदेव को इलाज किए तारापुर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी भी मौत हो गई।

आयी बाढ़ के कारण अक्सर भ्रमण करने आये पर्यटक पानी में फंस जा रहे है

वाल्मीकि आश्रम के दर्शन पर लगी रोक, प्रशासन ने अगले आदेश तक जाने से की मनाही

केटी न्यूज/बेतिया

बेतिया के वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के वाल्मीकि आश्रम के दर्शन के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा, क्यों कि जिला प्रशासन ने किसी को भी वहां जाने पर रोक लगा दी है। प्रशासन का कहना है कि बाढ़ का पानी लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में वहां जाना खतरे से खाली नहीं है। लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने अगले आदेश तक वहां जाने की मनाही कर दी है।बढ़ रहे हैं नदियों के जल-स्तर पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश के कारण तमसा नदी और सोनहा नदियों के जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। तमसा नदी और सोनहा नदी पार कर वाल्मीकि आश्रम दर्शन करने जाने वाले श्रद्धालु दो बार फंस चुके हैं। इसलिए नदी को पार करना अब खतरे से खाली नहीं है। तमसा नदी में अचानक जल स्तर बढ़ने से 12 अगस्त को 69 श्रद्धालु नदी के बीच में फंस गये थे, जिसे एसएसबी और नेपाल एपीएफ पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद रेस्क्यू कर उन्हें

वहां से निकाला था। फिर दूसरी बार 20 अगस्त को 10 श्रद्धालु नदी के बीच में फंस गए थे। एसएसबी जवानों ने काफी मशक्कत के बाद रेस्क्यू कर पानी से बाहर निकाला था। इसी को देखते हुए वन प्रशासन ऐसा कदम उठाते हुए दो पहिया और चार पहिया वाहनों के साथ-साथ पैदल जाने वाले लोगों को वाल्मीकि आश्रम जाने पर रोक लगा दिया है। यह निर्णय सुरक्षा के मद्देनजर लिया है। ताकि यहां आकर घुमने वाले किसी तरह की संकट में नहीं फंसे।

जल स्तर के सामान्य होने तक करना होगा इंतजार: वन विभाग ने पत्र जारी करते हुए स्पष्ट रूप से कहा है कि बाल्मीकि आश्रम जाने पर प्रतिबंध तब तक लागू रहेगा जब तक जलस्तर सामान्य नहीं हो जाता। इसके साथ ही प्रशासन ने सभी श्रद्धालुओं से अपील किया है कि वे आदेश का पालन करें और अपनी यात्रा को अगले आदेश तक रोकें, ताकि कोई अप्रिय घटना ना हो। फिलहाल जल स्तर के घटने का इंतजार करना पड़ेगा।

केसठ प्रखंड कार्यालय का अब होगा अपना भवन, रास्ते की अड़चन हुई दूर

केटी न्यूज/केसठ

♦ शनिवार को प्रखंड कार्यालय के लिए स्थल का डुमरांव एसडीओ ने किया निरीक्षण

प्रखंड कार्यालय केसठ के प्रस्तावित भवन के लिए शनिवार को एसडीओ राकेश कुमार ने स्थल का निरीक्षण किया। इसके लिए पूर्व से चल रहे प्रखंड कार्यालय के पश्चिम किसानों द्वारा प्रखंड बनाने के लिए दिए गए भूमि में रास्ते के ले आ रही रुकावटों के निदान को ले निरीक्षण किया गया।

एसडीओ ने बताया कि उक्त भूमि पहले से चल रहे कार्यालय के बगल में ही है। आने जाने का रास्ता व बाजार से नजदीक है। यह जमीन प्रखंड मुख्यालय के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है। उन्होंने कहा कि रास्ते के लिए आ रहे रुकावट का निदान किसानों से वार्ता कर कर लिया गया है। जल्द ही प्रखंड और अंचल कार्यालय का निर्माण कार्य शुरू करने का निर्देश दिया। ज्ञात हो की केसठ प्रखंड कार्यालय किसान भवन तो अंचल कार्यालय ट्राइसेम भवन चलता है। प्रखंड और अंचल कार्यालय के नए भवन के निर्माण से लोगो को काफी सहूलियत मिलेगी।

ई-किसान भवन में संचालित हो रहा है प्रखंड कार्यालय : बता दें कि केसठ का प्रखंड कार्यालय फिलवक्त ई-किसान भवन में संचालित हो रहा है। इसी भवन से कृषि विभाग का संचालन भी किया जाता है। जिस कारण प्रखंड कार्यालय के कर्मियों के साथ ही ई-किसान भवन के कर्मियों को परेशानी का सामना पड़ रहा है। भीषण गर्मी के मौसम में कर्मियों की परेशानी और बढ़ गई थी। वही, अपने काम के सिलसिले में प्रखंड कार्यालय आने वाल कर्मियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता था। लेकिन अब प्रखंड कार्यालय का अपना भवन होने से कर्मियों के साथ ही आम जनता को भी सहूलियत होगी। बीडीओ ने बताया कि नये प्रखंड कार्यालय भवन में कर्मियों के बैठने के लिए पर्याप्त जगह होगा तथा सभी विभागों के लिए अलग-अलग कमरा बनवाया जाएगा। इसके अलावे पेयजल, बिजली, शौचालय तथा अन्य मौलिक सुविधाएं भी इस नये भवन में मौजूद रहेगी। जिससे कर्मियों को सहूलियत मिलेगी।

मौके पर डायरेक्टर अरविंद कुमार डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर प्रदीप कुमार प्रमुख मुन्ना सिंह बीडीओ मिथिलेश बिहारी वर्मा, अंचलाधिकारी अभिषेक गर्ग आदि मौजूद थे।

पशु चिकित्सालय का किया औचक निरीक्षण

प्रखंड कार्यालय के लिए प्रस्तावित जमीन का निरीक्षण करने के बाद एसडीओ ने केसठ पशु चिकित्सालय का औचक निरीक्षण भी दोपहर में किया। निरीक्षण के दौरान एसडीओ ने चिकित्सालय में मौजूद दवा के स्टॉक की जानकारी ली तथा दवा के रखरखाव की व्यवस्था की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान दो ऑपरेटर उपस्थिति दर्ज कर गायब थे, जिनका एक दिन का वेतन काटने का निर्देश बीडीओ को दिया। उन्होंने अस्पताल कर्मियों को समय से अपनी ड्यूटि करने तथा पशुपालन विभाग की योजनाओं का पशुपालकों तक पहुंचाने की नसीहत दी।

एक नजर

@डुमरांव: काम के दौरान 11 केवीए के संपर्क में आ झुलसा बिजली मिस्त्री, इलाजरत

डुमरांव। पुलिस के लापरवाही के किस्से अक्सर सुर्खियां बनती है, लेकिन नया भोजपुर ओपी के डायल 112 टीम की तत्परता अब हर एक जुबां पर है। इस टीम ने 11 केवीए के करंट से बूरी तरह से झुलसे एक युवक के पास सूचना मिलने के मात्र तीन मिटन के अंदर पहुंच तथा उसे समय से प्राथमिक इलाज करवा उसकी जान बचा ली। जिसकी हर कोई सराहना कर रहा है। फिलहाल करंट से झुलसे युवक का इलाज बक्सर सदर अस्पताल में चल रहा है। उसकी स्थिति खतरें से बाहर है। नया भोजपुर निवासी दीपू कुमार प्राइवेट बिजली मिस्त्री का काम करता है। शनिवार को वह डीके कॉलेज रोड के एक घर में वायरिंग कर रहा था। इसी दौरान 11 हजार पॉवर के धारा प्रवाहित तार की चपेट में आ गया तथा उसे करंट के तेज झटके लगे और वह जमीन पर गिर तड़पे लगा। वह बूरी तरह से झूलस गया था, जिस कारण आस पास में मौजूद लोग उसे उठाकर अस्पताल पहुंचाने की तोहमत नहीं उठाना चाह रहे थे। हालांकि, भीड़ में से किसी ने इसकी सूचना डायल 112 टीम को दी। सूचना मिलते ही नया भोजपुर ओपी के डायल 112 टीम के सिपाही डीडी सिंह और फिरोज खान तीन मिनट के अंदर ही घटना स्थल पर पहुंच गए तथा आनन फानन में जख्मी बिजली मिस्त्री को उठा अपने वाहन पर बैठा अनुमंडलीय अस्पताल ले गए। जहां, प्राथमिक इलाज के बाद उसकी बिगड़ती हालत को देख सदर अस्पताल बक्सर रेफर किया। समाचार लिखे जाने तक सदर अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। इस घटना के बाद लोगों ने डायल 112 टीम की तत्परता की सराहना की है। वही, नया भोजपुर ओपी प्रभारी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि अभी तक पीड़ित या उसके परिजनों द्वारा किसी तरह की शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

@बक्सर: कम्प्यूटरीकृत सिलाई मशीन चलाने वाले को विदेश में नौकरी का सुनहरा अवसर

बक्सर। अगर आपके पास कम्प्यूटरीकृत सिलाई मशीन चलाने के बेहतर अनुभव है तो आपको विदेश में नौकरी के लिए सुनहरा अवसर आया है। आप मारिसस मे नौकरी कर अच्छी कमाई कर सकते है। साथ ही आपको कंपनी की मुफ्त वीजा, वर्क परमिट, आवास, भोजन, बिजली, पानी आदि भी मुहैया कराएगी। जिला नियोजन पदाधिकारी बक्सर से प्राप्त सूचना के अनुसार श्रम संसाधन विभाग अंतर्गत राज्य समुद्र पार नियोजन ब्यूरो, पटना द्वारा मॉरीसस देश में नौकरी की पेशकश है। जहा अपने जिले के युवक नौकरी प्राप्त कर सकते है। इसके लिए एफएचसी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के द्वारा कम्प्यूटरीकृत सिलाई मशीन पर काम करने वाले योग्य एवं इच्छुक अभ्यर्थियों से आवेदन मांगा गया है। जिला नियोजन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि उक्त पद के लिए आवेदक जिला नियोजनालय में 27 अगस्त तक आवेदन कर सकते है। कम्पनी की ओर से चयनित सूट मेकर वर्कर को 27000 मॉरीसस रूपया (48110/- भारतीय रूपया) एंव सर्ट एवं पैन्ट मेकर को 22000 मॉरीसस रूपया (39201/- भारतीय रूपया) तक मासिक भुगतान किया जायेगा। चयनित अभ्यर्थियों को कंपनी की ओर से वीजा, वर्क परमिट, आवास, भोजन, बिजली, पानी आदि मुहैया करायी जायेगी। आवेदक को व्यवहारिक अंग्रेजी का ज्ञान होना आवश्यक है। आवेदन करने के लिए अभ्यर्थियों के पासपोर्ट का होना आवश्यक है। कंपनी का मुख्य उद्देश्य उत्पाद की गुणवता है। अभ्यर्थी को मशीन मेंन्टेन्स का बेसिक ज्ञान होना चाहिए। वहीं कम्प्यूटरीकृत सिलाई मशीन को चलाने के लिए आवेदक को स्वींग मशीन को चलाने व हाथ से सिलाई से लेकर रख-रखाव तक का ज्ञान आवश्यक है। राज्य के किसी भी जिला नियोजनालय में निबंधित उम्मीदवार अपना पासपोर्ट, पैन कार्ड, निबंधन प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पासपोर्ट आकार का फोटो, रिज्यूम एवं सभी मूल प्रमाण पत्रों की छायाप्रति के साथ अपना आवेदन जिला नियोजनालय बक्सर में कर सकते है।

खबरें फटाफट

देसी शराब के साथ महिला गिरफ्तार

डुमरांव। कोरानसराय पुलिस ने स्थानीय गांव के अनुसूचित जाति बस्ती से एक महिला शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से तीन लीटर देसी चुलाई शराब बरामद हुआ है। आवश्यक पूछताछ के बाद उसे जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तार महिला कारोबारी की पहचान अनुसूचित जाति बस्ती के देनहरिया देवी पति करीमन मुसहर के रूप में हुई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि अनुसूचित जाति बस्ती में एक महिला द्वारा अवैध तरीके से शराब बनाई जा रही है। इस सूचना पर शनिवार को छापेमारी के लिए महिला पुलिस के साथ एक टीम भेजा गया।

बीडीओ ने बीएलओ के साथ की बैठक

चौगाईं। मतदाता सूची के सत्यापन के लिए निर्वाचन आयोग के निर्देश पर कराए जा रहे हाउस सर्वे को सफल बनाने के लिए चौगाईं बीडीओ संजू कुमारी ने शनिवार को प्रखंड के सभी बीएलओ के साथ बैठक की। बैठक में जिला निर्वाचन कोषांग के पदाधिकारी भी शामिल हुए। बैठक में बीएलओ को जिला निर्वाचन कोषांग के पदाधिकारियों के साथ घर-घर जा वोटरों के सत्यापन कराने में सक्रिय सहयोग करने को कहा गया। बीडीओ ने कहा कि इस कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मौके पर प्रखंड के सभी बूथों के बीएलओ मौजूद थे।

नावानगर थाना क्षेत्र के परमडीह पुल के समीप मिले युवक की शव की गुत्थी सुलझी

अश्लील तस्वीर वायरल कराने से नाराज प्रेमिका ने भाइयों से कराई प्रेमी की हत्या

♦ एसपी ने प्रेस वार्ता कर दी जानकारी, मामले में आरोपित महिला समेत चार गिरफ्तार

केटी न्यूज/बक्सर

शुक्रवार की सुबह नावानगर थाना क्षेत्र के परमडीह पुल के पास डुमरांव राजवाहा मार्ग के चाट में मिले युवक के शव की गुत्थी पुलिस ने 24 घंटे के अंदर ही सुलझा लिया है। उसकी मौत कोई दुर्घटना नहीं, बल्कि साजिश के तहत हुई है। शादी के बाद अश्लील तस्वीर वायरल करने से नाराज उसकी शादीशुदा प्रेमिका ने अपने भाईयों के साथ मिल उसकी हत्या करवाई है तथा इसे दुर्घटना साबित करने के लिए शव को लाकर परमडीह पुल के पास नहर चार्ट में फेंकने के साथ ही उसके उपर बाइक भी रख दिया। ताकी लोगों को समझ में आए कि यह दुर्घटना का शिकार हो गया है। लेकिन, पुलिस की जांच व मृतक के पिता के बयान के बाद मामला साफ हो गया कि वह किसी हादसें का शिकार नहीं हुआ है, बल्कि उसकी हत्या की गई है। इस मामले में उसकी प्रेमिका, दो भाईयों तथा एक अन्य युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शनिवार को एसपी मनीष कुमार ने प्रेस वार्ता आयोजित कर इसकी जानकारी दी।

गर्दन पर मिले जख्म के निशान से पुलिस को हुआ संदेह

मिली जानकारी के अनुसार हरिज्ञान की हत्या गुरूवार की मध्य रात्रि ही की गई थी। शुक्रवार की सुबह मॉर्निंग वॉक करने निकले ग्रामीणों ने परमडीह पुल के पास नहर चाट में एक युवक को अचेतावस्था में देखा, उसके उपर बाइक गिरी थी। ग्रामीणों को लगा कि रात में शायद वह दुर्घटना का शिकार हो गया है। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को चाट से बाहर निकाला। शुरू में पुलिस को भी यह दुर्घटना ही नजर आया। लेकिन, पुलिस ने जब बारीकि से नजर दौड़ाई तो युवक के गर्दन के पास गहरा जख्म दिखा। जिसके बाद को दुर्घटना की थ्योरी पर शंका हुई। इसी दौरान उसकी शिनाख्त भी हो गई तथा उसके पिता ने पुलिस को उसके प्रेम कहानी की बात बताई। पुलिस ने जब उनलोगों को हिरासत में ले पूछताछ शुरू किया तो सभी जल्दी ही टूट गए और पुलिस को सारी घटना बता दी।

एसपी ने बताया कि रोहतास जिले के बड़हरी थाना क्षेत्र के रूपी गांव निवासी निरुद्ध पासवान के 22 वर्षीय पुत्र हरिज्ञान कुमार का गांव की ही चांदनी कुमारी नाम की युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसी बीच चांदनी की शादी नावानगर थाना क्षेत्र के पीलापुर गांव में हो गई। शादी के बाद दोनों के बीच अनबन हो गया था। इस दौरान मृतक ने चांदनी की कुछ अश्लील तस्वीरे उसके भाईयों तथा ससुराल में भेज दिया। जिसके बाद चांदनी ने उससे बदला लेने की ठानी तथा साजिश के तहत उसे गुरूवार की रात बुलाया। इसी बीच उसके भाईयों तथा गांव के ही एक अन्य युवक ने मिल हरिज्ञान कुमार की हत्या कर दी तथा शव को परमडीह पुल के पास नहर चार्ट में फेंक दिया। नहर चाट में शव होने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसके पॉकेट से मिले किराना दुकान के एक पुर्जे के आधार पर उसकी पहचान की। वही, उसके पिता ने चांदनी कुमारी, उसके भाई रामविलास पासवान उर्फ मल्लू पासवान तथा गौतम कुमार पासवान पिता बबन पासवान तथा रूपी गांव के ही हरेकृष्ण पासवान के पुत्र अनंत कुमार के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कराया।

ब्लैकमेल कर रहा था मृतक : पुलिस की मानें तो आरोपितों ने उसकी हत्या की बात स्वीकार करते हुए बताया कि हरिज्ञान शादी के बाद भी चांदनी को ब्लैकमेल कर रहा था। वह शादी के पहले ही उसकी कुछ अश्लील तस्वीरें अपने मोबाईल से खींच लिया था। जब ब्लैकमेल से चांदनी नहीं टूटी तो उसने उक्त तस्वीर को उसके भाई तथा ससुराल वालों को भेज दिया। इसी से नाराज चांदनी तथा उसके भाईयों ने उसे साजिश के तहत बुला हत्या कर दी। इस काम में गांव का एक अन्य युवक भी उनका सहयोगी बना।

डुमरांव डीएसपी के नेतृत्व में गठित टीम को मिली सफलता

एसपी ने बताया कि इस हत्याकांड के शीघ्र उद्भेदन के लिए डुमरांव डीएसपी अफाक अंख्तर अंसारी के नेतृत्व में एक टीम गठित किया गया। टीम में डीएसपी के अलावे नावानगर थानाध्यक्ष नंदू कुमार, उमाशंकर गुप्ता तथा नावानगर थाना के सशत्र बल शामिल थे। इस टीम ने वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मात्र कुछ घंटों के अंदर ही घटना में शामिल सभी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। एसपी ने बताया कि पुलिस के समक्ष सभी ने अपने अपराध स्वीकार कर लिए है। वही, आवश्यक पूछताछ के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है।

देसी शराब की बड़ी खेप के साथ तस्कर गिरफ्तार, भेजा गया जेल

केटी न्यूज/डुमरांव

♦ 30 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद,

नया भोजपुर ओपी पुलिस ने गुप्त सूचना पर शराब की खेप के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 30 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद हुआ है। गिरफ्तार तस्कर रंगलाल चौधरी पिता लालजी चौधरी पुराना भोजपुर का रहने वाला है। उसके खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार नया भोजपुर ओपी पुलिस को सूचना मिली थी कि पुराना भोजपुर में एक शराब तस्कर शराब की खेप को ठिकाने लगाने ले जा रहा है। इस सूचना पर एक टीम उसे गिरफ्तार करने पहुंची। वह पैदल ही शराब की खेप झोले में ले जा रहा था। पुलिस ने उसे रोक जब तलाशी ली तो उसके पास से 30 लीटर देसी शराब बरामद हुआ। ओपी प्रभारी मनीष कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है।

गंगा में कूदा किशोर, तलाश जारी

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर के वीर कुंवर सिंह सेतु से एक किशोर ने उफनती गंगा में छलांग लगा दिया। इसकी जानकारी मिलते ही उसके भाई ने बक्सर नगर थाने की पुलिस को घटना की जानकारी दे, शव की तलाश की गुहार लगाई। उसके गुहार पर पुलिस गोताखोरों के माध्यम से शव की तलाश करवा रही है। लेकिन, समाचार लिखे जाने तक किशोर का शव नहीं मिला था। किशोर की पहचान यूपी के बलिया जिले के नरही थाना क्षेत्र के कुतुबपुर गांव के संतलाल गुप्ता के 15 वर्षीय पुत्र राज गुप्ता के रूप में हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार वह अपने मौसी के गांव गाजीपुर जिला के बारा गया था। वहां से लौटने के दौरान बक्सर वीर कुंवर सिंह पुल पर चढ़ रूक गया। इसी दौरान उसके गांव का ई-रिक्शा चालक मंटू कुमार उधर से गुजर रहा था। राज उसे रोक कुछ सामान देना चाहा और कहा कि इसे मेरे घर पहुंचा दिजीएगा। लेकिन, मंटू ने यह कहते हुए उसका सामान नहीं लिया कि अभी गांव जाने में रात हो जाएगी। जैसे ही वह अपना ई-रिक्शा लेकर आगे बढ़ा कि वह पुल पर चढ़ गंगा में छलांग लगा दिया। ई-रिक्शा में बैठे यात्रियों ने उसे गंगा में कूदते देखा तो मंटू को जानकारी दी। मंटू ने ही उसके परिजनों को इस घटना के बारे में बताया। जिसके बाद उसका भाई आशीष गुप्ता बक्सर पहुंचा तथा नगर थाने में आवेदन दे भाई के तलाश करवाने की गुहार लगाई।

मामले में बक्सर टाउन थानाध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि शव की तलाश का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मौके से कुछ साक्ष्य नहीं मिले है।

डीएवी अंतरविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता में डुमरांव डीएवी के छात्रों ने लहराया परचम

शिक्षकों के मार्गदर्शन में बच्चों ने दिखाई अपनी प्रतिभा: प्राचार्य

केटी न्यूज/डुमरांव

हर साल की भांति इस वर्ष भी डीएवी स्कूल द्वारा खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हर्ष उल्लास के साथ किया गया। जिसमें दूर-दूर से डीएवी पब्लिक स्कूल के प्रतिभागियों ने अनेक खेलों के माध्यम से भाग लिया। यह खेल प्रतियोगिता डीएवी बक्सर एवं पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कंपलेक्स पटना में आयोजित किया गया था। इस प्रतियोगिता के आयोजन में डीएवी पब्लिक स्कूल डुमरांव का परचम काफी ऊपर था। इस विद्यालय के प्रतिभागियों ने अनेक खेलों में अपना परचम लहराते हुए अपने विद्यालय, अपने जिले एवं गांव का नाम रौशन किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्यालय के प्राचार्य सीके पाठक खेल, प्रशिक्षक मोनल कुमार, रामरतन प्रजापति आदि शिक्षकगण द्वारा बताया गया कि कबड्डी, बॉक्सिंग, रेसलिंग, एथलीट 400 मीटर एवं एथलीट 800 मीटर में स्वर्ण पदक विजेता रहे एवं वॉलीबॉल की टीम फाइनल मैच में रजत पदक प्राप्त करते हुए उपविजेता रही।

कबड्डी के प्रमुख खिलाड़ी सचिन कुमार यादव, बॉक्सिंग के प्रमुख खिलाड़ी राजकुमार यादव, रेसलिंग में आदित्य कुमार यादव, एथलीट में सागर और प्रत्यूष वॉलीबॉल में सूरज आदि खिलाड़ियों की भूमिका प्रभावशाली थी। यह प्रतियोगिता क्लस्टर वन में आयोजित की गई थी। विजयी टीम जोनल के लिए क्वालीफाई की इसके बाद अगला मैच स्टेट लेवल का होगा उसके बाद नेशनल लेवल होगा। अपने संबोधन में प्राचार्य सीके पाठक ने खेल के विभिन्न विधाओं में खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर खुशी जाहिर की और कहा कि यह हमारे शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन तथा खिलाड़ियों की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि हमारे विद्यालय के छात्र राज्य व देश स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी परचम लहराएंगे। उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं में गोल्ड या रजत मेडल के साथ टीम जीत में योगदान करने वाले खिलाड़ियों की हौसलाअफजाई की तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। प्राचार्य ने कहा कि खिलाड़ियों ने यह साबित कर दिखाया है कि उनमें प्रतिभा कूट-कूट कर भरी है। प्राचार्य ने कहा कि उनके विद्यालय में पढ़ाई के साथ ही खेल कूद का नियमित अभ्यास कराया जाता है। यही कारण है कि अंतर विद्यालय प्रतियोगिता में यहां के छात्रों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। इस खेल प्रतियोगिता में बच्चों ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जिससे स्कूल के प्रधानाध्यापक, शिक्षकगण तथा सभी कर्मचारियों ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए बधाईयां दी एवं आगे आने वाले खेल प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी है।

धूमधाम से संपन्न हुआ शनिचरा बाबा का वार्षिकोत्सव; मेले में उमड़े श्रद्धालु, जयकारों से गुंजायमान रहा इलाका

♦ विधि-व्यवस्था के लिए पूरे दिन तैनात रहे पुलिस जवान

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय स्टेशन रोड स्थित राज हाई स्कूल के समीप शनिचरा बाबा का वार्षिक पूजन बड़े ही धूम-धाम से शनिवार को संपन्न हुआ। वार्षिक पूजनोत्सव में दूर-दराज से श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। तुरहा समाज द्वारा आयोजित इस पूजनोत्सव पर माहौल मेलामय बना रहा। समाज द्वारा विधि-विधान के साथ पूजा अर्चना की गयी। इस समाज के महिला-पुरुषों द्वारा कच्ची मिट्टी से निर्मित खिलौने शनिचरा बाबा को अर्पित किया गया। गाजे-बाजे के साथ मंदिर परिसर पहुंच विधि पूर्वक पूजा-अर्चना की।

आसपास सड़क के दोनों किनारे चाट-जलेबी, खिलौना की दूकानों पर देर शाम श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली। श्रद्धालुओं की सुरक्षा व मुख्य सड़क पर सुचारू रूप से वाहनों के परिचालन के लिए पुलिस-प्रशासन मुस्तैद रहा।

आयोजकों में अनंत तुरहा, संतोष तुरहा, जीउत, मल्लू, लक्ष्मण, राजकुमार, बब्लू, खदेरन, टुनटुन आदि शामिल रहे। आयोजकों ने बताया कि वार्षिकोत्सव पूजन को एक माह पूर्व से ही मंदिर की साफ-सफाई के साथ उसके रंग-रोगन का कार्य होता हैं। वार्षिकोत्सव पर बाबा का मंदिर आकर्षण ढंग से सजाया जाता हैं। श्रद्धालुओं के बीच बाबा का महाप्रसाद का वितरण किया जाता हैं। सड़क के दोनों किनारे रंग-बिरंगे बैलून, खिलौने और व्यंजनों के दुकानों पर महिलाओं और बच्चों की भीड़ बनी रही।

न्याय के देवता है शनि

बता दें कि शनि को न्याय का देवता माना जाता है। भगवान शनि की पूजा अर्चना के दौरान यह देखने को भी मिला। लोग स्वेच्छा से इस पूजा में शामिल हो रहे थे तथा विधिवत पूजा अर्चना कर मन्नते मांग रहे थे। सुबह से देर शाम तक दर्शन पूजन करने वालों की भीड़ उमड़ी रही। वही, शाम ढलते ही मेला का आकर्षण बढ़ गया था। खिलौने के अलावे मिठाई तथा अन्य खाद्य पदार्थ की दुकानों पर बच्चों की भीड़ उमड़ी थी। मंदिर समिति द्वारा भीड़ नियंत्रित करने के लिए माइक से प्रचार प्रसार किया जा रहा था। लेकिन, जैसे-जैस शाम ढली भीड़ बढ़ती ही गई। नया थाना से लेकर राज हाई पेट्रोल पंप तक सड़क के दोनों किनारे अस्थायी दुकानें सज गई थी। मेला के कारण फुटपाथ गायब हो गया था।

खबरें फटाफट

मां के नाम पर किया पौधरोपण

डुमरांव। सामाजिक कार्यकर्ता सह मानवाधिकार संरक्षण प्रतिष्ठान के जिलाध्यक्ष राम बहादुर सिंह ने मां के नाम पर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया है। शनिवार को उन्होंने अपने निजी जमीन में कई फलदार पौधों का रोपण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमारा पर्यावरण बहुत बिगड़ चुका है। पिछले कुछ दशकों में पेड़ पौधों की अंधाधूंध कटाई का दुष्परिणाम अब हमारे सामने आ रहा है। उन्होंने कहा कि बिगड़ रहे पर्यावरण को बचाने का एकमात्र उपाय है कि हम अभी से भी अधिक से अधिक पौधे लगाए तथा लगाए गए पौधों की देखभाल करें। उन्होंने लोगों से हर महत्वपूर्ण अवसरों पर पौधरोपण करने को कहा। इस दौरान उनकी पत्नी लक्ष्मी देवी, पुत्र राजीव रंजन सिंह, विजय प्रताप सिंह, कुमारी राधा सिंह मौजूद रहे।

राजकीय कॉलेज में छात्राओं के लिए बनें खेल मैदान: डीएम

बक्सर। जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में राजकीय अभियंत्रण कॉलेज, पॉलिटेक्निक कॉलेज एवं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्यों के साथ समीक्षा बैठक समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में की गई। बैठक में डीएम ने कहा कि प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय छात्राओं के लिए छात्रावास एवं खेल मैदान के लिए भूमि की उपलब्धता के लिए संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित कर खेल मैदान बनवाना सुनिश्चित करेंगे। जबकि प्राचार्य ने बैठक में बताया कि महाविद्यालय में छात्रों के बैठने के लिए फर्नीचर आदि की व्यवस्था, योग एवं खेल प्रशिक्षक की नियुक्ति की जाती है। डीएम ने सभी प्राचार्य को अपने संस्थान में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति के लिए बायोमेट्रिक की व्यवस्था करने के साथ ही अनुपस्थित छात्रों के अभिभावक को सूचित करने का निर्देश दिया गया।

राजपुर प्रखंड के देवल डेहरा गांव में शराब की खेप के साथ गिरफ्तार हुए चार तस्कर

पुलिस और शराब तस्करों के बीच हुई मुठभेड़, गोली लगने से तस्कर जख्मी

♦ पकड़े जाने पर पुलिस से उलझ गया था तस्कर, पिस्टल छिनने में लगी गोली
♦ घटना में एक पुलिस जवान जख्मी, 50 लीटर शराब बरामद

केटी न्यूज/राजपुर

शनिवार को राजपुर थाना क्षेत्र के देवल डेहरा गांव के पास शराब तस्करों व पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई। इस घटना में एक शराब तस्कर के पैर में गोली लगी है, जबकि एक पुलिस पदाधिकारी भी जख्मी हुए है। घटना की जानकारी मिलते ही बक्सर एसपी मनीष कुमार व सदर डीएसपी धीरज कुमार मौके पर पहुंच गए। इस संबंध में पुलिस का कहना है कि पकड़े जाने के बाद एक हट्टा कट्ठा तस्कर पुलिस पदाधिकारी से उलझ गया तथा उनकी पिस्टल छिनने का प्रयास किया। इसी छिना झपट में गोली चली, जो उसके पैर में लग गई। जबकि तस्कर ने बताया कि पुलिस ने भागने के दौरान गोली मारी है। पुलिस की गोली से जख्मी तस्कर की पहचान राजपुर थाना क्षेत्र के जलहरा गांव के गुंजन कुमार के रूप में हुई है। उसके बाइ पर बैठा तियरा के सोल्जर कुमार समेत दो अन्य तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। जबकि जख्मी तस्कर का पुलिस अभिरक्षा में सदर अस्पताल बक्सर में इलाज करवाया जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार तस्करों का एक ग्रुप जिसमें छह लोग तीन बाइक पर सवार हो यूपी के देवल गांव से शराब का सेवन कर तथा शराब की खेप लेकर आ रहे थे। जैसे ही वे लोग देवल पुल को पार करने लगे कि उनकी संदिग्ध हरकतों को देख पुलिस ने उन्हें रूकने का इशारा किया। लेकिन वे लोग भागते हुए देवल डेहरा तक आ गए। इसी दौरान पीछा कर रही पुलिस ने दो बाइक पर सवार तस्करों को घेर लिया। एक बाइक पर सवार दो तस्कर पकड़ लिए गए। जबकि दूसरे बाइक पर सवार गुंजन तथा सोल्जर भागने का प्रयास करने लगे। इसी दौरान एक पुलिस पदाधिकारी ने गुंजन को पकड़ लिया। इस दौरान वह उक्त पुलिस पदाधिकारी से ही उलझ गया तथा उनकी पिस्टल छिनने लगा। इसी दौरान पिस्टल से गोली चल गई जो गुंजन के पैर में जा लगी। गोली लगते ही गुंजन खून से लथपथ हो जमीन पर गिर पड़ा। जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। वही उसके तीन अन्य साथियों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जबकि फरार हुए दो तस्करों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। हालांकि पुलिस ने तस्कर के पास से 50 लीटर शराब भी जब्त की है।

भागने के दौरान पुलिस ने मारी गोली

वहीं पुलिस की गोली से जख्मी तस्कर गुंजन ने सदर अस्पताल में इलाज के दौरान मीडिया को बताया कि वह यूपी से शराब पीकर आ रहा था। उसके पास शराब की कुछ बोतले भी थी। इसी दौरान देवी डेहरा गांव के पास सादे वर्दी में खड़े पुलिस पदाधिकारी ने उसे रोकने का प्रयास किया। वह भागने लगा तो उक्त पदाधिकारी ने पैर में गोली मार दिया। वही, घटना की सूचना मिलते ही उक्त तस्कर के परिजन सदर अस्पताल पहुंच गए है। जबकि पुलिस के वरीय पदाधिकारी भी पूरे मामले की अपने स्तर से जांच कर रहे है।

पुलिस पदाधिकारी से उलझा था जख्मी

राजपुर पुलिस ने गुप्त सूचना पर यूपी से शराब पीकर तथा अपने साथ शराब की बोतले लेकर आ रहे तस्करों को पकड़ने गई पुलिस ने दो बाइक पर सवार चार तस्करों को दबोचा। इस दौरान एक तस्कर पुलिस पदाधिकारी से उलझ गया तथा उनका पिस्टल छिनने लगा। इसी दौरान पिस्टल से चली गोली उसके पैर में लग गई। जिससे वह जख्मी हो गया। उसका इलाज सदर अस्पताल में करवाया जा रहा है।

– मनीष कुमार, एसपी, बक्सर

स्पैरो इंडिया कंपनी को हटाने के बाद नप ने लिया होल्डिंग टैक्स वसूलने का निर्णय

केटी न्यूज/डुमरांव

होल्डिंग टैक्स की वसूली कर रहे स्पैरो इंडिया कंपनी को नगर परिषद ने दो दिन पहले ही हटाने का पत्र जारी कर दिया है। नप ईओ मनीष कुमार ने चेयरमैन सुनीता गुप्ता व सशक्त स्थायी समिति के निर्णय पर हटाने का आदेश जारी किया है। कंपनी के बहाल कर्मियों के द्वारा टैक्स की वसूली मनमाने ढंग से की जा रही थी। इसकी शिकायत बार-बार मिल रही थी। टैक्स की वसूली अमीरों का कम और गरीबों से ज्यादा लिया जाता था। नगरवासियों के द्वारा कंपनी की शिकायत ज्यादा पैसे वसूली की शिकायत कईबार गई, फिर उसे सुधारकर सही किया गया। कितने ऐसे हैं जिन्होंने शिकायत ही नहीं की।

इस संबंध में जब चेयरमैन सुनीता गुप्ता से बात की गई तो उन्होंने ने बताया की स्पैरो इंडिया के हटाने के बाद सफाई की जिम्मेवारी नप ने स्वयं संभाल लिया है। शीघ्र ही सफाई के लिए संविदा निकाला जाएगा। हालांकि संविदा पहले भी निकाला गया था, लेकिन त्रुटिपूर्ण होने के कारण रद्द करना पड़ गया। फिर से निकालने की तैयारी चल रही है। नगर सहित इसका विस्तारित क्षेत्र भी चकाचक दिखाई देगा। मौजूदा स्थिति में हर क्षेत्र में टीपर वाहन, ट्रैक्टर के साथ मजदूरों को भेज सफाई कराया जा रहा है। वार्ड पार्षदों को भी अपने-अपने वार्ड में रहकर सफाई सही से कराने के लिए कहा गया है। ऐसे में सभी वार्ड पार्षद भी अपने-अपने वार्ड में सक्रीयता निभाते हुए कार्य करा रहे हैं।

डीएम ने इटाढ़ी में मनरेगा योजना से बने जीविका भवन का किया उद्घाटन

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की उपस्थिति में शनिवार को इटाढ़ी प्रखंड के नारायणपुर पंचायत के मुखिया हरेंद्र चौहान द्वारा स्थानीय पंचायत में मनरेगा योजना अंतर्गत निर्मित ग्राम संगठन भवन (जीविका भवन) का उद्घाटन किया गया। ग्राम संगठन भवन की प्राक्कलित राशि 16.54 लाख रुपए है। ग्राम संगठन भवन में एक मीटिंग हॉल, एक कार्यालय कक्ष के साथ शौचालय इत्यादि का निर्माण कराया गया है। जीविका दीदियों के लिए पेयजल के लिए समर्सिबल की भी व्यवस्था की गई है। जिलाधिकारी द्वारा प्रतीक रूप में चाभी प्रदान कर जीविका दीदियों को जीविका भवन हस्तगत किया गया।

बताया गया कि नारायणपुर पंचायत प्रखंड मुख्यालय इटाढ़ी के जीबीसे लगभग आठ किमी की दूरी पर स्थित है। ग्राम पंचायत में कुल आठ ग्राम संगठन के अंतर्गत 116 स्वयं सहायता समूह से 1160 दीदियां जुड़ी है। 116 स्वयं सहायता समूहों का खाता भी खुल चुका है तथा समूहों को बैंक से ऋण भी प्राप्त है। समूह से जुड़ी हुई 233 दीदियां जीविका से आर्थिक सहयोग प्राप्त कर तरह-तरह के व्यवसायिक कार्य से वर्ष भर में एक लाख से अधिक आय अर्जित कर रही है एवं लखपति दीदी की श्रेणी में नामित है। मनरेगा योजना से निर्मित इस भवन का उपयोग कर जीविका दीदियों के द्वारा समूह व ग्राम संगठन के बैठकों का संचालन करना, रिकार्ड व अभिलेख को सुरक्षित स्थान पर संधारित करना, स्वामित्व की भावना से विकसित करना, आर्थिक एवं गरीबी उन्मूलन के लिए बैठक कर कार्य योजना इत्यादि तैयार करना एवं आर्थिक कल्याण के लिए काम करना है। मनरेगा अंतर्गत निर्मित इस भवन का उपयोग पंचायत की जीविका से जुड़ी गरीब महिलाएं कर अपने एवं अपने आस-पास के महिलाओं के आर्थिक उत्थान के केन्द्र बिन्दु के रूप में कार्य कर सकेंगी।

कैंब्रिज स्कूल में विज्ञान मेले का हुआ आयोजन, लोगों ने की बच्चों के मॉडल्स की सराहना

नन्हें वैज्ञानिकों ने दिखाये अपने हुनर

♦ छात्रों ने प्रभावशाली वैज्ञानिक कौशल और रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय कैंब्रिज स्कूल में शनिवार को बच्चों ने अपनी बहुप्रतीक्षित वार्षिक विज्ञान प्रदर्शनी की मेजबानी की, जिसमें छात्रों ने अपने प्रभावशाली वैज्ञानिक कौशल और रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। स्कूल के सभागार में आयोजित यह कार्यक्रम जल-जीवन-हरियाली और मानव के प्रदूषणरहित जीवन के थीम पर था। इसमें विद्यालय के छात्रों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा और तीव्र बुद्धिमता से जटिल संरचना पर आधारित संयंत्र के बेहतर तकनीक के जरिए आसान तरीके से मॉडल प्रस्तुत कर अभिभावकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस विज्ञान प्रदर्शनी का उद्देश्य छात्रों को प्रेरित करना और उन्हें विभिन्न वैज्ञानिक क्षेत्रों में जिसमे बुनियादी रसायन विज्ञान प्रयोगों से लेकर उन्नत रोबोटिक्स प्रदर्शनों तक व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है।

उपस्थित मुख्य अतिथि, गणमान्य व्यक्तियों तथा अभिभावकों ने बच्चों द्वारा आयोजित किए गए इस विज्ञान प्रदर्शनी को देखा और बच्चों के द्वारा बारीकी से बनाए हुए वैज्ञानिक माडलों की कार्यकुशलता पर आश्चर्यचकित रहे और कैंब्रिज स्कूल द्वारा किए जा रहे इस नवाचार आधुनिक वैज्ञानिक प्रयासों की तहे दिल से सराहना किया। इस तरह के आयोजन न केवल उनकी प्रतिभा को उजागर करते हैं बल्कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अधिक रुचि को भी प्रोत्साहित करते हैं।

विद्यालय के चेयरमैन टीएन चौबे ने कहा की इस विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन सीबीएसई की बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा, रीसाइक्लिंग प्रौद्योगिकियों और पर्यावरण-अनुकूल थीम पर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विज्ञान केवल किताबों तक सीमित नहीं है, यह हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। यह हमारे आस-पास की दुनिया को समझने, नए विचारों को जन्म देने और समस्याओं का समाधान खोजने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

इस विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने वर्किंग ऑफ हार्ट, स्मार्ट सिटी, टेस्ला कॉयल, वाटर पोलुसन, लेजर सेकुरिटी, मॉडल ऑफ हार्ट, एसिड रेन मॉडल, स्मार्ट सिटी, वोल्कानो, रेन डिटेक्टर, जेनेरेटर, इको फ्रेंडली एसी सहित अन्य आकर्षक मॉडल्स का प्रदर्शन किया। प्राचार्य राजीब प्रधान ने कहा कि इस साल हमारे छात्रों ने अपनी परियोजनाओं में जो रचनात्मकता और प्रयास किए हैं, उस पर हमें अविश्वसनीय रूप से गर्व है। विज्ञान प्रदर्शनी हमारे छात्रों के लिए विज्ञान के प्रति अपनी कड़ी मेहनत और उत्साह दिखाने का एक शानदार अवसर है। स्कूल प्रशासन द्वारा प्रदर्शनी में अव्वल आये ग्रुपों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

खबरें फटाफट

आर्म्स एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

बिक्रमगंज। नगर थाना कांड भिलाई संख्या 255/24 के आलोक में आर्म्स एक्ट के प्राथमिकी अभियुक्त बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के काली स्थान तेंदुनी चौक निवासी उमेश सिंह के 23 वर्षीय पुत्र रूपेश सिंह को बिक्रमगंज की पुलिस ने छत्तीसगढ़ पुलिस के सहयोग से गिरफ्तार कर लिया है। इसकी जानकारी थानाध्यक्ष ललन कुमार ने दी।

बिजली चोरी में दो पर जुर्माना समेत केस दर्ज

दावथ। विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत कनीय विद्युत अभियंता दावथ अर्जुन कुमार के नेतृत्व मे एक जांच दल का गठन किया गया। जांच दल द्वारा अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर दो पर प्राथमिकी दर्ज की है। बताते चले कि बकायेदार उपभोक्ताओं का विद्युत विपत्र की राशि बकाया रहने के कारण विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाकर विद्युत कनेक्शन काट रही है परंतु कुछ उपभोक्ताओं द्वारा बिना बकाया राशि एवं रिकनेक्शन शुल्क जमा किये अवैध रूप से तार जोड़कर विद्युत ऊर्जा की चोरी करने लग रहे हैं। इसी बीच ग्राम-बहुआरा टोला के उपभोक्ता का बकाया पर विद्युत कनेक्शन कटने के पश्चात अवैध रूप से तार जोड़कर जलाने को लेकर धरिक्षनी देवी पर 43367 रुपए दंडित राशि लगायी गयी है।

तालाब में तब्दील हुई सड़क, बढ़ी मुश्किलें

रामपुर। प्रखंड क्षेत्र के बेलांव में भभुआ और चेनारी प्रखंड को जोड़ने वाले मुख्य सड़क राहगीरों के लिए बन गया है मुसीबत। यह सड़क तालाब के रूप में तब्दील हो चुकी है। हालात ऐसे हैं कि तेज बारिश होने से सड़क के किनारे दोनों तरफ बने घरों में पानी घुस जा रहा है। जहां किसानों, दुकानदारों, व्यवसाईयों से लेकर विद्यार्थियों तक के सामने गांव से निकलने में बड़ी समस्या उत्पन्न हो गई है।

कैमूर में आज सिपाही भर्ती के पांचवें चरण की होगी परीक्षा, सभी केंद्रों पर तैयारीयां पूरी

मोबाइल व अन्य इलेक्ट्रोनिक उपकरण पर रहेगी रोक, दलालों को होगी जेल

- आठ केंद्रों होगी परीक्षा,केंद्रों पर लागू होगी 163 धारा
- होटल व लॉज पर रहेगी पुलिस की नजर

केटी न्यूज/भभुआ

केंद्रीय चयन पर्षद द्वारा आयोजित सिपाही भर्ती परीक्षा का पांचवां चरण आज जिले के आठ परीक्षा केंद्रों पर आयोजित किया जा रहा है। पिछले चार चरणों की तरह प्रशासन पांचवें चरण की परीक्षा भी कदाचार मुक्त एवं शांति पूर्वक सम्पन्न कराने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रशासनिक स्तर पर किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जा रही है और सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

अनुमंडल दंडाधिकारी द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत परीक्षा केंद्र के 200 गज के परिधि में सुबह 8:00 बजे से परीक्षा समाप्ति तक निषेधाज्ञा लागू किया गया है। इसके तहत परीक्षा केंद्र के आसपास पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों को एक साथ चलना या इकट्ठा होना, ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग करना, कोई भी घातक हथियार या आग्नेय अस्त्र लेकर चलना या बेवजह घूमना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

परीक्षा से जुड़े नियमों के जांच बाद ही प्रवेश कर सकेंगे परीक्षार्थी : परीक्षा में सभी परीक्षार्थियों को ई-प्रवेश पत्र तथा फोटो पहचान पत्र यथा आधार कार्ड के साथ ही प्रवेश की अनुमति होगी। सभी परीक्षार्थियों हेतु जगह पूर्व में निर्धारित है, जिस पर परीक्षार्थियों का रोल नंबर तथा फोटो स्टिकर निश्चित रूप से चिपकाए जाएगा। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर ध्वनि विस्तारक यंत्र तथा जनरेटर लगे हुए रहेंगे। परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों के बायोमेट्रिक, फोटो, वीडियो आदि लिए जाएंगे जिससे गड़बड़ी करने वालों की आसानी से पहचान हो सकेगी तथा सीसीटीवी तथा जैमर की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। परीक्षा के दौरान किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश पत्र तथा आधार कार्ड के अतिरिक्त कोई भी लेखन सामग्री लेकर प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षा के दौरान कोई भी लिखित सामग्री, प्रवेश पत्र पर पर कोई लेख, सादा कागज, क्लिप बोर्ड, स्लाइड रूल, कैलकुलेटर, मोबाइल फोन, ब्लूटूथ उपकरण, डिजिटल डायरी, पैमटॉप या कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण केंद्र के अंदर ले जाना वर्जित है। परीक्षा कार्य में लगे कोई भी कर्मी के भी मोबाइल के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया गया है।

जिला क्षेत्र के सभी आठ केंद्रों पर अधिकारी रहेंगे तैनात : जिले के कुल आठ परीक्षा केंद्रों पर प्रखंड विकास पदाधिकारी स्तर के पदाधिकारी को स्टैटिक मजिस्ट्रेट सह ऑब्जर्बर बनाया गया है तथा उनके सहयोग के लिए इंस्पेक्टर स्तर के पदाधिकारी पुलिस बल के साथ प्रतिनियुक्त किए गए हैं।

शहर के सभी लॉज होटलों पर प्रशासन की होगी सघन जांच : अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर द्वारा शहर के सभी होटल, लॉज, ढाबा, कोचिंग संस्थानों आदि की गहन जांच की जा रही है। प्रथम चरण की परीक्षा के पूर्व भी कुछ असामाजिक तत्वों को गिरफ्तार किया गया था। सभी कोचिंग सेंटर तथा प्रमुख जगहों पर सादे लिबास में पुलिस कर्मियों के प्रतिनियुक्ति की गई है जो गुप्त सूचना संग्रहण कर नियंत्रण कक्ष को देंगे।

परीक्षा केंद्रों पर प्रशासन की होगी सख्ती

सोशल मीडिया सहित संचार के अन्य माध्यमों पर भी पुलिस की गंभीरता से नजर रख रही है। जो केंद्रीय चयन पर्षद,सिपाही भर्ती के आदेश के आलोक में अभ्यर्थियों के परीक्षा केंद्र में प्रवेश समय भी 10:30 तक ही निर्धारित है। सभी परीक्षा केन्द्रों की साफ-सफाई, शौचालय, पेयजल एवं पर्याप्त मात्रा में रौशनी के लिए जनरेटर की पूर्व व्यवस्था कराने का निर्देश दिया गया है। इस परीक्षा में रिपोर्टिंग समय 9:30 बजे है तथा 10:30 बजे के बाद किसी की परीक्षार्थी को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा शुरू होने से एक घंटा पूर्व ही परीक्षा हॉल में प्रवेश दिया जाएगा।

बैंक लूट कांड में नौ लाख के साथ पांच गिरफ्तार

- अपराधियों के पास से पुलिस ने जब्त किए तीन पस्टिल

केटी न्यूज/छपरा

सारण पुलिस को एक बड़ी उपलब्धि हाथ लगी जब पुलिस ने महज 36 घंटे के अंदर आईडीबीआई बैंक से लूट कांड का सफल उद्भेदन करते हुए पाँच अपराधियों को दो ऑटोमेटिक लोडेड पिस्टल एवं एक कट्टा के साथ गिरफ्तार किया।

सारण एसपी डॉक्टर कुमार आशीष ने बताया कि बीते 21 अगस्त को सोनपुर थाना अंतर्गत गोला बाजार स्थित आईडीबीआई बैंक में बाइक सवार तीन अपराधियों के द्वारा बैंक में घुसकर सुरक्षा गार्ड के साथ मारपीट कर उसकी बंदूक छीन लिया था और उस दौरान उनके द्वारा बैंक और ग्राहकों से कुल 19 लाख 75 हजार 850 रुपए लूट की घटना को अंजाम दिया गया था।इसके बाद वह खुद मौके पर पहुंचकर मामले की जांच करते हुए एफएसएल टीम को बुलाए थे।वहीं उनके द्वारा एस आई टी का गठन किया गया था, जिसके द्वारा अनुसंधान के क्रम में 36 घंटे के अंदर इस लूट कांड का सफल उद्भेदन कर दिया गया। गिरफ्तार अपराधियों के पास से लूट की कुल राशि से ?9310200 के साथ दो लोडेड देशी पिस्तौल, एक कट्टा, छह जिंदा कारतूस, एक अपाची बाइक एवं एक कार के साथ छह मोबाइल भी जब्त किया गया। उन्होंने बताया कि लूट कांड में दो अपराधी पहले से बैंक में मौजूद थे, जिनके द्वारा उन्हें सहयोग किया गया। गिरफ्तार अपराधियों में सभी अपराधी जिले के सोनपुर थाना क्षेत्र के पहलेजा शाहपुर बल्ली टोला निवासी रमेश चौधरी, जहांगीरपुर भिन्नक टोला निवासी देवानंद राय, धीरज कुमार, चुन्नू कुमार एवं गंगाजल टोला निवासी गोलू कुमार शामिल है।

फर्जी फेसबुक आईडी से परेशान युवती ने दर्ज कराई प्राथमिकी

केटी न्यूज/काराकाट

काराकाट थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव के एक युवती की सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक पर आईडी बनाकर परेशान करने का मामला प्रकाश में आया है। जानकारी के अनुसार युवती काराकाट थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी सुजीत सिंह की पुत्री बताई जा रही है । जिसका नाम और प्रोफाइल फोटो इस्तेमाल कर एक फेसबुक आईडी बनाकर बदनाम करने की नियत से तरह तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे है।

युवती के पिता ने बताया कि दो दिन पहले उनके पड़ोस में रहने वाले एक चाचा ने उनके भाई से बताया कि तुम्हारे बहन के नाम से एक फेसबुक आईडी बनाया गया है और मुझे मैसेज कर गंदे और भद्दे कमेंट व गालियां दिया जा रहा है,ये कौन हैं। फिर मेरे पुत्र ने आईडी देखा और मुझें बताया। युवती ने कहा कि आश्चर्य की बात यह है कि लास्ट सावन की सोमवारी को जो मैने अपने वॉट्सएप पर स्टेटस लगाई थी उसे ही यूज किया गया है, मतलब कोई तो है जो करीबी है लेकिन मुझें बदनाम करने की भरपूर कोशिश कर रहा हैं । मुझें अलग अलग नंबर से दिन रात सैकड़ों कॉल कर गाली गलौज करते हुए धमकी दिया जा रहा है कि तुम्हे बदनाम करेंगे। जिसके बाद समाज में बदनामी से भयभीत होकर काराकाट थाने में अज्ञात के विरुद्ध एफआइआर दर्ज कराया है। इस संबंध में अपर थानाध्यक्ष रवि भूषण कुमार ने बताया कि मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। बहुत जल्द पुलिस की हाथ उस सातीर व्यक्ति तक पहुंचेगी जो इस युवती को परेशान व ब्लैकमेल कर रहा है।

एक नजर

बच्चों ने दिखाए श्रीकृष्ण के विभिन्न स्वरुप

छपरा। सोमवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व पूरे देश और जहां भी श्रीकृष्ण के भक्त और अनुयायी है वहां पर पूरे धूमधाम से मनाया जायेगा। लेकिन इससे पहले छपरा के सबसे बेहतरीन स्कूलों में से एक हेजलवुड स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार मनाया गया, जिसमें स्कूली बच्चों ने श्रीकृष्ण के अलग-अलग स्वरुपों और श्रीकृष्ण से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं का चित्रण किया। मौके पर स्कूली बच्चों द्वारा अलग-अलग झाकियां तैयार की गई और उसका प्रस्तुतीकरण किया गया। इस मौके पर विद्यालय के निदेशक बलदेव सिद्धार्थ में बताया कि हेलजवुड शुरू से ही इस तरह के कार्यक्रम में बढ-चढ़कर हिस्सा लेता रहा है और यहां के बच्चों द्वारा ऐसे कई सारे प्रोग्राम समय-समय पर किया जाता है। प्राचार्य सुमन्त कुमार ने जन्माष्टमी को लेकर अपने संदेश में यह भी कहा कि श्रीकृष्ण के जीवन से बहुत कुछ सीखा जा सकता है और इस तरह के आयोजन से बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक ज्ञान भी होता है जो बच्चों को आगे बढ़ने में मदद करता है। इस मौके पर हेजलवुड के छात्र-छात्राओं के साथ ही वहां के टीचर, स्टाफ और अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे।

पूर्व विधायक के जदयू महासचिव बनने पर दी बधाई

छपरा। नीतीश कुमार की अध्यक्षता वाली जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) में बड़े बदलाव किए गए हैं। पुरानी प्रदेश कमेटी को भंग करत हुई नई राज्य कमेटी का गठन हुआ है। जिसमें 115 पदाधिकारी बनाए गए हैं।जेडीयू की नई प्रदेश कमेटी में 10 उपाध्यक्ष, 49 प्रदेश महासचिव, 46 प्रदेश सचिव, 9 प्रवक्ता और एक कोषाध्यक्ष बनाये गये हैं।बीते साल मार्च 2023 में बनाई गई राज्य कमेटी में 251 पदाधिकारी थे। जिसे अब घटाकर 115 कर दिया गया है। जिसमें कई पदाधिकारियों की छुट्टी कर दी गई है।वहीं अब सिर्फ 49 महासचिव बनाये गये हैं। जिसमें राजद छोड़कर जेडीयू में आये पूर्व विधायक रणधीर सिंह को महासचिव बनाया गया है। वे महाराजगंज के पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह के पुत्र हैं। लोकसभा चुनाव में राजद से टिकट नहीं मिलने के बाद जेडीयू में शामिल हुए थे। जदयू नेता सह पूर्व छपरा विधायक रणधीर सिंह को जदयू के प्रदेश महासचिव के पद पर मनोनीत होने से जिले में खुशी की लहर है। इनके मनोनयन पर युवा नेता माही सिंह ने बधाई दी। इस अवसर पर जदयू नेता निरंजन सिंह, मुकेश सिंह, विक्की सिंह, विजय सिंह, अशोक सिंह, पूर्व जिला परिषद केशव सिंह, पूर्व मुखिया विवेक सिंह, सुमित सिंह, विमल तिवारी आदि ने भी खुशी व्यक्त कर बधाई दी।

राधे-कृष्ण के रूप में स्कूली बच्चों ने मनमोहा

बिक्रमगंज। प्रज्ञा पुंज पब्लिक स्कूल आरा रोड बिक्रमगंज में शनिवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के पावन अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल के सभी छात्र-छात्राओं ने भाग लिया । नन्हें-मुन्हें बच्चों ने श्रीकृष्ण और राधा की आकर्षक वेषभूषा में नृत्य, गायन प्रस्तुत किया। बच्चों के परिधान और उनके मनमोहक स्वरूप लोगों में आकर्षण का केन्द्र रहा। नन्हें-मुन्हें बच्चों का कृष्ण और राधा के स्वरूप में किया गया अभिनय बेहतरीन रहा। कल्पना से परे उनकी भाव भंगिमाए और अभिनय की जोरदार सराहना हुई। इस अवसर पर विद्यालय के संस्थापिका डॉ. संगीता शर्मा, निदेशक अभिजीत आनंद, शिक्षक मनोज पाठक, अरविंद तिवारी समेत सभी शिक्षक, शिक्षिका एवं छात्र-छात्रा उपस्थित थे।

ताड़ीघाट विद्युत उपकेंद्र : फीडरों की आउटगोइंग व दो इनकमिंग ट्रालियां तेज आवाज के साथ ब्लास्ट

- कंट्रोल रूम में धुएं का अंबार, घंटों मची रही अफरा-तफरी
- बिजली आपूर्ति ठप होने से 34 गावों में पसरा अंधेरा

केटी न्यूज / गाजीपुर

जनपद के ताड़ीघाट विद्युत उपकेंद्र के कंट्रोल रूम में बीती रात अचानक स्पार्किंग होने से सभी फीडरों के आउटगोइंग और दो इनकमिंग ट्रालियां तेज आवाज के साथ ब्लास्ट हो गई। इस दौरान पूरा कंट्रोल रूम धूएं से भर गया। इस कारण विद्युत कर्मियों में अफरा-तफरी मची हुई है। इस कारण विद्युत सब-स्टेशन के तहत आने वाले करीब 34 गावों के हजारों घरों में अंधेरा छा गया है। यही नहीं इसके कारण इलाके में आधा दर्जन एचटी विद्युत पोल के तार भी टूट गए।विद्युत कर्मियों ने इसकी सूचना अपने आलाधिकारियों को दी। साथ ही मरम्मत में जुट गए। मगर अभी तक आउटगोइंग व इनकमिंग ट्रालियों की मरम्मत करने में विद्युत कर्मियों को सफलता नहीं मिल सकी है। इसके चलते ग्रामीण इस उमस भरे मौसम में किसी तरह रहने को मजबूर हैं।

मालूम हो कि एक महीनें के अंदर यह दूसरी घटना है, जब सब स्टेशन की ट्रालियां खराब हुई हैं। इसके पहले भी बीते 26 जुलाई को तेज आवाज के साथ यह ट्रालियां फट गई थी। उस दौरान भी आपूर्ति कई दिनों तक ठप थी। इसकी मरम्मत के बाद आपूर्ति बहाल हो सकी थी। इसके चलते इलाके के गोपालपुर, तिलवां, नरायनापुर, पटकनियां, कालूपुर, युवराजपुर, सुहवल, कल्यानपुर, डेढगावां, उधरनपुर आदि गावों में बत्ती गुल है। जिससे पानी टंकी, नलकूप, छोटे छोटे उद्योग धंधे बंद हैं। मालूम हो कि इस सब-स्टेशन के अधिकतर उपकरण काफी पुरानी हो चुके हैं. जिससे आए दिन ट्रपिंग, शार्ट-सर्किट, लो वोल्टेज आदि का सामना कर ?ना पड़ता है। इसी का नतीजा है कि इस तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अगर पुरानी मशीनों की जगह नए लगाए जाएं तो इस तरह की समस्या से छुटकारा मिलने के साथ ही समय से बेहतर आपूर्ति हो सकेगी। अवर अभियंता आशीष कुमार ने बताया कि ट्रालियों के खराब होने और इलाके की आपूर्ति बाधित होने की सूचना मिली है। बताया कि मरम्मत के लिए टेक्नीशियन को बुलाया गया है। मरम्मत पूरा होने के बाद आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

एक नजर

गुस्ताख ए रसूल को कठोर दंड मिले : शमीम खान

बलिया। इस्लाम के पाक पैगंबर मोहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहो अलैहे वसल्लम पर अभद्र टिप्पणी करने वाले राम गिरी महाराज के विरोध में ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमिन पार्टी ने कलेक्ट्रेट में शनिवार को जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान गुस्ताखे नबी बर्दाश्त नहीं-बर्दाश्त नहीं, गुस्ताख ए नबी गिरफ्तार हो-गिरफ्तार हो के नारे भी लगाए गए व महामहिम राष्ट्रपति महोदय भारत सरकार को संबोधित ज्ञापन वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी को भी सौंपा गया। प्रेस को संबोधित करते हुए पार्टी के प्रदेश महासचिव मोहम्मद शमीम खान ने कहा कि पैगम्बर मुहम्मद रसूलुल्लाह सल्लल्लाहू अलैहे वसल्लम पर की गई गलतबयानी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जा सकती,इस तरह के लोग देश की एकता, अखंडता, भाईचारा के लिए खतरा हैं,ऐसे नफरत फैलाने वाले नीच मानसिकता वाले लोगों को कठोर सजा दिया जाना चाहिए। पार्टी के जिलाध्यक्ष राकेश कुमार गुप्ता ने कहा कि यह देश सबका है हर धर्म का सम्मान होना चाहिए, किसी भी धर्म के बारे में टिप्पणी करने का अधिकार दूसरे को नहीं है, ऐसे पाखंडियों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। इस अवसर पार्टी के पूर्वांचल सचिव कारी जफर अहमद, जिला संगठन प्रभारी मोहम्मद नसीम खान,जिला सचिव फरीद अहमद मुराद, जिला सचिव दीपक यादव, विधानसभा अध्यक्ष मोहम्मद शाहिद उर्फ डब्लू, छोटन राजभर, सनाउल्लाह खान इत्यादि लोग मौजूद रहे।

रेवतीपुर ब्लॉक के टीकाकरण केंद्रों व नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का हुआ औचक निरीक्षण

गाजीपुर। चिकित्सा अधीक्षक एवं प्रभारी अधिकारी डा. अमर कुमार ने चिकित्सकीय व्यवस्था का जायजा लेने के उद्देश्य से शनिवार को ब्लाक क्षेत्र के कई टीकाकरण केंद्रों और नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मेदनीपुर स्थित नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर करीब दस बजे पहुंचे तो ताला लटकता देख उनका पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया। मामले को गम्भीरता से लेते हुए अधीक्षक डाक्टर अमर कुमार ने डाक्टर शैलेंद्र बिंद सहित कुल पांच कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से नोटिस जारी करते हुए अनुपस्थित सभी पांच लोगों का वेतन रोकने का निर्देश दिया।

खबरें फटाफट

इलेक्ट्रॉनिक चाक वितरण हेतु साक्षात्कार 30 को

मऊ। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि उ० प्र० शासन द्वारा उ० प्र० माटीकला बोर्ड का गठन किया गया है, जिसके द्वारा अल्प आय वर्ग के कुम्हारो को शासन द्वारा नि:शुल्क इलेक्ट्रानिक चाक वितरण हेतु वितीय वर्ष 2024-25 का लक्ष्य आवंटित किया गया है। विभाग द्वारा माटीकला के कारीगरो को नि:शुल्क टूल किट्स का वितरण किया जायेगा। इसके लिये विभागीय वेबसाइट https://upmatikalaboard.in पर टूल किट्स हेतु ऑनलाईन पंजीकरण कराकर इस कार्यालय को प्राप्त करा दिये है, उन अभ्यर्थियों को साक्षात्कार मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में दिनांक 30 अगस्त 2024 को विकास भवन में 11:00 बजे से निर्धारित किया गया है। फार्म जमा करने वाले सभी अभ्यर्थी साक्षात्कार में प्रतिभाग करें । अधिक जानकारी हेतु किसी भी कार्य दिवस में जिला ग्रामोद्योग कार्यालय अन्धा मोड भीटी मऊ से एवं दूरभाष संख्या 7408410764, 9450510803 पर सम्पर्क कर सकते है।

संगठन की सदस्यता, संगठन की है आत्मा

चंदौली । भाजपा जिला कार्यालय में शनिवार को सदस्यता अभियान 2024 के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिलाध्यक्ष काशीनाथ सिंह ने कहा कि सदस्यता अभियान को लेकर राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर की कार्यशाला संपन्न हो चुकी है। सभी कार्यकताओं के लिए संगठन की सदस्यता संगठन की आत्मा है। संगठन की सदस्यता विचारधारा की प्रक्रिया है। इसलिए अपनी सदस्यता को इस बार भी सर्वोपरि बनाना है। समाज के प्रत्येक घटक तक जाकर भाजपा का सदस्य बनना है। कार्यकताओं का आह्वान किया कि मंडल शक्ति केंद्र बूथ स्तर पर घर-घर जाकर इस अभियान को पूर्ण करें। विधायक कैलाश आचार्य ने कहा कि हर कार्यकताओं की नैतिक जिम्मेदारी है कि अधिक से अधिक सदस्य बनाकर लोगों को पार्टी से जोड़ने का काम करें,ताकि जनपद सदस्यता अभियान में सबसे आगे रहे।

भाजपा का सदस्यता अभियान -2024 की की कार्यशाला में बोले जिला प्रभारी...

अंग्रेजों की तरह समाज को बांटकर देश को कमजोर करना चाहता है विपक्ष

- भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता को नया सदस्य बनना है और सबको नया सदस्यता क्रमांक मिलेगा : जिलाध्यक्ष

केटी न्यूज/गाजीपुर

भाजपा का सदस्यता अभियान -2024 की कार्यशाला शनिवार को भाजपा जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष सुनील सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता जिला प्रभारी राकेश त्रिवेदी ने कहा कि विपक्ष अंग्रेजों की तरह समाज को बांटकर देश को कमजोर करना चाहता है। जनसंख्या नियंत्रक कानून से वही लोग व्यथित हो रहे हैं, जो भारत को पुनः गुलाम देखना चाहते हैं। हमें इनकी चाल को समझना होगा और भारत माता के लिए स्वार्थ से परे जो हमारे महामनीषियों ने जो कुबार्नी दी है उन्हें स्मरण कर भारतीय जनता पार्टी को सशक्त बनाना है। भारत की विभिषिका को स्मरण कर हमें आज बांग्लादेश में हो रहे अत्याचार व आतंक से सीख लेने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और परिश्रम के साथ काम करते हैं। वह संगठन के हर लक्ष्य को सहजता से पूरा करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा प्रत्येक कार्यकर्ता 200 सदस्यों की सदस्यता कराने का लक्ष्य लेकर काम करें, संगठन लक्ष्य स्वतःपूर्ण हो जाएगा। जिलाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने सदस्यता अभियान से जुड़े प्रत्येक विषयों पर विस्तार से उद्बोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी स्थापना काल से लोकतांत्रिक तरीके से संगठन को मजबूत करने तथा विस्तार करने का काम सदस्यता अभियान के माध्यम से करती रही है।

स्थापना वर्ष में प्राथमिक सदस्यता, सक्रिय सदस्यता के साथ संगठन का निर्माण करते हैं। उन्होंने कहा कि एक साथ 26 अगस्त को सभी मंडलों की कार्यशाला मंडलों मे आयोजित किया गया है। तथा 31 अगस्त को बूथों की कार्यशाला बूथ स्तर पर आयोजित होगी। जिलाध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता को नया सदस्य बनना है और सबको नया सदस्यता क्रमांक मिलने वाला है उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता सदैव लक्ष्य निर्धारित राजनीति के प्रति समर्पित होकर कार्य करता है। जिसके मूल में सर्वव्यापी व सर्वस्पर्शी सदस्यता भारतीय जनता पार्टी का लक्ष्य तथा राष्ट्र के प्रति समृद्धि का संकल्प है। कार्यशाला का संचालन महामंत्री अवधेश राजभर ने किया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से राज्यसभा सांसद डा संगीता बलवंत, विधान परिषद सदस्य विशाल सिंह चंचल, जिपं अध्यक्ष सपना सिंह, सरोज कुशवाहा, भानु प्रताप सिंह, वरिष्ठ भजपा नेता कृष्ण बिहारी राय, बृजेंद्र राय, विजय शंकर राय, पूर्व विधायक सुनीता सिंह, सिंहासन सिंह, डा. राजकुमार गौतम, कालीचरण राजभर, डा. सानन्द सिंह, सरिता अग्रवाल, रामनरेश कुशवाहा, ओम प्रकाश राय, प्रवीण सिंह, दयाशंकर पांडेय, जिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा, पियूष राय, राजेश राजभर, बृजनंदन सिंह, लालजी गौड़, ब्लॉक प्रमुख राजन सिंह, मनोज गुप्ता, आनंद राय मुन्ना, धर्मेंद्र सिंह ,अभय सिंह शैलेश राम, शशि प्रकाश सिंह, श्यामराज तिवारी, सरोज मिश्रा, संकठा प्रसाद मिश्र, साधना राय, आलोक शर्मा, दीपक सिंह, नीतीश दूबे, अविनाश सिंह, शनि चौरसिया सहित आदि अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यता अभियान प्रमुख उपस्थित थे।

डीआईजी, डीएम व एसपी ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया

- अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरा, स्ट्रांग रूम, चेकिंग, फेस्टिंग, बायोमेट्रिक व्यवस्था को देखा

केटी न्यूज / गाजीपुर

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश आरक्षी नागरिक पुलिस के पदों पर सीधी भर्ती-2023 की लिखित परीक्षा को सकुशल, नकलविहीन, पारदर्शी, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराए जाने के उद्देश्य से डीआईजी ओमप्रकाश सिंह, जिलाधिकारी आर्यका अखौरी एवं पुलिस अधीक्षक डा0 ईराज राजा ने सुभाष इंटर कालेज फतेउल्लाहपुर गाजीपुर, शिवकुमार शास्त्री इंटर कालेज जंगीपुर, राजकीय पालीटेक्निक कालेज, इंटर कालेज खालिसपुर, राजकीय बालिका इंटर कालेज महुआबाग गाजीपुर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरा, स्ट्रांग रूम, चेकिंग, फेस्टिंग, बायोमेट्रिक व्यवस्था को देखा। डीआईजी ने बताया कि उत्तर प्रदेश पुलिस परीक्षा की सारी तैयारी उत्कृष्ठ स्तर पर की गई है। सभी विद्यालयों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। कन्ट्रोल रूम भी बनाए गये है। जनपद स्तर पर भी कन्ट्रोल रूम पुलिस लाइन में बनाया गया है, जहां से लगातार निगरानी की जा रही है। सभी अभ्यर्थियों का प्रवेश के समय बायोमेट्रीक वैरीफीकेशन किया गया। एवं निर्देशित भी किया कि किसी भी परिक्षाथी बायोमेट्रीक वैरीफीकेशन के बाद ही परीक्षा में बैठेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में उत्तर प्रदेश पुलिस परीक्षा को संपन्न कराने के लिए 12 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं जिसमे परीक्षा दो पालियों में संपन्न कराई गयी। परीक्षा को संपन्न कराने के लिए जोनल, सेक्टर, स्टेटिक मजिस्ट्रेट के अलावा पर्याप्त पुलिस बल भी लगाया गया। उन्होने सेक्टर/स्टेटिक मजिस्टेज्ट को निर्देशित किया है कि अपने अपने कार्यो एवं दायित्वों को शत प्रतिशत निर्वहन करें इसमें किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नही होगी।

पुलिस बनने का सपना लेकर गया था गोरखपुर, झपट ले गई मौत

बांसडीह (बलिया)

सिपाही भर्ती परीक्षा देने बलिया से गोरखपुर गये सहतवार थाना क्षेत्र के महाराजपुर गांव निवासी 22 वर्षीय अखिलेश सिंह की रोडवेज बस से कुचलकर शुक्रवार को मौत हो गयी। घटना उस समय हुई जब वह गोरखपुर के सहजनवां थाना क्षेत्र के मुरारी इंटर कालेज में सिपाही भर्ती परीक्षा देकर निकले थे। सहजनवा थाना चौराहे के पास फोरलेन पर रोडवेज बस ने कुचल दिया। युवक की मौके पर ही मौत हो गयी। बताया जाता है कि परीक्षा समाप्त होने के बाद वह सहजनवा थाना चौराहे पर खड़ा था। इसी बीच रोडवेज की एक बस पहुंची, उसने सीढ़ी पर पैर रखा ही था कि चालक ने बस आगे बढ़ा दी और वह नीचे गिर गया। अखिलेश पहिये के नीचे आ गया और बस उसे कुचलते हुए आगे बढ़ गई। सहजनवा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परिजनों को सूचना दिया। घटना की सूचना मिलते ही गांव में परिवार के लोगों में कोहराम मच गया।

सभी प्रधानाध्यापकों के खिलाफ नोटिस जारी, तीन दिन में स्पष्टीकरण देने का निर्देश

समीक्षा बैठक में सात प्रधानाध्यापक रहे अनुपस्थित, वेतन रोका

- शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा या अन्य किसी विभागीय बैठकों को लेकर उदासीनता नहीं होगा बर्दाश्त

केटी न्यूज/गाजीपुर

शासन के निर्देश पर बीआरसी रेवतीपुर परिसर में शनिवार को बीईओ अशोक कुमार गौतम द्वारा शैक्षणिक योजनाओं और स्कूलों को निपुण बनाए जाने को लेकर अब तक हुई प्रगति की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई है। इस प्रगति समीक्षा बैठक में सात प्रधानाध्यापकों की गैर मौजूदगी को गंभीरता से लेते हुए बीईओ अशोक कुमार गौतम ने सातों को तत्काल प्रभाव से नोटिस जारी करते हुए उन्हें तीन दिन में स्पष्टीकरण देने का सख्त निर्देश दिया है। साथ ही बीईओ ने सातों प्रधानाध्यापकों का एक दिन का वेतन रोकने की संतुस्ति रिपोर्ट बीएसए कार्यालय को प्रेषित कर दी है। बीईओ के इस कड़े कदम के चलते रेवतीपुर शिक्षा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले अध्यापकों में पूरी तरह अफरा-तफरी मची हुई है। इस दौरान बीईओ ने सख्त रूप से कहा कि शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा या अन्य किसी विभागीय बैठकों को लेकर उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने मासिक प्रगति समीक्षा बैठक में कहा कि विद्यालयों को निपुण बनाए जाने को लेकर एजेंडा शासन व विभाग की ओर निर्धारित हो चुका है। कहा कि तीन चरणों अक्टूबर, दिसंम्बर और फरवरी 2025 तक विद्यालयों को निपुण बनाए जाने का समय तय है। इसके तहत अलग -अलग विद्यालयों को उक्त महीनों में बारी- बारी से निपुण बनाया जाना है। कहा कि इसके लिए निपुण लक्ष्य एप से छात्रों का स्पाट असेस्मेंट होना है। इसमें किसी स्तर पर हीलाहवाली न बरती जाए। इस दौरान उन्हें क्रमवार विद्यालयों की प्रगति समीक्षा किया। कहा कि इसके साथ ही विद्यालयों में शासन की ओर से संचालित अन्य योजनाओं को लेकर भी सभी गंभीर रहे। ताकि स्कूलों में बेहतर माहौल बनाया जा सके। कहा कि इसके अतिरिक्त विद्यालयों में नामांकन व उपस्थिति का आकंडा बढ़ाया जाए। इस दौरान उन्होंने निपुण के लक्ष्य प्राप्ति को लेकर सभी को शपथ दिलाई। इस अवसर पर एआरपी संत कुमार गुप्त, योगेंद्र पटेल, शिवचंद चौहान, प्रेम उपाध्याय, भगवती प्रसाद तिवारी, सत्यप्रकाश, जयशंकर राय, चंद्रशेखर त्रिपाठी, सुधाकर सिंह आदि मौजूद रहे। बीईओ अशोक कुमार गौतम ने कहा कि लापरवाही पर सात प्रधानाध्यापकों को नोटिस जारी कर उनका वेतन रोका गया है।

खुशखबरी : 3710 मेगावाट के 9 सोलर पार्कों को प्रदेश में किया जा रहा विकसित

- 435 मेगावाट के सोलर पार्क को अब तक किया जा चुका है कमीशंड
- सभी 9 सोलर पार्कों के लिए जमीन आवंटन की कार्यवाही की गई पूरी

केटी न्यूज /लखनऊ

बिजली की बढ़ती खपत और इसकी बढ़ी हुई कीमतों से उत्तर प्रदेश के नागरिकों को राहत दिलाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसके विकल्प के रूप में सौर ऊर्जा को प्रमोट कर रहे हैं। सौर ऊर्जा को लेकर पूरे प्रदेश में कई बड़ी परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इन्हीं परियोजनाओं में सोलर पार्क भी शामिल है। प्रदेश में कुल 9 सोलर पार्कों को क्रियाशील किया जा रहा है, जिनकी कुल क्षमता 3710 मेगावाट है। इनमें से 435 मेगावाट के 3 सोलर पार्क कमीशंड भी हो चुके हैं, जबकि शेष 6 सोलर पार्कों को जल्द कमीशंड किए जाने के लिए बिड की प्रक्रिया जारी है। इन सभी 9 सोलर पार्कों के लिए जमीन आवंटन की कार्यवाही पूरी कर ली गई है। उल्लेखनीय है कि सीएम योगी के मार्गदर्शन में बुंदेलखंड के 4 शहरों (झांसी, ललितपुर, चित्रकूट और जालौन) के अतिरिक्त कानपुर नगर, कानपुर देहात, मिजार्पुर और प्रयागराज जैसे शहरों में सोलर पार्क बनाए गए हैं। इनमें बुंदेलखंड और कानपुर नगर व कानपुर देहात में निमार्णाधीन सोलर पार्कों के लिए बिडिंग का कार्य जारी है। सोलर पार्क के अतिरिक्त घरों की छतों पर रूफटॉप सोलर लगाना, सोलर नगरों की स्थापना, कृषि फॉर्म को सौर ऊर्जा से बिजली देना, पंप स्टोरेज एवं जैव ऊर्जा के उत्पादन पर भी प्रदेश सरकार का फोकस है। बायोमास ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में भी यूपी देश में दूसरे स्थान पर है।

टेंडर के माध्यम से अवार्ड की प्रक्रिया जारी

उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण के निदेशक अनुपम कुमार शुक्ला ने बताया कि प्रदेश में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में विशेष रूप से सोलर पार्कों की स्थापना के लिए बड़े पैमाने पर निवेश प्राप्त हुआ है। इसके तहत 9 सोलर पार्कों को विकसित किया जा रहा है। इसमें 365 मेगावाट क्षमता और 65 मेगावाट क्षमता वाले कुल 435 मेगावाट के सोलर पार्क कमीशन किए जा चुके हैं, जहां उत्पादन शुरू हो चुका है। इसके अतिरिक्त 600 मेगावाट क्षमता का झांसी, ललितपुर सोलर पार्क, 800 मेगावाट क्षमता का चित्रकूट सोलर पार्क, 1200 मेगावाट का जालौन सोलर पार्क, 75 मेगावाट क्षमता का कानपुर देहात सोलर पार्क और 35 मेगावाट का कानपुर नगर सोलर पार्क निमार्णाधीन है।

एक नजर

बाइकों की टक्कर में एक सवाल की मौत

चंदौली। सदर कोतवाली क्षेत्र के नवही गांव के समीप शुक्रवार की देर रात दो बाइकों की आपस में टक्कर हो गई। घटना में एक बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। वही दूसरा बाइक सवार मौके से फरार हो गया। मौके पर जुटे आस पास के ग्रामीणों ने तत्काल घटना की जानकारी पुलिस को दी। घटनास्थल पर पहुंचे नवही चौकी प्रभारी सूरज सिंह ने तत्काल घायल को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने इलाज के दौरान उसको मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। बताते हैं कि चकरा गांव निवासी प्रहलाद यादव शुक्रवार को इलिया अपने साढू के पिता की तबियत खराब होने पर देखने गये थे। रात्रि में लौटते समय नवही हतवा के पास विपरीत दिशा से आ रही बाइक से आमने सामने टक्कर हो गयी, जिससे वह सड़क पर गिर पड़े। घटना के बाद दूसरा बाइक सवार वाहन समेत मौके से भाग निकला। घटनास्थल पर जुटे ग्रामीणों ने तत्काल घटना की जानकारी पुलिस को सूचना दी। घटनास्थल पर पहुंचे एसआई सूरज सिंह ने तत्काल घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस बाबत एसआई सूरज सिंह ने बताया कि दो बाइकों की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई है। शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक अपने पीछे के 10 वर्षीय पुत्री आस्था व 8 वर्षीय अंशु है। घटना की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। प्रहलाद घर मे भाइयों में सबसे छोटा था। पत्नी रूबी यादव, माता सुलाबी देवी, भाई पलटू, भैरव, पहालु, बच्चे आस्था, अंश व अन्य परिजनों का रोकर बुरा हाल था।

कमरे में फंदे से लटकता मिला युवक का शव

चंदौली। सदर कोतवाली क्षेत्र के फगुईया गांव में शनिवार को एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे के अंदर फंदे से लटकता हुआ मिला। आशंका जताई जा रही है कि युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की होगी। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों व आसपास के ग्रामीणों से घटना की जानकारी ली। शव का पंचनामा कर अंत्य परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेज आगे की कार्यवाही में जुट गयी। बताते हैं कि क्षेत्र के फगोईया गांव निवासी दशरथ शर्मा का 35 वर्षीय पुत्र शिव प्रकाश शर्मा रात में खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने के लिए चला गया। सुबह देर होने पर परिजनों में जब उसके कमरे का दरवाजा खुलवाने का काफी प्रयास किया, लेकिन उसका दरवाजा अंदर से नहीं खुला। काफी देर बाद दरवाजा नहीं खुलने पर परिजनों ने किसी अनहोनी की आशंका जताते हुए कमरे का दरवाजा तोड़ डाला और कमरे में गए तो देखा कि शिव प्रकाश का शव फंदे से लटक रहा था। घटना को देख परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने तत्काल घटना की जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने परिजनों की सहायता से शव को नीचे उतारा और उसको कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। इस बाबत सदर कोतवाल गगन राज सिंह ने बताया की संदिग्ध परिस्थिति में युवक ने फांसी लागकर आत्महत्या कर लिया है। शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस इस मामले में जांच-पड़ताल कर रही है।

खाते से लिंक करा लें आधार,मिलेगी पेंशन

चंदौली । महिला कल्याण विभाग की ओर से संचालित निराश्रित महिला पेंशन योजना के तहत महिलाओं को पेंशन नहीं मिल रही है तो वह अपने बैंक में संपर्क कर खाते को आधार से लिंक करा लें। जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रभात कुमार ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में लाभार्थियों को भुगतान आधार वेस्ड प्रणाली के तहत किया जाएगा। बड़ी संख्या में लाभार्थियों का आधार रीसेट हो गया है। लाभार्थियों का बैंक में (एनपीसीआइ) नहीं होने के कारण पेंशन का भुगतान नहीं हो सका है। ऐसे में निराश्रित महिलाओं का पेंशन रुका हुआ है। लाभार्थी बैंक में आधार लिंक करा लें, ताकि पात्र निराश्रित महिलाओं के खाते में पेंशन की धनराशि भेजी जा सके।

बेटी की हत्या करने वाला पिता गिरफ्तार

बलिया। मुखबीर की सूचना पर गड़वार पुलिस ने शनिवार को मृतका लड़की के पिता निवाहन वर्मा पुत्र स्व रामउछाह निवासी पकड़ी हरखबसन्त थाना पकड़ी जनपद बलिया को इन्दरपुर चट्टी के पास से गिरफ्तार कर चालान कर दिया। वही अभियुक्त के निशादेही पर घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी बरामद किया। अभियुक्त ने पूछताछ में अपना जुर्म कबूल करते हुए बताया कि मृतका मेरी बेटी थी। मेरी बेटी किसी दूसरी जाति के लड़के से शादी करना चाहती थी। मैं उसे काफी समझाया बुझाया, लेकिन वह नहीं मानी, बल्कि जिद पर अड़ी रही। जिस पर मैंने कुल्हाड़ी से अपनी बेटी के उपर तीन- चार वार कर हत्या कर शव को पास की नहर में फेक दिया। वही कुल्हाड़ी को छिपा दिया था।

खबरें फटाफट

ट्रैन से टकराकर तीन अज्ञात ब्यक्तियों की मौत

जौनपुर। मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के जफराबाद जंघई रेलवे मार्ग पर स्थित इब्राहिमपुर गांव के पास ट्रेन संख्या 04245 से टकराने से तीन अज्ञात व्यक्तियों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा शव के शिनाख्त में जुट गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मड़ियाहूं थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर गांव स्थित रेलवे ट्रैक पर 3 अज्ञात व्यक्ति ट्रैन से टकरा गए। सभी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी। घटना के बाद से मड़ियाहूं पुलिस लगातार मृतक परिजनों की तलाश करने में जुटी है। इस बाबत पूछे जाने पर जौनपुर जंक्शन के आरपीएफ प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि ट्रेन संख्या 04245 इलाहाबाद जौनपुर पैसेंजर से ट्रेन की चपेट में आने से 3 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। पहनावे से लोग कयास लगा रहे है कि तीनों मृतक मजदूर थे। सूत्रों के अनुसार मृतक बिहार राज्य के बताए जा रहे हैं। फिलहाल पुलिस संपर्क करने की कोशिश कर रही है।खबर लिखे जाने तक युवकों की शिनाख्त नही हो पाई थी।

एक बार फिर बिना दुल्हन फिर वापस लौटे दूल्हे

जौनपुर(जफराबाद)। क्षेत्र के राजेपुर पोखरा पर शनिवार को ऐतिहासिक कजरी का मेला हर्षोल्लास सम्पन्न हो गया।इस मेले में आयी बारात में हजारों लोग तथा आधा दर्जन दूल्हे शामिल हुए। दोनो तरफ से हाथी,घोड़े,ऊंट,रथ पर सवार होकर दूल्हे गाजा बाजा, बैंड,डीजे के साथ पोखरे पर पहुंच गए।पोखरे के पश्चिमी तट पर कजगाव के दूल्हे मौजूद हो गए।वही पूर्वी तट पर राजेपुर के दूल्हे पहुंच गए।उसके बाद दोनो तरफ से एक दूसरे को गालियाँ देने का कार्यक्रम चलने लगा।दोनो पक्षों के लोग अपने दूल्हों के लिए एक दूसरे से दुल्हन मांग रहे थे।इस भयंकर गाली व अनोखे मेले के हजारों स्त्री पुरूष व अन्य गवाह बने।महिलाओं ने शादी का गीत गाया।मेला देखने के लिए अन्य जनपद के लोग भी शामिल हुए।

सीएम ने मीडिया से बातचीत में जम्मू-कश्मीर चुनावों में कांग्रेस व नेकां के गठबंधन पर उठाया सवाल

नफरत की फसल काटने वालों की सियासी जमीन सदा के लिए हो गई है बंजर: सीएम

- चिनाब की जलधारा में सदा के लिए विलीन हो चुका है आतंकवाद और अलगाववाद का मुद्दा: सीएम योगी
- भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी ने जम्मू-कश्मीर के लिए इंसानियत, जम्हूरियत और कश्मीरियत का जो सपना देखा था, उसे पीएम मोदी ने साकार कर दिखाया: योगी

केटी न्यूज/ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस व नेशनल कॉन्फ्रेंस के गठबंधन पर खूब बरसे। उन्होंने शनिवार को अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बातचीत करते हुए दोनों पार्टियों के गठबंधन पर सवाल उठाए। सीएम योगी ने कहा कि नफरत की फसल काटने वाली कांग्रेस व नेकां की सियासी जमीन सदा के लिए बंजर हो गई है। आतंकवाद और अलगाववाद का मुद्दा वहां चिनाब की जलधारा में सदा के लिए विलीन हो चुका है। सीएम योगी ने कांग्रेस नेता व सांसद राहुल गांधी को कठघरे में खड़ा करते हुए कई सवाल भी पूछे।

सीएम योगी ने कहा कि भारत के मुकुट जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 और 35ए का कलंक मिटाने के साथ ही भारतीय जनता पार्टी ने विधानसभा चुनाव के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रकट की थी। अब जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की तिथियां घोषित हो चुकी हैं। यह चुनाव न केवल वहां के लोगों, बल्कि लोकतंत्र में आस्था रखने वाले हर भारतीय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। दुनिया भर की निगाह इस ओर लगी हुई है। ऐसे महत्वपूर्ण चुनाव में इंडी गठबंधन का नेतृत्व करने वाली कांग्रेस ने अब्दुल्ला एंड संस फैमिली प्राइवेट लिमिटेड की नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन करके फिर से राष्ट्रविरोधी मंसूबों को देश के सामने रख दिया है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने पूछा कि क्या कांग्रेस आतंकवाद और पत्थरबाजी की घटनाओं में शामिल उपद्रवियों के परिजनों को सरकारी नौकरी में बहाल करके आतंकवाद, दहशतगर्दी और बंद के दौर को फिर से लाने का समर्थन करती है? सीएम योगी ने आरोप लगाया कि इस गठबंधन से कांग्रेस का आरक्षण विरोधी चेहरा देश के सामने आया है। क्या कांग्रेस दलितों, गुर्जरों, बकरवाल और पहाड़ियों के आरक्षण को समाप्त कर फिर से उनके साथ अन्याय करने के नेकां के वादे का समर्थन करती है? क्या कांग्रेस चाहती है कि 'शंकराचार्य पर्वत' 'तख़्त-ए- सुलिमान' और 'हरि पर्वत' 'कोह-ए-मारन' के नाम से जाने जाएं। सीएम ने कहा कि क्या कांग्रेस जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को फिर से भ्रष्टाचार की आग में झोंककर पाकिस्तान समर्थित गिने-चुने परिवारों के हाथों में सौंपने का समर्थन करती है? क्या कांग्रेस नेशनल कॉन्फ्रेंस के जम्मू और घाटी के बीच भेदभाव की राजनीति का समर्थन करती है?

क्या कांग्रेस और राहुल गांधी कश्मीर को ऑटोनॉमी देने की नेकां की विभाजनकारी सोच और नीतियों का समर्थन करते हैं? सीएम योगी ने कहा कि आजादी के बाद जम्मू-कश्मीर के लोगों के कथित स्वयंभू भाग्यविधाता बन बैठे नेताओं ने नौजवानों को गुमराह कर अलगाववादी साजिश का मोहरा बनाया था। इन लोगों ने उनके हाथों में पत्थर और एके-47 पकड़ाई थी। पीएम मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर के नौजवानों के हाथों में टैबलेट और स्किल डेवलपमेंट से जोड़कर उन्हें रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। नौजवानों को गुमराह करने वालों के लिए अब जम्मू-कश्मीर में जगह नहीं है। श्रद्धेय भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी ने जम्मू-कश्मीर के लिए इंसानियत, जम्हूरियत और कश्मीरियत का जो सपना देखा था, उन मूल्यों और सिद्धांतों से निकले सपने को पीएम मोदी ने साकार कर दिखाया है।

सीएम योगी ने कहा कि जम्मू कश्मीर को जागीर समझने वाले पाकिस्तान परस्त ठेकेदार व कथित लीडरशिप ने कभी सोचा नहीं कि नफरत की फसल काटने वाली उनकी सियासी जमीन सदा के लिए बंजर हो चुकी है। कोई ऐसी सरकार भी आएगी जो अनुच्छेद 370 को समाप्त करेगी। यह इन लोगों को हजम नहीं हो रहा। अनुच्छेद-370 की समाप्ति के बाद जम्मू-कश्मीर की आबोहवा और मुद्दे बदल चुके हैं। आतंकवाद और अलगाव का मुद्दा चिनाब की जलधारा में सदा के लिए विलीन हो चुका है। अब यहां विकास, रोजगार और पहचान की बात हो रही है तो यह वोट के सौदागरों को कैसे अच्छा लग सकता है। कांग्रेस की यह दुरुभि संधि हमें सवाल करने को मजबूर करती है। सीएम ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी देश के सामने इन प्रश्नों का जवाब दें।

सीएम योगी के निशाने पर राहुल गांधी, पूछे कई सवाल

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी सीएम योगी के निशाने पर रहे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता से पूछना चाहता हूं कि क्या उनकी पार्टी 'नेशनल कांफ्रेंस' के जम्मू-कश्मीर में फिर से 'अलग झंडे' के वादे का समर्थन करती है? क्या राहुल गांधी व कांग्रेस अनुच्छेद 370 और आर्टिकल- 35ए को वापस लाकर जम्मू-कश्मीर को फिर से अशांति और आतंकवाद के युग में धकेलने के नेशनल कॉन्फ्रेंस की घोषणा का समर्थन करती है? क्या कांग्रेस कश्मीर के युवाओं के बदले पाकिस्तान के साथ वार्ता करके अलगाववादी ताकतों का फिर से समर्थन करती है? क्या कांग्रेस और राहुल गांधी पाकिस्तान के साथ एलओसी ट्रेड शुरू करने के नेशनल कॉन्फ्रेंस के निर्णय और फिर से बॉर्डर पार से आतंकवाद व

राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति आशंकित करता है नेकां का घोषणापत्र

सीएम योगी ने कहा कि हाल ही में नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अपना घोषणापत्र जारी किया है। इसमें अनेक ऐसे बिंदु हैं, जो भारत की एकता-अखंडता व राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति आशंकित करती है। कांग्रेस व नेकां का गठबंधन राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर अनेक बड़े सवाल खड़ा करता है और भारतीय संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा व निष्ठा रखने वाले हर व्यक्ति को चिंतित भी करता है।

कार्यशाल में प्रत्येक बूथ पर 200 सदस्य बनाने का दिया निर्देश

केटी न्यूज/ बलिया।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा शनिवार को हनुमानगंज स्थित भाजपा कार्यालय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य एक सितंबर से शुरू होने वाले सदस्यता अभियान की तैयारियों पर चर्चा की गई। कार्यशाला में पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डा रमापति राम त्रिपाठी ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि एक सितंबर से आयोजित होने वाले सदस्यता अभियान में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का प्रयास करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर सदस्यता अभियान के लक्ष्य को पूरा करने में जुट जाएं। श्री त्रिपाठी ने कार्यकताओं को पार्टी की 'रीढ़ की हड्डी' बताया और अभियान को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक सदस्य जोड़ने की अपील की। कार्यशाला में कार्यकताओं को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं और प्रत्येक बूथ पर 200 सदस्य बनाने के निर्देश दिए गए। कहा कि बलिया जिले को सदस्यता अभियान में प्रथम स्थान पर लाने के लिए सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर कार्य करें।कहा कि भाजपा में कार्य के बल पर आप बड़ा से बड़ा मुकाम हासिल कर सकते हैं।बस चार स ध्यान में रखिए सदस्यता,संगठन, सम्पर्क और संम्वाद। इस दौरान जिला अध्यक्ष संजय यादव, जिला प्रभारी विजय बहादुर दूवे और जिला संयोजक सदस्यता जयप्रकाश साहू ने भी कार्यकताओं को संबोधित किया।कहा कि जनपद में चार लाख से अधिक भाजपा के ने सदस्य बनाने है।बैठक को पूर्व सांसद विरेन्द्र सिंह,भरत सिंह, उपेंद्र तिवारी, आंनद स्वरुप शुक्ल,नारद राय, राजधारी सिंह,सुरेन्द्र सिंह, विजय बहादुर सिंह आदि ने संबोधित किया।संचालन जिला महामंत्री प्रदीप सिंह ने किया।

सीसीटीवी कैमरे व पुलिस की कड़ी सुरक्षा के बीच दूसरे दिन की भी परीक्षा शांति ढंग से संपन्न

परीक्षा में 12288 अभ्यर्थियों में 3583 रहे अनुपस्थित

- डीआईजी, डीएम व एसपी ने कंट्रोल रूम व परीक्षा केंद्रों का लिया जायजा
- पांच दिन में 61440 अभ्यर्थी देंगे पुलिस आरक्षी भर्ती की परीक्षा

केटी न्यूज / बलिया

उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा शनिवार को तीसरी नेत्र व पुलिस की कड़ी सुरक्षा के बीच दूसरे दिन भी दोनों पालियों की शांति ढंग से सम्पन्न हुई। जबकि तीन दिन और परीक्षा होना शेष रह गया गया। शनिवार को दोनों पालियों में हुई परीक्षा में 12288 अभ्यर्थियों में 3583 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इस दौरान प्रत्येक परीक्षा केंद्रों पर पहली और दूसरी पाली में अभ्यर्थी अपने निर्धारित समय से क्रमशः 9:30 और 2:30 बजे अंदर प्रवेश किया। उधर, डीआईजी आजमगढ़ वैभव कृष्ण, जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार एवं पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर ने दोनों पालियों में विभिन्न परीक्षा केंद्रों और कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया और और ड्यूटी पर तैनात सेक्टर मजिस्ट्रेट व स्टेटिक मजिस्ट्रेट को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। आपको बता दे कि 23, 24, 25 एवं 30, 31 अगस्त को पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा होना सुनिश्चित है। जिसकी शुरूआत शुक्रवार को 15 परीक्षा केंद्रों पर आरंभ हुई। यह परीक्षा पांच दिनों तक दो पालियों में चलेगी। प्रत्येक पाली में 6144 अभ्यर्थी प्रतिभा करेंगे। जबकि दोनों पाली मिलाकर 12288 अभ्यर्थी शामिल होंगे। वहीं पांच दिनों तक चलने वाली परीक्षा में कुल 61440 अभ्यर्थी शामिल होंगे। इसमें दूसरे दिन की परीक्षा सीसीटीवी कैमरा व पुलिस की कड़ी सुरक्षा के बीच शनिवार को शांति ढंग से संपन्न हुई। जबकि शेष तीन दिन की परीक्षा होनी अभी बाकी है। परीक्षा के दूसरे दिन 12288 अभ्यर्थियों में 3583 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। उधर, सुचिता एवं शांति ढंग से परीक्षा संपन्न कराने के लिए डीआईजी आजमगढ़ वैभव कृष्ण, जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार एवं पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर ने परीक्षा केंद्र के सभी कमरों में जाकर परीक्षा का जायजा लिया। इसके साथ ही कंट्रोल रूम से विभिन्न परीक्षा केंद्रों की जांच की। इस दौरान सभी परीक्षा केंद्र पर ड्यूटी पर तैनात सेक्टर व स्टेटिक मजिस्ट्रेट के अलावा केंद्र व्यवस्थापकों को पुरी सतर्कता तथा परीक्षा की गाइडलाइन के अनुसार परीक्षा संपन्न कराने का निर्देश दिया। इस दौरान 15 सेक्टर मजिस्ट्रेट व 15 स्टेटिक मजिस्ट्रेट तैनात रहे।

सुभाषितम्

यह व्यक्ति की स्वयं की सोच ही होती है जो उसे बुराइयों की ओर ले जाती है ना कि उसके दुश्मन की। -गौतम बुद्ध

पड़ोसियों के बीच अकेला पड़ा भारत

भारत अपने पड़ोसी देशों के बीच में अकेला खड़ा नजर आ रहा है। पड़ोस के देशों के साथ हमारे संबंधों में एक शून्यता पैदा हो गई है। किसी भी देश के लिए उसके पड़ोसियों से अच्छे संबंध होना बहुत महत्वपूर्ण होता है। हर सुख- दुख में सबसे पहले पड़ोसी ही खड़ा होता है। कहा जाता है, पड़ोसी भाग्य से मिलते हैं। मित्र तो बनाए जा सकते हैं, लेकिन पड़ोसी को नहीं बनाया जा सकता है। भारत हमेशा गुटनिरपेक्ष देशों का समर्थक रहा है। भारत ने हमेशा अपने पड़ोसी देशों के साथ बेहतर संबंध बनाने की कोशिश की है। विभाजन में पाकिस्तान एक अलग देश बना था। उसके साथ हमारे संबंध हमेशा तनाव पूर्ण रहे। स्वतंत्रता के समय और उसके पश्चात 1965- 1971 इत्यादि में हमें पाकिस्तान से बड़े युद्ध भी लड़ना पड़े हैं। 1962 में चीन के साथ भारत का युद्ध हुआ। जबकि इसके पहले भारत और चीनी भाई-भाई के नारे लगे थे। तमाम विसंगतियों के बाद भी भारत ने हमेशा अपने पड़ोसी देशों से बेहतर रिस्ते बनाने की कोशिश की। जिसके कारण भारत अन्य देशों की तुलना में लगातार विकास करता रहा। लोकतांत्रिक, सामाजिक और आर्थिक व्यवस्थाओं में भारत का प्रदर्शन हमेशा विकासशील रीष्ट्रों मे सर्वश्रेष्ठ रहा है। 1971 के युद्ध के बाद बांग्लादेश का निर्माण हुआ। भारत ने उसे पर अधिकार जमाने के स्थान पर मुजीबुर्र रहमान को वहां का शासक बनाया। बांग्लादेश को अपना एक अच्छा पड़ोसी बनाया। हमने अपनी सीमाओं को पाकिस्तान और चीन से सुरक्षित करने में कई सीमावर्ती राज्यों के साथ समझौते कर, उन्हें अपने साथ मिलाया। नेपाल, भूटान श्रीलंका,वर्मा इत्यादि देशों के साथ हमेशा हमारे सामाजिक आर्थिक और व्यापारिक रिश्ते बेहतर रहे। पिछले कुछ वर्षों में हमारे पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते तनाव पूर्ण होते चले गए। पड़ोसी देश चीन द्वारा अपनी विस्तारवादी नीतियों के तहत भारत के पड़ोसी देशों पर अपना प्रभुत्व बढ़ाया। भारत की विदेश नीति खड़े-खड़े तमाशा देखने की रही। जिसके कारण हमारे पड़ोसी देशों के साथ वर्तमान में बहुत अच्छे संबंध नहीं है। भारत की तुलना में पड़ोसी देशों की चीन के साथ ज्यादा निकटता है। पड़ोसी देशों के साथ मिलकर चीन ने भारत की सीमाओं पर नई चुनौती खड़ी कर दी है। 2009 के बाद से बांग्लादेश और भारत के संबंध बहुत अच्छे थे। शेख हसीना की पढ़ाई लिखाई भारत में हुई थी। उन्होंने अपना कठिन समय भारत में काटा था। लेकिन यह बात भी उतनी ही सही है, 2014 के बाद से बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर हमले बढ़े। भारत के अलावा चीन के साथ भी बांग्लादेश के संबंध अच्छे रहे। पश्चिम बंगाल का रेडीमेड उद्योग सारे देश की सस्ते रेडीमेड कपड़ों की जरूरत को पूरा करता रहा है। उस ओर भारत सरकार और पश्चिम बंगाल की सरकार ने ध्यान नहीं दिया। बांग्लादेश ने रेडीमेड कपड़ों के निर्यात में विशेष रूप से ध्यान दिया। चीन के बाद बांग्लादेश सबसे बड़ा रेडीमेड वस्त्रों का निर्यातक बन गया। लगातार सत्ता में बने रहने के कारण बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना अहंकार और भ्रष्टाचार में लिप्त हो गई। बांग्लादेश के 15 से 24 वर्ष के 30 फीसदी युवा बेरोजगार हो गए। सामाजिक विघटन बांग्लादेश में तेज हुआ। लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के स्थान पर तानाशाही, शासन और प्रशासन में आ गई। भ्रष्टाचार बढ़ गया। अदानी समूह द्वारा बिजली सप्लाई का जो अनुबंध बांग्लादेश के साथ किया गया। उससे पूरे बांग्लादेश में यह संदेश गया, कि बिजली सौदे में भारी भ्रष्टाचार हुआ है। जिसके कारण भारत के खिलाफ भी बांग्लादेश में वातावरण बनने लगा था। 2024 के आम चुनाव के पहले शेख हसीना ने विपक्षी दलों को जेल भेज दिया। विपक्षी दलों ने भारत सरकार से हस्तक्षेप करने की मांग की थी। भारत ने बांग्लादेश का आंतरिक मामला कहकर पल्ला झाड़ लिया था। जिस तरह से शेख हसीना ने चुनाव कराए। भारी बहुमत से शेख हसीना चुनाव भी जीत गई। प्रधानमंत्री बनने के बाद भी, वह अपना सिंहासन ज्यादा दिनों कायम नहीं रख पाई। उन्हें अपना देश छोड़कर भागना पड़ा। वर्तमान में भारत के पड़ोसी देशों से बहुत अच्छे संबंध नहीं होना, सीमाओं पर लगातार कानून व्यवस्था की चुनौती, पड़ोसी देशों के साथ चीन के बेहतर संबंध, भारत के लिए चिंता बढ़ाने वाले हैं।

चिंतन-मनन

सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है। दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं। और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए है। ऐसा है। क्यों और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते हैं। मेरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैं: हम सुख चाहते हैं। अगर तुम सुख चाहते हो तो कोई भी बाधा नहीं है; सुख तो लुट रहा है। सुख तो चारों तरफ मौजूद है। ऐसे ही हो तुम, जैसे सामने गंगा बहती हो और किनारे पर खड़े तुम छाती पीटते हो, चिल्लाते हो: प्यासा हूं, मैं जल चाहता हूं! झुको और पीओ! गंगा सामने बहती है। और गंगा के लिए तो चाहे दो कदम भी उठाना पड़े, सुख तो उससे भी करीब है।

आंध्र प्रदेश हादसा: भीषण अग्निकांड का जिम्मेवार कौन ?

-नरेन्द्र भारती

देश में हर वर्ष मजदूर दबकर व जलकर मारे जा रहे हैं। ताजा दर्दनाक अग्निकांड 21अगस्त 2024 को आंध्र प्रदेश के आनाकापल्ले जिले की एक फार्मा कम्पनी में 21अगस्त बुधवार को करीब 2 बजे आग लग गई जिसमें 18 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और 36 लोग घायल हो गए यहाँ 381 कर्मचारी काम करते हैं जब आग की घटना हुई तब ज्यादातर कर्मचारी लंच करने गए थे अन्यथा मरने वालों की संख्या बहुत होती' केपिस्टर रियेक्टर में ब्लास्ट होने से यह हादसा हुआ है' 23 मई को भी महाराष्ट्र के ठाणे में केमिकल फैक्ट्री में बॉयलर फटने से नौ लोगों की मौत हो गई थी और साठ लोग घायल हो गए थे' 2 फरवरी 2024 को बद्दी की परफ्यूम फैक्ट्री में घटित हुआ था जहाँ 35 लोग झूलस गए थे और एक महिला की मौत हो गई थी' फैक्ट्री के प्रबंधक को गिरफ्तार कर लिया था आगजनी के समय करीब 50 कामगार मौजूद थे 30 कामगारों ने ऊपरी मंजिल से कूद कर अपनी जान बचा ली थी इनमे तीन की रीढ़ की हड्डी टूट गई मलिक प लापरवाही बरतने का मामला दर्ज कर लिया है इससे पहले भी बद्दी में काफी अग्निकांड हो चुके हैं लेकिन सबक नहीं सीख रहे हैं सरकारों को इस हादसे से संज्ञान लेना चाहिए' वर्ष 2019 में राजघानी दिल्ली में रानी झांसी रोड़ पर अनाज मंडी में रविवार सुबह चार बजे आग लगने से 43 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी तथा कई लोग घायल हो गए थे। एडीआरएफ की टीम ने 56 लोगों की जान बचा ली थी। यह भीषण आग सुबह साढे चार बजे के करीब लगी थी। आग लगने का कारण शार्टसर्किट था। भारतीय दंड सहिंता की धारा 304 के अंतंगत मालिक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। यह मजदूर बिहार के समस्तीपुर के एक ही गांव के है। पलक झपकते ही अनाज मंडी शमशानघाट बन गई थी। लाशों के ढेर लग गए थे। चीखो पुकार मच गई थी। मजदूर खाक ह गए थे। कैसी विडंबना है कि कभी सुरगों व उद्योगों में बेमौत मारे जा रहे हैं। मगर केन्द्र व राज्य की सरकारों को जरा सा सदमा होता तो मजदूरों के हितों में कदम उठाती लेकिन सरकारें तो तब जागती हैं जब बड़ा हादसा घटित हो जाता है। 2024 में भी उद्योगों में आग के काफी मामले घटित हुए है। देश में मजदूरों के साथ होने वाले हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं।कारखानों में जल कर मजदूर मर रहे हैं।गत वर्ष भी एक ही दिन में दो हादसों में 19 मजदूर मारें गए थे जब राजधानी दिल्ली के बाहरी जिले में स्थित बवाना औद्योगिक क्षेत्र में एक पटाखें की फैक्टरी के गोदाम में भीषण आग लगनें के कारण 17 लोगों की मौत हो गई थी और तीस लोग बुरी तरह झुलस गए थे। मरने वालों में 10 महिलाएं तथा 7 पुरुष थी।मजदूरों ने सपने में भी नही सोचा होगा कि यह पटाखा गोदाम शमशान बन जाएगा ।पल भर में जिन्दा लोग राख में बदल गए यह बहुत ही त्रासदी है। लगभग तीन घंटे की मश्क्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका तब तक सब कुछ राख हो चुका था। आग के कारणो का पता नहीं चल पाया है प्रशासन को चाहिए कि लापरवाही बरतने वालों को सजा दी जाए ताकि फिर एसे हादसे न हो सके। दूसरे हादसे में कानपुर में भी दो मजदूरों की मलबे में दबने से दर्दनाक मौत हो गई। एक दिन में ही 19 मजदूर मारे गए।यह बहुत ही दुखद है। बीते वर्ष में रायबरेली के उंचाहार में एटीपीसी संयत्र का बायलर फटने से 30 मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई थी तथा 100के लगभग घायल हो गए थे। 500 मैगावाट इकाई के बायलर में यह हादसा हुआ था उस समय 200 कामगार मौजूद थे सरकारों ने मृतकों को मुआवजे की घोषणा करती है मगर मुआवजा इसका हल नहीं है।एक ऐसा ही हादसा जयपुर के पास खातोलाई गांव में घटित हुआ था जहां टॉसफारमर फटने से 14 लोगों की मौत हो गई थी। इन हादसों ने औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूरों की सुरक्षा पर प्रशनचिन्ह लगा दिया है इन हादसों पर संज्ञान लेना होगा तथा मजदूरों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने होगें ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक लग सके। गत वर्ष जम्मू के उधमपुर से 80 किलोमीटर दूर रामबन जिले के चंद्रकोट में जम्मू-कश्मीर हाईवे पर टनल कर्मचारियों की बैरक में आग लगने से दस श्रमिक जिंदा जल गए थे। यह बैरक लोहे व फाईबर की बनी थी। यह बहुत ही दुखद हादसा था। आग लगने का कारण बिजली का शार्टसर्किट था।इस बैरक में 100 से अधिक लोग रहते थे। मगर छुट्टी होने के कारण आसपास के लोग अपने घरों को चले गए थे। गनीमत रही की यह अपने-अपने घरों को गए थे वरना मृतको की संख्या 100 के लगभग होती ।नया वर्ष इन मजदूरों के लिए यमराज बन कर आया था और बेचारे टनल में ही जिन्दा जलकर राख हो गए थे इन अभागों ने सपने मे भी नहीं सोचा होगा की नया साल उनके लिए घातक साबित होगा।मारे गए मजदूरों में एक मजदूर हिमाचल के कांगड़ा का था तथा एक पंजाब का था बाकि बनिहाल-रामबन क्षेत्र के निवासी थे।सुरगं में घटित इस दर्दनाक हादसे ने कई प्रशन खड़े कर दिए है कि आखिर यह हादसे कब रुकेगें।यह कोई पहला हादसा नहीं है देश में अब तक हजारों मजदूर बेमौत मारे जा चुके है।एक साल पहले हिमाचल के बिलासपुर में भी एक ऐसा ही हादसा घटित हुआ था जब फोरलेन का काम करते समय सुरंग ढह गई और तीन मजदूर उसमें दब गए मगर 12 दिन की कड़ी मशक्क्त के बाद दो मजदूरों को जिन्दा निकाला गया था। एक मजदूर हिरदा राम कोई पता नहीं चल पाया था कि वह जिन्दा था या मर चुका था लगभग 9 महीने बाद उसका शव बरामद हुआ था। हिमाचल के जिला किन्नौर में एक निमार्णाधिन प्रोजेक्ट की दीवार गिरने से चार मजदूर बेमौत मारे गए थे। यहां पर 11 मजदूर काम कर रहे थे कि अचानक दीवार गिर गई सात मजदूर तो भागकर बच गए मगर बेचारे चार मजदूर जिन्दा दफन हो गए। इन मजदूरों पर 42 मीटर लंबी दीवार गिर गई थी। हिमाचल में ऐसे बहुत हादसे हो रहे है हमीरपुर में भी गत दिनों दर्जनों मजदूर मारे गए थे। 2015 के फरवरी माह में एक सप्ताह में दो दर्दनाक हादसों में 10 मजदूर मारे गए और 20 मजदूर घायल हो गए। पहला हादसा हिमाचल के कुल्लु में हुआ तथा दूसरा मुम्बई में हुआ। मुम्बई के अलीबाग में एक पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से 9 मजदूर मारे गए थे और 19 घायल हो गए थे। और दूसरी घटना में 24 फरवरी 2014 को कुल्लु के मणीकर्ण में करंट लगने से एक मजदूर की मौत हो गई थी जो बिजली विभाग के एक ठेकेदार के पास काम कर रहा था इस दर्दनाक हादसे में एक अन्य मजदूर घायल हो गया था। गोवा के कनाकोना शहर में एक निमार्णाधीन इमारत गिरने से 7 लोगों की मौत हो गई थी और 40 से अधिक लोगों की इमारत के भितर दब गए थे। यह हादसा कनाकोना शहर में घटित हुआ था जो राजधानी पणजी से 80 किलोमीटर दूर था। यह हादसा दोपहर तीन बजे के करीब हुआ जब यह इमारत ढही उस समय 40 लोग काम कर रहे थे गत वर्ष महाराष्ट्र में एक इमारत के गिरने से 75 मजदूरों की असमय मौत गई थी और 60 मजदूर घायल हो गए थे आखिर कब तक मजदूर इमारतों में जमीदोज होते रहगें ।यह बहुत ही दर्दनाक हादसा था जिसने एक साथ इतने लोगों को लील लिया था। भले ही प्रशासन मुआवजे का मरहम लगाता है मगर जो बेमौत मारे गये क्या वे लौट आएगें यह एक यक्ष प्रशन बनता जा रहा है।ऐसे हादसे पहले भी हो चुके है जिसमें सैंकड़ों लोग लापरवाही के कारण मारे जा चुके हैं। इमारतों के नीचे दबकर मजदूर काल का ग्रास बन रहे है। हादसों को देखकर रौंगटे खडे.हो जाते हैं देश के राज्यों में चल रहे ईटों के भठठों में मजदूर मारे जा रहे हैं। मजदूरों के पसीने से ही ईंटे पकती हैं मगर भठठा मालिक मजदूरों का शोषण कर रहे हैं मजदूर खून-पसीना बहाकर काम करते है। मगर बदले में मेहनताना नाममात्र दिया जाता है। मालिक मजदूरों के सिर पर करोड़ों रुपया कमा रहे है। आंकडे. बताते है कि 2001 से 21 अगस्त 2024 तक हजारों मजदूर मारे जा चुके हैं। इस घटना ने सवाल खड़े कर दिये हैं कि बार-बार हो रहे इन हादसों के कारण क्या है इस घटना ने यह प्रमाणित कर दिया है कि बीती घटनाओं से न तो सरकार ने सबक सिखा और न ही लोगों ने सीखा। पिछले कई सालों से ऐसे दर्दनाक हादसे हो रहे हैं सरकारें ऐसी घटनाओ के बाद मुआवजों की घोषणा करने तथा जांच के आदेश देने में देरी नहीं करती। देश में प्रतिदिन ऐसे ममार्तक हादसे होते है मगर प्रकाश में नहीं आते। इन हादसों में सैंकड़ों बच्चे अनाथ हो गए और कई मां-बहनों का सिदूर मिट गया और बहनों के भाई मारे गए।किन्द्र सरकार को इन हादसों के संदर्भ में छानबीन करवानी चाहिए तथा दोषियों को सजा देनी होगी। समय रहते इन घटनाओं को रोकने के लिए कारगर कदम उठाने होगें ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक हादसों पर विराम लग सके। अगर अब भी सरकार ने लापरवाही बरती तो निर्दोष लोग व मजदूर बेमौत मरते रहेगें। ऐसे हादसो पर रोक के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाए ताकि भविष्य में ऐसे दर्दनाक की पुनरावृति न हो सके।

आध्यात्म ज्ञान का दिव्य प्रकाश थी दादी प्रकाशमणि!

-डा0 श्रीगोपालनारसन

विश्वबन्धुत्व दिवस 25 अगस्त पर प्रजापिता ब्रहमाकुमारी ईश्वरीय विश्वविधालय की रूहानियत का प्रकाश देश विदेश में पहुंचाने और विश्वविधालय के सेवा केन्द्रों का विस्तार दुनिया के 140 देशों में साढे आठ हजार की सख्या तक करने का श्रेय अगर परमात्मा के बाद किसी को जाता है तो वह ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्यप्रशासिका रही दादी प्रकाशमणि है। आध्यात्म के रास्ते राजयोग के माध्यम से सीधे परमात्मा शिव का बोध कराने वाली इस ब्रह्माकुमारीज संस्था ने दुनिया से विकारों को दूर करने तथा पावन पवित्र बनने का ऐसा अभियान चलाया कि संस्था में जो साधक संस्था 400 तक थी,वह आज लाखों में है। जिसके लिए दादी प्रकाशमणि का कुशल नेतृत्व ही सफलता का कारक रहा है। दादी प्रकाशमणि कही कुशल प्रशासक नजर आती थी, तो कही प्यार की मूरत के रूप में सबको प्यार का सन्देश दे रही होती।दिव्य गुणों की खान प्रकाशमणि का व्यक्तित्व चुम्बकीय था यानि जो भी एक बार दादी के सम्पर्क में आ जाता तो उनका मुरीद हो जाता। सभी को उमंग ,उत्साह,सीख और आगे बढने की प्रेरणा देने वाली दादी प्रकाशमणि ब्रहमाकुमारीज मिशन के प्रमुख पद पर रहते हुए भी एक आम इंसान की तरह रहती थी और स्वयं को शिव बाबा का टृस्टी समझकर बडी से बडी समस्या का हल मिनटो में निकाल देती थी। उन्हे विश्व एकता की संवाहक माना जाए तो गलत नही होगा। दिव्य विभूति दादी प्रकाशमणि का जन्म एक जून सन 1922 को पाकिस्तान के सिन्ध प्रान्त अन्तर्गत हैदराबाद में हुआ था। सन 1937 में उस समय के प्रसिद्ध हीरा व्यापारी एवं जाने माने सेठ दादा लेखराज को परमात्मा के सत्य स्वरूप व भावी नई दुनिया का अलौकिक साक्षात्कार हुआ और उन्होने अपनी सारी सम्पत्ति वर्ल्ड रिन्यूवल टृस्ट का निर्माण कर नई दुनिया की स्थापना के लिए उसमें निहीत कर दी। तभी मात्र 14 वर्ष की आयु में रमा देवी नामक बालिका ने दादा लेखराज के प्रति पुत्रीवत समर्पण करके अलौकिक ईश्वरीय ज्ञान रूपी यज्ञ में आहुति डालने का काम किया।जिससे उन्हे भी ज्योति स्वरूप शिव व नई सतयुगी दुनिया के साक्षात्कार हुए और वे रमा देवी से प्रकाशमणि बन गई। हर किसी का मधुर मुस्कान से स्वागत कर दिल जीत लेने वाली कर्मयोगिनी प्रकाशमणि की पवित्रता और सरलता के सभी कायल थे। उन्होने जीवनभर प्यार की सौगात दी और जीवन जीने की कला जनसामान्य को सिखायी। प्रजापिता ब्रहमाकुमारी ईश्वरीय विश्वविधालय को पांच द्वीपों तक फैलाने में दादी प्रकाशमणि का अहम योगदान है। जिनके नेतृत्व में संस्था ने देश विदेश में तरक्की की और मधुबन का इतना विस्तार किया कि आज माउन्ट आबू की पहचान ही मधुबन यानि बाबा का धर से होने लगी है। चाहे शान्ति वन का विशाल परिसर हो और उसमें स्थित 28 हजार व्यक्तियों की क्षमता का डायमण्ड सभागार अथवा उसी परिसर में 35 हजार से 50 हजार तक के व्यक्तियों की भोजन निर्माण व्यवस्था की नई प्रदुषण रहित कीचन या फिर मनमोहिनी भवन, रेडियों मधुबन, पीस आफ माइण्ड चैनल, गाडली वुड फिल्म स्टूडियों, ज्ञानामृत एवं ओम शान्ति मीडिया समाचार पत्र, ज्ञान सरोवर, पाण्डव भवन, यूनिवर्सल सभागार, पीस पार्क का आधुनिकीकरण सबकुछ दादी प्रकाशमणि की दूरदर्शिता ,कुशल नेतृत्व व कर्मशीलता की देन है। लेकिन फिर भी दादी प्रकाशमणि एक आम इसांन ही बनी रही और परमात्मा शिव व ब्रहमा बाबा की टृस्टी बनकर संस्था में चार चांद लगाती रही।जहां पडे कदम वही सफलता का इतिहास लिख देने वाली प्रकाशमणि विनम्रता की प्रतिमूर्ति थी,गुणों की खान थी,अनुभव की निधि थी और फरिश्ता समान होकर सबके दुख हर लेने वाली देवी थी। आत्म विश्वास से लबरेज दादी प्रकाशमणि ने कथनी और करनी में समानता रखी और सत्यता की शक्ति से एकता की सूत्रधार बनकर दुनिया भर को शान्ति,सुख और सर्वगुण सम्पन्नता की राह दिखाई।तभी तो उन्हे अन्तराष्ट्रीय शान्तिदूत होने का सम्मान हासिल हुआ। दादी प्रकाशमणि ऐसी आध्यात्म ज्ञान की विभूति थी जिन्होने देशविदेश में बडी से बडी हस्ती को ईश्वरीय ज्ञान दिया और परमात्मा की सत्ता का बोध उन्हे कराया। तभी तो पाश्चात्य सभ्यता को छोडकर अनेक देशी विदेशी भाई बहन न सिर्फ विकारो को त्यागकर शिव बाबा के ज्ञान में आये बल्कि पावन व पवित्र बनकर दुनिया में बदलाव का सन्देश दिया। तभी तो दादी प्रकाशमणि को आध्यात्म ज्ञान का ज्योतिपूंज माना जाता है। जो शरीर छोड देने के बाद भी आत्मस्वरूप में दुनिया को प्रकाशमान किये हुए है। इसीलिए वे रमादेवी के बजाए प्रकाशमणि कहलाती है।25 अगस्त सन 2007 में दादी प्रकाशमणि ने माउन्ट आबू में ही अपने नश्वर शरीर को त्याग दिया और परमात्मा के पास जाकर आत्म स्वरूप में लीन हो गई। तभी से ब्रहमाकुमारीज परिवार दुनियाभर में दादी प्रकाशमणि के शरीर मुक्ति दिवस को विश्व बन्धुत्व दिवस के रूप में मनाता है।ऐसी महान दिव्य विभूति दादी प्रकाशमणि को उनके स्मृति दिवस यानि विश्व बन्धुत्व दिवस पर शत शत नमन।

दागी जनप्रतिनिधित्व में लचर कानून व्यवस्था

- राकेश कुमार वर्मा

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने हाल ही में साल 2019 और 2024 के बीच चुनाव के दौरान निर्वाचन आयोग को सौंपे गये मौजूदा सांसद और विधायकों के 4809 हलफनामो में से 4693 की जांच की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसमे महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामलों का सामना कर रहे 16 सांसदों व 135 विधयकों को चिन्हित किया गया है जिनमें से अधिकांश के विरूद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा 376 के तहत दस साल के कठोर दंड का प्रावधान है जिसे आजीवन कारावास तक बढाया जा सकता है। इनमें से 2 सांसद तथा 14 विधायक है ।आरोप में एक ही पीड़िता के खिलाफ बार बार अपराध की घटनाये शामिल हैं जो अपराध को संगीन बताती हैं। रिपोर्ट के अनुसार सबसे अधिक 54 सांसद और विधायक भाजपा के हैं जबकि कांग्रेस के 23 और तेलगूदेशम के 17 सदस्य अपराध प्रवृति के हैं। यह रिपोर्ट कानून बनाने और उसका पालन करने के प्रति वचनबद्ध सदस्यों के चयन को लेकर अनेक प्रश्न खड़े करती है। महत्वपूर्ण और प्रतिष्ठित संवैधानिक कर्तव्यों की जिम्मेदारी के लिए आस्था जताने वाले नागरिकों के विश्वास पर क्या ऐसे सदस्यों की आत्मा सदन में पहुंच कर कभी मूल्यों के प्रति उन्मुख हुई। इसकी वास्तविकता समय-समय पर उजागर होते समाचार मसलन जनहित से जुड़े प्रश्न के बदले पैसे मांगने, सदन को अखाड़ा बनाने, पोर्न वीडियो देखने, शयन आरामगाह से स्पष्ट होते हैं। बावजूद इसके अप्रत्याशित रूप से ताउम्र वेतन भत्ते पेंशन लेने के अधिकारी हैं।जो आम नागरिकों के लिए सबसे बड़ा खतरा हो, उसी की सुरक्षा में पूरा तंत्र झोंक दिया जाता है। सर्वाधिक व्ययसाध्य चयन की इस बेलगाम प्रणाली पर नियंत्रण न रख पाने में चुनाव आयोग सर्वोच्च न्यायालय और कानून की अपनी अपनी विवशतायें है। दोष सिद्ध होने पर दंड से बच निकलने पर भी इनका जमीर उन पीड़ितों से सहानुभूति बटोरकर महिमा मंडित होने में सफल होता है जिस अपराध में इनकी संलिप्तता होती है। रिपोर्ट की वास्तविकता से यह तथ्य प्रकट होता है कि भयमुक्त समाज की स्थापना सुचिता, अनुशासन और मयार्दा के लक्ष्य को लेकर राजनीति में आई भारतीय जनता पार्टी जैसी पार्टियां दागी और आपराधिक प्रवृत्ति के चरम पर है। यह स्वच्छ व नैतिकतापूर्ण राजनीति की विसंगति का वीभत्स स्वरूप है जिससे समाज को सतर्क रहने की आवश्यकता है। इसी तरह राजनीतिक शुचिता का दम भरने वाली आम आदमी पार्टी ने आपराधिक पृष्ठभूमि के लगभग तेरह फीसद प्रत्याशियों को अपना उम्मीद्वार बनाया। उसके बत्तीस में से छब्बीस उम्मीदवारों पर गंभीर अपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। ऐसे में एक लोकतांत्रिक प्रणाली में जनता द्वारा चुनकर आये प्रतिनिधियों का समाज और लोगों की मानसिकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्हें अपराध का भय नहीं होता क्योंकि यदि कुयोगवश कभी कानूनी शिकंजे में फंस जाएं तो भी उनमें रसूख के बल पर निजात पाने का विश्वास होता है। बीते कई सालों में देश के अहम राजनीतिक दलों ने ऐसे उम्मीदवारों को भी टिकट दिए, जिन पर बलात्कार जैसे संगीन अपराध के आरोप हैं। इससे अपराधिक तत्वों को प्रश्रय मिला है । राजनीतिक दलों का लक्ष्य प्रत्याशियों का चरित्र नहीं, अपितु उनके जीतने की संभावना पर रहता है, इसलिए वे दबंग किस्म के लोगों को ज्यादा अनुकूल पाते हैं।

आज का राशिफल

मेष आज दिन करियर के मामले में लाभ से भरा होगा। आपको आस-पास की यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

तुला आज करियर के मामले में लाभ होगा। किसी भी मामले में फैसला जल्दबाजी में न करें।

वृषभ आज दिन लाभ और सम्मान से भरा होगा। आपका मन संतोष देने वाला रहेगा।

वृश्चिक आज दिन सफलता से भरा होगा और आपकी साथियों के बीच लोकप्रियता बढ़ेगी।

मिथुन आपके सुख में वृद्धि होगी और कार्य सरलता से पूर्ण करेंगे। व्यर्थ के कार्यों में समय बर्बाद न करें।

धनु आज आपके लिए लाभ के जबर्दस्त योग बन रहे हैं। आपके विरोधी परास्त होंगे।

कर्क आपको सफलता प्राप्त होगी और पराक्रम में वृद्धि होने से करियर के मामले में लाभ होगा।

मकर आज लाभ का दिन है और आपको कहीं से उपहार व सम्मान का लाभ मिल सकता है।

सिंह सांसारिक सुख भोग, सम्मान वृद्धि, भाग्य विकास के शुभ योग आपके लिए बन रहे हैं।

कुंभ आज संतान पक्ष से हर्ष होगा और आपको बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति होगी।

कन्या आज करियर में लाभ होने के योग हैं और आपको लाभ होगा। आप चिंतित रहेंगे।

मीन करियर में लाभ होगा और सम्मान में वृद्धि के योग बने हैं। आपकी सुबह से ही भागदौड़ रहेगी।

विशेष

भाजपा में दलबदलुओं को मिलती है राज्यसभा

भारतीय जनता पार्टी में बाहर से आए नेताओं की बड़ी कदर होती है। बाहर से आए हुए 100 से ज्यादा नेताओं को भारतीय जनता पार्टी ने पहले लोकसभा की टिकट दी। हाल ही में 9 राज्यसभा की सीटों का ऐलान किया है। इसमें से तीन सीटों पर भाजपा दल बदलू नेताओं को राज्यसभा में भेज रही है। रवनीत सिंह बिट्टू को राजस्थान से, किरण चौधरी को हरियाणा से, ममता मोहंता कोउड़ीसा से राज्यसभा भेजा जा रहा है। बार काउंसिल आफ इंडिया के अध्यक्ष मनन मिश्रा को बिहार से राज्यसभा मे भेज दिया है। तीन अन्य पार्टियों से नेता आए थे। एक सीट बिहार से अपनी पार्टी के किसी नेता को देने के स्थान पर मनन मिश्रा को दी है। भाजपा में अब दल बदलुओं की कदर है। इससे भाजपा नेताओं की नाराजगी बढ़ रही है।

लालू का मॉडल सफल

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के काफी करीब थे। उनके पिताजी शिबू सोरेन के सहयोगी थे। जब हेमंत सोरेन जेल जा रहे थे। तब वह अपनी पत्नी के स्थान पर चंपई सोरेन को मुख्यमंत्री बनाकर गए थे। जैसे ही वह मुख्यमंत्री बने। उनकी महत्वाकांक्षा जाग गई। हेमंत सोरेन जेल से बाहर आए। वह मुख्यमंत्री बने। भाजपा को घुसने का मौका मिल गया। चंपई सोरेन को मुख्यमंत्री बनाने का भरोसा दिलाकर विधानसभा चुनाव के पहले जेएमएम में फूट डालने में भारतीय जनता पार्टी सफल हो गई। भाजपा के प्रादेशिक नेताओं में विद्रोह हुआ।

कार्टून कोना

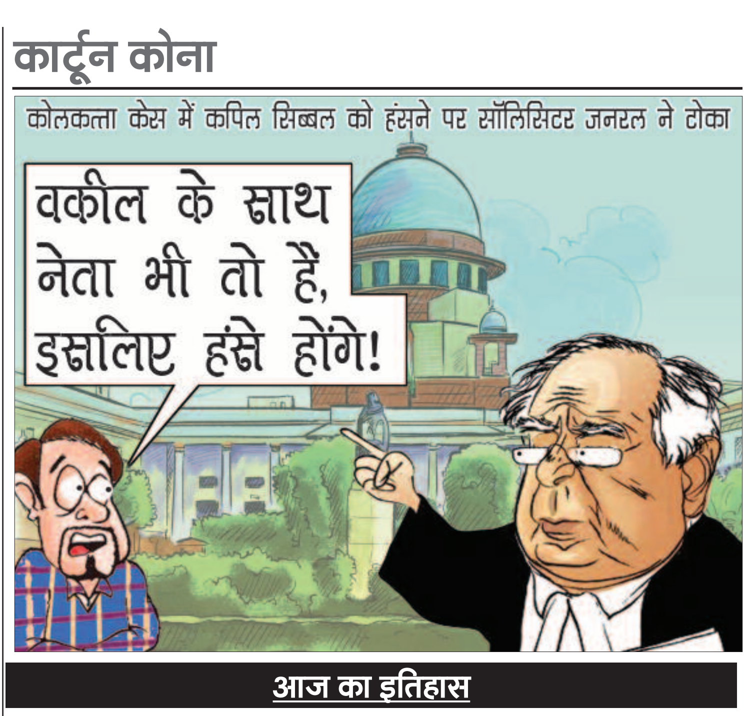

आज का इतिहास

1580: अल्वा के ड्यूक के नेतृत्व में स्पेन ने पुर्तगाल पर हमला किया. 1828: उरूग्वे ने स्पेन से स्वतंत्र होने की घोषणा की. 1883: डच ईस्ट इंडीज में ज्वालामुखी फटने के कारण 36 हजार से अधिक लोग मारे गए. 1888 :खाकसार पार्टी के संस्थापक अल्लामा मशरिकी का जन्म. 1941: ब्रिटिश और सोवियत फौजों ने ईगन पर हमला किया. 1960: अफ्रीका के नवस्वतंत्र देशों का सम्मेलन लियोपोल्डविले में हुआ. 1963: खाकसार पार्टी के संस्थापक अल्लामा मशरिकी का निधन. 1965:स्विस अल्पस में हिमस्खलन से एक सौ से अधिक लोग मारे गए. 1972: बंगलादेश को राष्ट्र संघ की सदस्यता से वंचित रखने के लिए चीन ने सुरक्षा परिषद में वीटो का इस्तेमाल किया. 1973: लेबनान के गांवों पर अकारण बमबारी के लिए सुरक्षा परिषद ने निंदा प्रस्ताव पारित किया.

दैनिक पंचांग

25 अगस्त 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	07.19 बजे से
चंद्र	मेष में	तुला	09.30 बजे से
मंगल	वृष में	वृश्चिक	11.45 ब.से
बुध	कर्क में	धनु	14.01 बजे से
गुरु	वृष में	मकर	16.06 बजे से
शुक्र	कन्या में	कुंभ	17.53 बजे से
शनि	कुंभ में	मीन	19.25 बजे से
राहु	मीन में	मेष	20.56 बजे से
केतु	कन्या में	वृष	22.36 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		मिथुन	00.34 बजे से
		कर्क	02.47 बजे से
		सिंह	05.04 बजे से

रविवार 2024 वर्ष का 238 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 03.40 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** भरणी 16.45 बजे को समाप्त। **योग** ध्रुव 00.29 बजे रात्र को समाप्त। **करण** विष्टि 16.32 बजे तदनन्तर बव 03.40 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 20.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 10°40' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872082 **जूलियन दिन** 2460547.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सफर **तारीख** 20 **विशेष** हरछठ(हलषष्ठी) व्रत, श्री धरणीधर जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बक्सर, 25 अगस्त 2024
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

करियर चुनते समय भूलकर भी ना करें यह गलतियां

करियर चुनते समय कुछ चीजों का खास ख्याल रखना चाहिए। अगर आप इन चीजों का ख्याल नहीं रखती हैं तो आपको आगे जाकर दिक्कत आ सकती हैं।
करियर चुनना एक ऐसा फैसला है जिस पर आपकी आने वाली जिंदगी निर्भर करती है। ऐसे में यह फैसला कभी भी जल्दबाजी या बिना जानकारी के ना लें। अगर आप ऐसा करती हैं तो आने वाला समय आपके लिए मुश्किलों से भरा हो सकता है। ऐसे में जरूरी है कि करियर का फैसला सोच समझकर लिया जाए। ऐसे में करियर चुनते समय निम्नलिखित गलतियों से बचने के लिए ध्यान देना काफी जरूरी है।

प्रभावित होना

अक्सर लोग दूसरों के मत और प्रभावों के चलते करियर चुनते हैं। आपको अपनी प्राथमिकताओं, रुचियों और क्षमताओं के आधार पर चुनाव करना चाहिए, न कि दूसरों के प्रभाव में आकर। दूसरों का सुनना जरूरी है लेकिन जरूरी नहीं की आप उनकी हर बात को मानें।

बाहरी दबावों को महत्व देना

अक्सर परिवार दबाव, सामाजिक प्रतीक्षाओं या प्रतिस्पर्धा के दबाव के चलते गलत करियर चुन लेते हैं। आपको खुद के आंतरिक आवश्यकताओं और योग्यताओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। दबावों मे आकर कोई भी गलत निर्णय ना करें। ऐसे में आपको आगे जाकर दिक्कत आ सकती हैं।

अनधिकृत सलाह पर निर्भरता

करियर चुनते समय बहुत से लोग अनधिकृत या अयोग्य व्यक्तियों से सलाह लेते हैं। आपको केवल प्रामाणिक और विशेषज्ञ सलाहकारों की सहायता लेनी चाहिए। सलाह लेना जरूरी है लेकिन अपनी रूची के हिसाब से निर्णय लें। ताकि आपको आगे दिक्कत का सामना ना करना पड़े।

सिर्फ पैसे के लिए चुनाव

सिर्फ पैसे के लिए करियर को ना चुनें। पैसा होना जरूरी है लेकिन अगर आपका मन उस काम में नहीं लगता है लेकिन उस फिल्ड में पैसा अधिक है तो कभी भी ऐसा फील्ड का चुनाव अपने करियर के लिए ना करें।

इन टिप्स से मिलेगी अच्छी नौकरी

करियर के शुरुआत में ही अगर आपको अच्छी कंपनी मिलती है तो काफी लाभ हो सकता है। बड़ी- बड़ी कंपनियां अपने इंप्लाई को काफी अच्छी सैलरी शुरुआत में भी देते हैं। अगर आप भी मोटी सैलरी की चाह रखती हैं तो आपको कुछ आसान टिप्स को फॉलो करना होगा। इसकी मदद से आपको अच्छी नौकरी खोजने में काफी लाभ मिलेगा।

रिज्यूमे बनाते समय रखें ध्यान

आपने अपने फ्यूचर को लेकर जिस जॉब से जुड़ने का लक्ष्य बना रखा है उसके अनुसार अपना रेज्यूमे तैयार करना चाहिए। भले ही आप फेशर्स क्यों ना हो आप चाहे तो अपने रिज्यूमे को अच्छे से बना सकती हैं। रिज्यूमे बनाते समय इन चीजों को जरूर लिखें।

- कॉन्टैक्ट डिटेल्स लिखें
- वर्क एक्सपीरियंस लिखें
- प्रोजेक्ट्स लिखें
- एजुकेशन लिखें
- स्किल्स लिखें
- ऑब्जेक्टिव लिखें

सोशल साइट्स से तलाशे नौकरी

सोशल साइट्स का इस्तेमाल केवल फोटो और वीडियो के लिए ही नहीं बल्कि नौकरी तलाशने के लिए भी किया जाता है। LinkedIn जैसे ऐप की माध्यम से आपको आसानी से नौकरी मिल जाएगी। इस साइट पर आपको एक्टिव रहना है और खुद से जुड़ी जानकारी शेयर करते रहना है। इतना ही नहीं, बड़ी- बड़ी कंपनियां यही नौकरी से जुड़ी सूचना डालते हैं। आपको यहीं से अप्लाई करने का विकल्प भी मिल जाएगा।

कुछ नया करें

आपको अगर एक काम आता है तो आपको नौकरी मिलने में दिक्कत हो सकती हैं। अगर आप अपने काम के साथ अपने फिल्ड से जुड़ी अन्य कामों की जानकारी रखती हैं तो आपको नौकरी मिलने में दिक्कत नहीं होगी। कुछ नया सिखना हमेशा जरूरी हैं।

बनना चाहते हैं एचआर ....तो जानिए इसके लिए क्या करना होगा

ह्यूमन रिसोर्स (एचआर) प्रोफेशनल्स किसी भी कंपनी के लिए बहुत जिम्मेदार सदस्य होते हैं, जो खास तौर पर रिक्रूटमेंट, एम्प्लॉई मैनेजमेंट और अन्य प्रशासनिक कार्यों की जिम्मेदारी संभालते हैं।

अगर आप मानव संसाधन (एचआर) क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको अलग-अलग स्तर पर अहम फैसले लेने होंगे। ।क्रमें सफल करियर के लिए सही शिक्षा, अनुभव और कौशलों का होना जरूरी है। यहां इस प्रक्रिया को विस्तार से बताया गया है।
ह्यूमन रिसोर्स (एचआर) प्रोफेशनल्स किसी भी कंपनी के लिए बहुत जिम्मेदार सदस्य होते हैं, जो खास तौर पर रिक्रूटमेंट, एम्प्लॉई मैनेजमेंट और अन्य प्रशासनिक कार्यों की जिम्मेदारी संभालते हैं। यह करियर विकल्प न केवल चुनौती भरा हो सकता है, बल्कि बहुत ही संतोषजनक और सम्मानित किए जाने वाला पोजीशन भी है। मानव संसाधन (एचआर) प्रोफेशनल के लिए जिम्मेदारियां

रिक्रूटमेंट

पदों की आवश्यकता की पहचान करना। अलग-अलग प्लेटफार्मों पर जॉब पोस्ट करना। आवेदन पाने के बाद कैंडिडेट्स की स्क्रीनिंग करना। इंटरव्यू का आयोजन और संचालन करना। सबसे खास कैंडिडेट का चयन करना और नौकरी के प्रस्ताव भेजना।

एम्प्लॉई मैनेजमेंट

नए कर्मचारियों का प्रशिक्षण और उनकी कौशल में वृद्धि के लिए विकास कार्यक्रम आयोजित करना। कर्मचारियों के परफॉर्मेंस का मूल्यांकन करना और फीडबैक के आधार पर परफॉर्मेंस एप्रेजल देना। कर्मचारियों की समस्याओं और शिकायतों का समाधान करना। वेतन और अन्य लाभों का प्रबंधन करना।

एम्प्लॉई रिलेशन

कर्मचारियों और प्रबंधन के बीच असरदार कम्युनिकेशन बनाए रखना। कंपनी के भीतर एक सकारात्मक और प्रोडक्टिव वर्क कल्चर को डेवलप करना।

अनुपालन और कानूनी मामलों का प्रबंधन

लेबर लॉ के साथ-साथ कानूनी दस्तावेजों और अनुबंधों का प्रबंधन करना।
मानव संसाधन (एचआर) प्रोफेशनल के लिए डिग्री में करियर बनाने के लिए ग्रेजुएशन की डिग्री जरूरी है। आप मानव संसाधन प्रबंधन (एचआर), मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, या पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन जैसे विषयों में ग्रेजुएशन कर सकते हैं। ह्यूमन रिसोर्स मैनेजर के पदों पर और बेहतर वेतन संभावनाओं के लिए, आप मानव संसाधन प्रबंधन (MBA-HRM) या मानव संसाधन विकास (MS-HRD) में मास्टर डिग्री हासिल कर सकते हैं।

एचआर (Human Resource) में एमबीए करने के लिए कैट (CAT) और मैट (MAT) जैसी परीक्षाएं आमतौर पर जरूरी होती हैं। ये परीक्षाएं आपके मैनेजमेंट प्रोग्राम में प्रवेश पाने के लिए आयोजन कराई जाती हैं और भारत में कई प्रतिष्ठित बिजनेस स्कूलों जैसे भारतीय प्रबंधन संस्थानों IIMs में स्वीकार की जाती हैं। इसके साथ ही मानव संसाधन में विशेषज्ञता के साथ प्रबंधन में दो साल का पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (पीजीडीएम) भी जरूरी हो सकता है।

प्रोफेशनल सर्टिफिकेट और ट्रेनिंग

कई ऑर्गनाइजेशन ।क्रप्रोफेशनल के लिए सर्टिफिकेट कोर्स ऑफर करते हैं। ये सर्टिफिकेट आपके नॉलेज और स्किल्स को मान्य करते हैं और आपको नौकरी दिलाने में बेहतर साधन उपलब्ध करा सकते हैं। कुछ सर्टिफिकेट कोर्स जैसे प्रोफेशनल इन ह्यूमन रिसोर्स, सोसायटी फॉर ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट सर्टिफाइड प्रोफेशनल और सीनियर प्रोफेशनल इन ह्यूमन रिसोर्स कर सकते हैं। ह्यूमन रिसोर्स में एंट्री लेवल के पदों के लिए अक्सर इंटर्नशिप या वालंटियर के अनुभव की जरूरत होती है। आप ।क्रविभाग में सहायक, भर्ती करने वाला या प्रशिक्षण और विकास विशेषज्ञ जैसे पदों पर काम करके अनुभव प्राप्त कर सकते हैं।

एचआर प्रोफेशनल के लिए जरूरी कौशल

एचआर प्रोफेशनल के लिए जरूरी कई तरह के कौशल होते हैं। इनमें से कुछ कौशल ये हैं। संचार, पारस्परिक कौशल, समस्या समाधान, नेतृत्व, विवरण पर ध्यान देना, सहानुभूतिपूर्ण रवैया, त्वरित निर्णय, ईमानदारी, धैर्य, सामाजिक जागरूकता, स्व-प्रबंधन, जवाबदेही, रणनीति के हिसाब से सोच, तकनीकी दक्षता, रणनीतिक योजना, स्टेकहोल्डर के साथ प्रबंधन।
इन कौशलों से मानव संसाधन प्रोफेशनल को अपने संगठन में सकारात्मक योगदान देने और चुनौतियों का सामना करने में मदद मिलती है। साथ ही, इन कौशलों से वे प्रभावी संचार और कुशल प्रबंधन कर पाते हैं। मानव संसाधन प्रोफेशनलों को कर्मचारी डेटा और मुआवजा, चिकित्सा मुद्दों, मानसिक स्वास्थ्य, संघर्ष, परफॉर्मेंस, वर्कप्लेस की चोट, उत्पीड़न और अनुशासनात्मक समस्याओं से जुड़ी जानकारी से भी अवगत होना चाहिए। इसके अलावा, उन्हें कर्मचारियों की गोपनीयता बनाए रखने की ज़िम्मेदारी भी निभानी होती है।

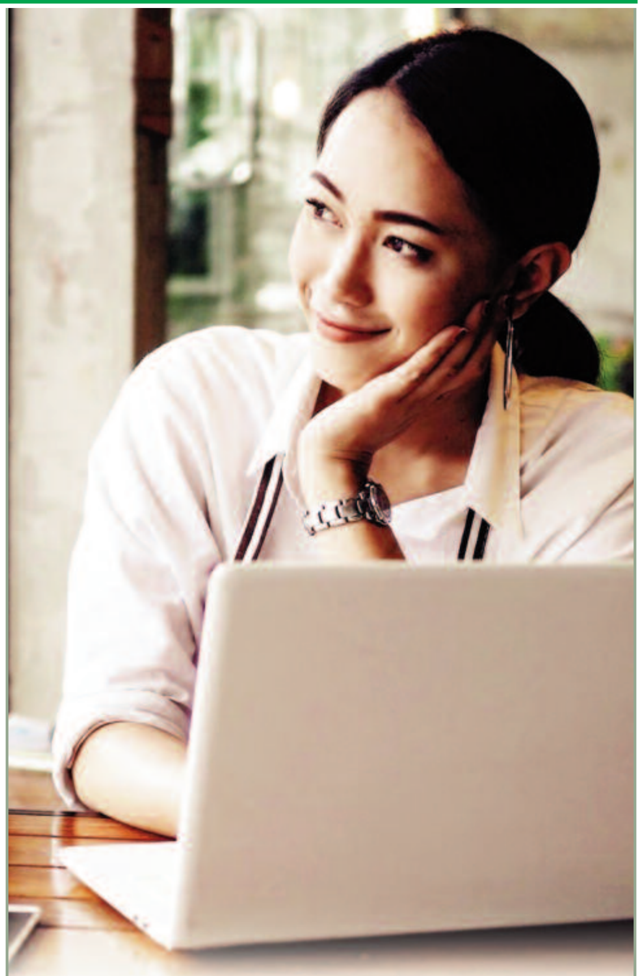

करियर में चाहिए सफलता तो इन बातों का रखें ध्यान

करियर में आगे बढ़ने का सपना हर किसी का होता है ऐसे में आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। आज हम आपको इससे जुड़ी कुछ ख़ास बातें बताने वाले हैं।

करियर में आगे बढ़ना तो सभी चाहते हैं। हम सभी को यह लगता है कि बस कैसे भी करके हमें जल्दी से प्रमोशन मिल जाएं। इसके लिए कई बार हम अपने टैलेंट के हिसाब से नई नौकरियां भी ढूंढते रहते हैं। ज़्यादातर कंपनियां मल्टी टैलेंटेड लोगों को ही हायर करना चाहती है। ऐसे में अगर आप भी अपने करियर में आगे बढ़ना चाहती हैं तो हम आपको कुछ टिप्स बताने वाले हैं। आपको इन टिप्स को फॉलो करना चाहिए।

व्यवहार पर दें ध्यान

आपको अपनी टीम के साथ अपना रिश्ता अच्छा बनाकर रखना चाहिए। कई बार कुछ चीजों पर हमें काफी ज़्यादा गुस्सा आ जाता है। अगर ऐसा आपके साथ भी हो रहा है तो आप अपने व्यवहार को ध्यान में रखते हुए ही कुछ कदम उठाए। कई बार जल्दबाजी में लिया गया फैसला गलत साबित हो सकता है। स्थिति चाहे कितनी भी खराब क्यों न हो आपको नियंत्रण करना आना चाहिए।

बातचीत का तरीका

कोशिश करें कि आप ज्यादा से ज्यादा अपने बॉस से बातें करें। कॉरपोरेट जॉब में ऐसा करना बहुत ही ज्यादा जरूरी है। अगर आपके बाल 9-5 जॉब करके वापस घर आ जाती है तो आपका प्रमोशन नहीं होने वाला है। ना ही आपको करियर में आगे सफलता मिलने वाली है। किसी भी प्रोफ़ेशन के लिए कम्युनिकेशन स्किल्स काफी ज्यादा जरूरी है। इसलिए हमेशा अपने कम्युनिकेशन स्किल्स पर ध्यान देना चाहिए।

सीखने की लगन

अगर आपको कोई टास्क दिया गया है जो आपको बिलकुल भी नहीं आता है तो परेशान न होए और न ही अपने बॉस को यह कहे कि आपको यह काम नहीं आता है। आपको यह कहना चाहिए कि मुझे इसके बारे में जानकारी नहीं है लेकिन मैं इसमें काम करना चाहूंगी। ताकि मैं इसकी भी जानकारी प्राप्त कर सकूं। ऐसे में आपका बॉस आपसे इंप्रेस हो जाएंगे।

काम में गलती करने से बचे

आपकी एक गलती आप पर भारी पड़ सकती है। ऐसे में अगर आप अपने करियर में आगे जाना चाहती हैं तो आपको अपने काम को लेकर डेडिकेशन दिखाना होगा। इसके लिए कोशिश करें कि काम करते वक्त कोई भी गलती ना करें। गलतियां तभी होती है जब हम जल्दबाजी में काम करते हैं। जल्दबाजी में आकर काम करना बंद कर दें।

बैंक क्लर्क जॉब सिक्योरिटी और तरक्की के अवसर भी

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक में चयनित होना और इनमें करियर बनाना काफी समय से युवाओं का लक्ष्य रहा है। इस जॉब से जुड़ी उज्जवल संभावनाओं को देखते हुए ही वे इस ओर आकर्षित होते हैं। यहा जॉब सिक्योरिटी भी है और तरक्की के अवसर भी।

द्विपक्षीय समझौते से पहले तक बैंक क्लर्क को काफी कम वेतन मिला करता था। मगर अब यह स्थिति बदल गई है। अब सार्वजनिक बैंकों के क्लर्कों का वेतन लगभग निजी बैंकों के समकक्ष हो गया है। इसके अलावा क्लर्क को अपने ही बैंक में आगे बढ़ने और प्रमोशनल एग्जामिनेशन में बैठने का अवसर भी मिलता है। क्लर्क के रूप में 2 से 3 साल की सेवा देने के बाद आप ऑफिसर ग्रेड में पहुंच सकते हैं और आकर्षक सैलरी के साथ-साथ अन्य लाभ तथा भत्ते भी पा सकते हैं। किसी भी बैंक में क्लर्क के रूप में जॉइन करते ही पेंशन तथा प्रॉविडेंट फंड स्कीम भी लागू हो जाती है। इसके अलावा बैंकों द्वारा अपने क्लर्कों तथा उनके परिजनों को चिकित्सा बीमा का लाभ भी दिया जाता है। क्लर्क के रूप में शुरूआत करने वाले योग्य, प्रतिभावान और अनुभवी व्यक्ति आगे चलकर ब्रांच मैनेजर के पद तक पहुंच सकते हैं। निजी बैंकों के कुल 3 लाख कर्मचारियों में से केवल 21 प्रतिशत ही क्लर्क की श्रेणी में आते हैं। विदेशी बैंकों में तो क्लर्कों की संख्या मात्र 6 प्रतिशत ही है। वे अफसरों की नियुक्ति को वरीयता देते हैं। दरअसल भारत में समूची बैंकिंग प्रणाली अब अफसरों के पक्ष में नजर आती है। शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंकों ने जो 115 लाख कर्मचारी नियुक्त किए, उनमें 6 लाख से अधिक अफसर थे! मगर देश के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में आज भी अफसरों से अधिक क्लर्क कार्यरत हैं।

नियुक्ति के ट्रैंड

- आज देश की बैंकों में 52 प्रतिशत अफसर हैं, जबकि दस साल पहले ये 38 प्रतिशत ही थे।
- टेक्नोलॉजी के चलते क्लर्कों के कई काम अब निरर्थक रह गए हैं।
- बेहतर औद्योगिक संबंधों के इरादे से भी बैंक 'ऑफिसर ओनली'' मॉडल को तवज्जो दे रहे हैं।
- इस नए रवैये के कारण सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की प्रति कर्मचारी औसत लागत बढ़ गई है।

एम्प्लॉयी प्रोफाइल में यह परिवर्तन बैंकिंग प्रणाली के कम्प्यूटरीकरण के कारण आया है, जिसके चलते क्लर्कों द्वारा किए जाने वाले अधिकांश काम अब अतीत की बात बन गए हैं। पहले क्लर्क एंट्री बनाते थे और अफसर उन्हें जांचकर लेनदेन अधिकृत करते थे। इसे मेकर-चेकर मॉडल कहा जाता था। अब जबकि अधिकांश बैंकिंग प्रणाली कम्प्यूटरीकृत हो गई है, तो लेनदेन को मैन्युअली चेक करने की कोई जरूरत नहीं रह गई। राष्ट्रीयकृत बैंकों के कर्मचारी बताते हैं कि संभवत: कार्यकुशलता तथा बेहतर श्रम संबंधों के दोहरे लक्ष्य को साधने के लिए ही बैंक अब क्लर्कों के मुकाबले अधिक अफसरों को नियुक्त कर रहे हैं। सिद्धांतत: अफसरों से चौबिस घंटे काम करने की अपेक्षा की जाती है। उनके लिए ओवरटाइम का कोई प्रावधान नहीं होता। वहीं क्लर्कों को 10 मिनिट ज्यादा रोकने पर भी ओवरटाइम तथा परिवहन भत्ता देना पड़ता है।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बक्सर, 25 अगस्त 2024
website: keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

सीएम हेमंत और कल्पना सोरेन पहुंचे जमशेदपुर, पूर्व सांसद सुनील महतो की दिवंगत पुत्री अंकिता को दी श्रद्धांजलि

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन शुक्रवार को पूर्व सांसद दिवंगत सुनील महतो तथा पूर्व सांसद सुमन महतो के जमशेदपुर सोनारी स्थित आवास पहुंचे। मुख्यमंत्री ने यहां पूर्व सांसद सुमन महतो की पुत्री अंकिता महतो की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और ईश्वर से पुण्यात्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिजनों को दु :ख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सुमन महतो तथा उनके अन्य शोकाकुल परिजनों से मिलकर गहरी संवेदना व्यक्त की और ढांढ़स बंधाया। इस अवसर पर मंत्री दीपक बिरुआ, मंत्री बेबी देवी, मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह, सांसद जोबा मांझी, विधायक रामदास सोरेन, विधायक सुखराम उरांव, विधायक सविता महतो, विधायक संजीव सरदार, विधायक समीर मोहंती, विधायक मंगल कालिंदी सहित अन्य ने भी पुष्प अर्पित किया।

सहकारिता महासम्मेलन में मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने विधायकों के साथ मिलकर बांटी परिसंपत्तियां

रांची। कोल्हान प्रमंडल स्तरीय सहकारिता महासम्मेलन का आयोजन जमशेदपुर के साकची स्थित रविंद्र भवन में शुक्रवार को किया गया। सम्मलेन में बतौर मुख्य अतिथि कृषि और पशुपालन मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, पोटका विधायक संजीव सरदार, जुगसलाई से विधायक मंगल कालिंदी तथा बहरागोड़ा विधायक समीर मोहंती उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंत्री और विधायकों ने मिलकर परिसंपत्तियों का वितरण किया। कार्यक्रम में निदेशक सहयोग समितियां सूरज कुमार ने कहा कि %सहकार से समृद्धि% की परिकल्पना को साकार करने का हर संभव प्रयास कृषि, पशुपालन और सहकारिता विभाग कर रहा है। इसी दिशा में कोल्हान प्रमंडल के विभिन्न लैम्प्स–पैक्स, व्यापार मण्डल और अन्य सहकारी समितियां को केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ मिल सके इस के लिए सहकारीता महासम्मेलन का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में सहकारिता प्रभाग से सम्बंधित योजनों को लेकर परिसम्पत्तियों का वितरण लाभुकों के बीच किया गया। इसमें झाम्फकोफेड की ओर से 5,99,700 की लघुवनोपज के का वितरण 20 लाभुकों के बीच किया गया। किट को झास्कोलैम्पफ के द्वारा लाह खेती योजना अंतर्गत होनेवाले टूल 90प्रतिशत अनुदान पर 21 लाभुकों के बीच वितरित किया गया। इस वितरण पर राज्य सरकार का कुल व्यय रु 85,050 है जबकि लाभुकों का कुल व्यय रु 9.450 मात्र है। इसके अलावा भी अन्य परिसंपत्तियों का वितरण किया गया।

टाटा स्टील कोयला कर्मियों का वेतन 18 हजार तक बढ़ा

धनबाद। टाटा स्टील लिमिटेड की झरिया तथा वेस्ट बोकारो कोलियरीज में कार्यरत कर्मियों के लिए शुक्रवार को जमशेदपुर में वेतन समझौता हुआ। 30 जून 2022 को बेसिक पे, महंगाई भत्ता, उपस्थिति बोनस और विशेष महंगाई भत्ता पर आधारित 13 फीसदी का न्यूनतम सुनिश्चित लाभ (एमजीबी) देने पर सहमति हुई है। एक जुलाई 2022 से सबसे कम वेतन पाने वाले कर्मचारी को न्यूनतम सुनिश्चित लाभ ?4102 रुपए और सबसे अधिक बेसिक वेतन पानेवाले कर्मचारी को ?18,102 रुपए मिलेगा। दो अतिरिक्त वेतनवृद्धि भी मिलेगी। उक्त वेतन समझौते से झरिया एवं वेस्ट बोकारो के 4042 टाटा कंपनी में कार्यरत कोयलाकर्मी लाभान्वित होंगे। पुरानी श्रेणी में 2404 कर्मचारी और नई श्रेणी में 1638 कर्मचारी लाभान्वित होंगे। वेतन समझौता सात साल एक जुलाई 2022 से 30 जून 2029 तक होगी। वेतन समझौता टाटा प्रबंधन एवं राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन के बीच हुआ। मौके पर टीवी नरेंद्रन, सीईओ और एमडी, टाटा स्टील लिमिटेड और कुमार जयमंगल, अध्यक्ष, राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन के साथ ही वीपी एचआरएम, वीपी आरएम, कंपनी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, आरसीएमयू झरिया एवं वेस्ट बोकारो यूनिट के यूनियन पदाधिकारी मौजूद थे। समझौते के अनुसार पहली अतिरिक्त वेतनवृद्धि एक अगस्त 2024 को उन कर्मचारियों को दी जाएगी, जो 31 जुलाई 2024 को कंपनी के रोल पर होंगे और 01 अगस्त 2024 को भी कंपनी के रोल पर बने रहेंगे। दूसरी अतिरिक्त वेतनवृद्धि 01 जुलाई 2028 को उन कर्मचारियों को दी जाएगी, जो 30 जून 2028 को कंपनी के रोल पर होंगे। 01 जुलाई 2028 को भी कंपनी के रोल पर बने रहेंगे। यह अतिरिक्त वेतनवृद्धि उनके सामान्य वार्षिक वेतनवृद्धि के अतिरिक्त होगी। वृद्धि की दर (पुरानी श्रेणी) : कर्मचारी के पुनरीक्षित बेसिक वेतनमान का 3त्न या पुनरीक्षित ग्रेड के अधिकतम वेतन का 3त्न, जो भी कम हो, होगा।

डॉ रामदयाल मुंडा ने झारखंड की संस्कृति को विश्व पटल पर पहचान दिलायी : केशव महतो कमलेश

रांची। पदमश्री पूर्व सांसद डॉ रामदयाल मुंडा की जयंती प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में में मनायी गयी। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने डा. मुण्डा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें झारखंड की सांस्कृतिक विभूति बताया। इस अवसर पर केशव महतो कमलेश ने कहा कि जे नाची से बांची को अपने जीवन का मूल मंत्र बनाने वाले डॉ मुंडा ने झारखंड की संस्कृति को विश्व पटल पर पहचान दिलायी। उन्होंने कला, शिक्षा और जनजातीय भाषा के विकास और संरक्षण के लिए जीवन पर्यन्त काम किया। उनकी सोच और यादें झारखंडी समाज को नई दिशा देती है। डा. मुण्डा बहुआयामी व्यक्तित्व और लोक संस्कृति के नायक थे। राजनीति, कला, संस्कृति व समाज के प्रति समर्पित सोच वाले थे। उन्होंने झारखण्ड के मूल सवाल जल,जंगल,पहचान,भाषा और संस्कृति पर आजीवन काम किया। झारखण्ड के उत्थान में इनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।

झारखंड की भाषा-संस्कृति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलायी : वहीं, कांग्रेस विधायक दल के नेता डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि डॉ मुंडा ने जब रांची विश्वविद्यालय में जनजातीय भाषा विभाग का कार्यभार संभाला उसके बाद राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय जगत पर यहां की भाषा-संस्कृति को पहचान मिली। अलग राज्य की मांग के लिए इनके दिशा निर्देशानुसार साहित्यकारों रंगकर्मियों, कलाकारों ने जनता को जागरूक करने कि लिए भाषा,संस्कृति का उपयोग किया। इनकी विद्वता को देखते हुए अमेरिका के विश्वविद्यालय में कार्यरत होने के बावजूद इन्हें बुलाकर विभाग का दायित्व दिया गया। इसके बाद वे रांची विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति तथा कुलपति के पद पर आसीन हुए। शांत-सौम्य व्यक्तित्व को देखते हुए इन्हें राष्ट्रीय सलाहकार परिषद का सदस्य सोनिया गांधी ने नियुक्त किया था। इस दायित्व का भी इन्होंने बखूबी निर्वह्न किया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ प्रदीप बलमुचू, राकेश सिन्हा, सतीश पॉल मुंजनी, मदन मोहन शर्मा, अमुल्य नीरज खलखो, भीम कुमार, सुलतान अहमद, सोनाल शांति, शान्तनू मिश्रा, निरंजन पासवान, नेली नाथन, विमल भारद्वाज, के कामेश्वर गिरी, जगदीश साहू, कमल ठाकुर, प्रभात कुमार, केदार पासवान, गुंजन सिंह, लाल किशोर नाथ शाहदेव, आलोक कुमार दूबे, डॉ राजेश गुप्ता, अरूण साहु, अजय कुमार, अनिल कुमार ओझा, संतोष कुमार, विक्रमजीत , छोटू सिंह, जितेन्द्र त्रिवेदी, मोहम्मद सागीर, शहीद अंसारी, हरीप्रसाद, सुरेन्द्र उरांव, बलराम, राजीव प्रकाश चौधरी, अनूप लाल, सुरेन्द्र प्रसाद यादव, रामानंद केशरी आदि शामिल थे।

अलग झारखंड राज्य आंदोलन के बौद्धिक ताकत थे डॉ रामदयाल मुंडा : सुदेश महतो

रांची। झारखंड अलग राज्य आंदोलन की बौद्धिक ताकत और सांस्कृतिक आंदोलन के प्रणेता पद्मश्री डॉ. रामदयाल मुंडा हमारी समृद्ध संस्कृति को आगे बढ़ाने और आदिवासियों की पहचान बनाए रखने के लिए आजीवन संघर्षरत रहे। उनका जीवन अपने आप में एक उदाहरण है कि दृढ़ इच्छाशक्ति हो तो आप किसी भी क्षेत्र में बेहतर कर सकते हैं। रामदयाल मुंडा के योगदानों से नई पीढ़ी को रूबरू होना आवश्यक। समृद्ध झारखंड गढ़ने की राह डॉ. रामदयाल मुंडा के जीवन दर्शन में समाहित है। नई पीढ़ी डॉ. मुंडा को पढ़े और जाने। ये बातें पार्टी अध्यक्ष सुदेश महतो ने बुंडू स्थित पार्टी कार्यालय में डॉ. रामदयाल मुंडा की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उनके चित्र पर माल्यार्पण करने के बाद कही।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई : उन्होंने कहा कि रांची के छोटे से गांव से निकल कर उन्होंने अपनी मेहनत, समर्पण, त्याग और काबिलियत के दम पर न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई बल्कि झारखंड की कला संस्कृति को भी वैश्विक पटल पर पहुंचाने का काम किया। उन्हें याद करने के लिए किसी खास तारीख की जरूरत नहीं। वे हमेशा हमारे दिलों में रहेंगे। उनकी विद्वता और विनम्रता से युवाओं को सीखने की आवश्यकता। झारखंड की समृद्ध संस्कृति को संजोने और संवारने के साथ ही हमें विकास की राह पर चलना है। अपनी गौरवपूर्ण संस्कृति से दूर होकर हम विकास की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। हम अपनी जड़ों से कट कर आगे नहीं बढ़ सकते हैं।

कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित : इस अवसर पर जिप सदस्य बुंडू परमेश्वरी सांडिल, केंद्रीय सचिव गुंजल इकिर मुंडा, केंद्रीय सचिव रामदुर्लभ सिंह मुंडा, आजसू पार्टी वरीय नेता सिंगराय टूटी, केंद्रीय सचिव सुधा मुंडु, रांची जिला वरीय उपाध्यक्ष राजकिशोर कुशवाहा इत्यादि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

केंद्र सरकार झारखंड का हक व अधिकार छीन रही है : रामदास

जमशेदपुर। झारखंड मुक्ति मोर्चा केंद्रीय समिति के निर्देश पर शुक्रवार को केंद्र सरकार कि गलत नीतियों के खिलाफ में झारखंडी अधिकार मार्च कार्यक्रम के तहत साकची आम बागान से उपायुक्त कार्यालय तक मार्च किया और उपायुक्त कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष सह विधायक रामदास सोरेन ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा झारखंड के हक एवं अधिकार को छिनने का कार्य किया जा रहा है।झारखंड के भोले भाले लोगों के हक, अधिकार एवं सम्मान को कुचलने का प्रयास किया जा रहा है। हेमंत सरकार को साजिश के तहत बार-बार अस्थिर करने का प्रयास केंद्र सरकार द्वारा किया जा रहा है। झारखंड की साढ़े तीन करोड़ जनता भाजपा के दोहरे चरित्र को समझ चुकी है, जिसका जवाब आनेवाले विधानसभा चुनाव में जनता देगी। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री ने विधानसभा से पारित कर स्थानीय नीति के 1932 के खतियान, आदिवासियों का सरना धर्म कोड तथा आदिवासी दलित व पिछड़ों को नौवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए कानून बनाने के लिए प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा था। लेकिन केंद्र सरकार द्वारा सौतेला व्यवहार कर इस प्रस्ताव को रोका दिया गया। जिसका विरोध पूरे राज्य में झारखंड अधिकार मार्च के द्वारा किया जा रहा है। मौके पर मोहन कर्मकार, पूर्व मंत्री दुलाल भुईयां, शेख बदरुद्दीन, प्रमोद लाल, सुनील महतो, वीर सिंह सुरीन, सागेन पुर्ती, अरुण प्रसाद, महावीर मुर्मू, बब्बन राय, चंद्रावती महतो, फैयाज खान समेत कई उपस्थित थे।

बिजली दर वृद्धि के प्रस्ताव का उपभोक्ताओं ने आक्रोशित होकर किया विरोध, हंगामा

धनबाद। बिजली दर वृद्धि के लिए शुक्रवार को न्यू टाउन हॉल में आयोजित जनसुनवाई में लोगों ने जमकर हंगामा किया। दर वृद्धि की चर्चा शुरू होते ही उपभोक्ता आक्रोशित होकर इसका विरोध करने लगे। लोगों का कहना था कि बिजली मिल नहीं रही है और दर बढ़ाने की तैयारी की जा रही है। जनता सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी।

झारखंड बिजली वितरण निगम वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए घरेलू, व्यवसायिक, औद्योगिक और कृषि बिजली दर में 25 प्रतिशत तक वृद्धि का प्रस्ताव झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग को सौंपा है। इससे अलग-अलग श्रेणी में बिजली 45 पैसे से लेकर 3.25 रुपए प्रति यूनिट तक महंगी हो जाएगी। घरेलू बिजली की दर में 2.85 रुपए प्रति यूनिट की वृद्धि का प्रस्ताव है। दर वृद्धि के इस प्रस्ताव को मंजूरी देने से पहले नियामक आयोग ने न्यू टाउन हॉल में जनसुनवाई का

आयोजन किया था। आयोग के तकनीकी सचिव अतुल कुमार और विधि सलाहकार महेंद्र प्रसाद ने जेबीवीएनल के प्रस्ताव को उपभोक्ताओं के समक्ष रखा। उपभोक्ताओं ने इसका विरोध करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। उपभोक्ताओं का कहना था कि उन्हें बिजली नहीं मिल रही है। सिर्फ दर बढ़ाने की बात की जा रही है। यह न्यायसंगत नहीं है। इसके खिलाफ जनता सड़क पर उतरेगी और आंदोलन करेगी। लोगों को आश्वस्त करते हुए आयोग के तकनीकी सदस्य अतुल कुमार ने कहा कि यह सिर्फ प्रस्ताव है। सभी पक्षों के विचारों को सुनने के बाद ही कोई निर्णय लिया जाएगा। जनसुनवाई में जेबीवीएनएल मुख्यालय के महाप्रबंधक संतोष मनी सिंह ने पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से दर वृद्धि के प्रस्ताव के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मौके पर जेबीवीएल के कार्यकारी निदेशक अरविंद कुमार, धनबाद एरिया बोर्ड के जीएम एके सिन्हा, अधीक्षण अभियंता एसके कश्यप समेत कई अधिकारी मौजूद थे।

जनसुनवाई के दौरान आयोग के विधि सलाहकार महेंद्र प्रसाद ने जेबीवीएनएल को शहरी क्षेत्र में कम से कम 23 घंटे और ग्रामीण क्षेत्र में 21 घंटा बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। यह भी कहा कि इससे कम बिजली मिलने पर उपभोक्ता हर्जाने का हकदार होता है। जेबीवीएनएल के कार्यकारी निदेशक अरविंद कुमार ने कहा कि उपभोक्ताओं को 24 घंटे बिजली देने की कोशिश की जा रही है।

जांच रिपोर्ट में भुइयांडीह के घरों का उल्लेख नहीं : कोर्ट

जमशेदपुर। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की कोलकाता बेंच में शुक्रवार को सुवर्णरेखा नदी बेड और इको सेंसेटिव जोन में अतिक्रमण मामले में सुनवाई हुई। इस दौरान भुइयांडीह के कल्याणनगर व इंद्रानगर के 150 घरों को तोड़ने की नोटिस के खिलाफ बस्तीवासियों की ओर से दायर हस्तक्षेप याचिका पर बहस शुरू हुई। सुप्रीम कोर्ट के वरीय अधिवक्ता संजय उपाध्याय ने कोर्ट को बताया- बस्तीवासियों को घर तोड़ने के लिए जमशेदपुर अंचलाधिकारी ने एनजीटी के आदेश पर नोटिस दिया है।

इससे बस्तीवासी दहशत में हैं। इस पर कोर्ट ने कहा- एनजीटी के सुवर्णरेखा नदी बेड अतिक्रमण केस से बस्तीवासियों के नोटिस का कोई संबंध नहीं है। जमशेदपुर अंचलाधिकारी की नोटिस का न तो दलमा इको सेंसिटिव जोन में बनी संरचनाओं से कोई लेना-देना है और न ही सुवर्णरेखा नदी तट से कितनी दूरी पर संरचनाओं से।

इस पर अधिवक्ता ने बताया- 150 घरों को तोड़ने का नोटिस जिला प्रशासन ने एनजीटी के आदेश पर दिया है। इसलिए बस्तीवासियों की ओर से हस्तक्षेप याचिका दायर की गई है। एनजीटी बेंच ने कहा कि जिन क्षेत्र के घरों का उल्लेख किया जा रहा है, वह एनजीटी के आदेश पर गठित संयुक्त जांच समिति की रिपोर्ट में नहीं है।

झारखंड के मुख्य सचिव ने अभी तक एनजीटी कोर्ट में शपथ पत्र दायर नहीं किया है कि भुइयांडीह में किन घरों को तोड़ा जाएगा। जब झारखंड सरकार की कोई रिपोर्ट आएगी तो साफ होगा कि किन घरों को एनजीटी के निर्देशानुसार तोड़ने की बात हो रही है। इसलिए अभी हस्तक्षेप याचिका सुनी नहीं जा सकती है। गौरतलब है कि जुलाई-2024 में जमशेदपुर अंचल अधिकारी कार्यालय ने एनजीटी के आदेश पर सुवर्णरेखा नदी के भुइयांडीह तट का अतिक्रमण कर बने मकानों को तोड़ने के लिए नोटिस दिया था।

प्रिंस के गुर्गे औरंगजेब की बोकारो में इलाज के दौरान मौत

धनबाद। तेनुघाट जेल में बंद वासेपुर मदीनानगर के रहनेवाले 30 वर्षीय मो औरंगजेब की गुरुवार को बोकारो सदर अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जेवीएम नेता रंजीत सिंह और गैंगस्टर फहीम खान के करीबी नन्हे हत्याकांड के आरोपी औरंगजेब को आर्म्स एक्ट के तहत सजा हुई थी। 4 दिसंबर 2023 को धनबाद जेल में कुख्यात अपराधी अमन सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद 5 दिसंबर को कोर्ट ने सुरक्षा के दृष्टिकोण से प्रिंस और अमन के गुर्गों को दूसरे जेलों में शिफ्ट करने का आदेश दिया था।

इसी क्रम में औरंगजेब को धनबाद मंडल कारा से तेनुघाट जेल शिफ्ट किया गया था। बीते 16 अगस्त को पेट दर्द होने पर जेल अस्पताल में डॉ. शंभू कुमार ने उसका इलाज किया। इसके बाद वह जेल अस्पताल में ही भर्ती था। डॉ शंभू ने बताया कि गुरुवार की सुबह छाती में दर्द होने के बाद वह बेहोश हो गया। इलाज के लिए पहले उसे अनुमंडल अस्पताल तेनुघाट भेजा गया, जहां से चिकित्सकों ने सदर अस्पताल बोकारो रेफर कर दिया।

जेल में बंद रहते मां से की थी मोबाइल पर बात : औरंगजेब की मौत के बाद एक ऑडियो वायरल हुआ है, जो उसके परिवार ने उपलब्ध कराया है। ऑडियो कब का है यह स्पष्ट नहीं है और न ही इसकी पुष्टि हुई है, लेकिन ऑडियो में औरंगजेब ने तेनुघाट जेल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जेल में बंद रहते उसने अपनी मां से मोबाइल पर बात की थी। इसके बाद औरंगजेब की मां शजदा खातून ने बेटे को प्रताड़ित करने की शिकायत जेल आइजी से की थी। औरंगजेब और उसकी मां की बात के अंश कुछ इस प्रकार हैं।

इस बार रामलला थीम पर आयोजित होगा अग्रसेन जयंती समारोह

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिला अग्रवाल सम्मेलन की बैठक महालक्ष्मी मंदिर सभागार में संदीप मुरारका की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें निर्णय लिया गया कि इस वर्ष अग्रसेन जयंती का आयोजन अयोध्या में विराजमान रामलला की थीम पर किया जाएगा। अग्रसेन जयंती के अवसर पर महिलाओं और बच्चों के लिए शाखा स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। 27 अक्टूबर को गोलमुरी, 28 को मानगो और 29 व 30 को जुगसलाई में अग्रसेन जयंती की प्रतियोगिताएं होंगी, जिसके संयोजक क्रमशः शंकर अग्रवाल, संजय अग्रवाल एवं दिलीप कांवटिया होंगे।

ट्रेजर हंट प्रतियोगिता का आयोजन : मारवाड़ी युवा मंच की जमशेदपुर शाखा, स्टील सिटी शाखा और टाटा नगर अचीवर्स शाखा के सयुंक्त तत्वावधान में 30 अक्टूबर को सुबह 9 बजे मरीन ड्राइव पर ट्रेजर हंट प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा जिसके मुख्य संयोजक अश्विनी अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल एवं अंशुल रिंगसिया होंगे। अग्रवाल सम्मेलन जुगसलाई शाखा के महासचिव मनोज गोयल ने बताया कि इस अवसर पर बिंदल मॉल अवस्थित टर्फ में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। वहीं युवा हेमंत अग्रवाल जेआरडी टाटा स्टेडियम में बैडमिंटन प्रतियोगिता की तैयारियों में जुटे हैं।

अंताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन : मारवाड़ी सम्मेलन साकची शाखा के अध्यक्ष सुरेश कांवटिया एवं कोषाध्यक्ष सन्नी संघी ने बताया कि 1 अक्टूबर मंगलवार को अग्रसेन भवन साकची में अंताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

रेट्रो थीम पर रैम्प वॉक पर चलेंगी युवतियां : पूर्वी सिंहभूम जिला अग्रवाल सम्मेलन के महासचिव अभिषेक अग्रवाल गोल्डी के अनुसार 2 अक्टूबर को धालभूम क्लब ग्राउंड, साकची में रेट्रो थीम पर आधारित रैम्प वॉक प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। महिला नेत्री रजनी बंसल, अंजू चेतानी और ऊषा चौधरी ने बताया कि उसी दिन महिलाओं के लिए रंगोली एवं मेहंदी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई है।

महिला पदाधिकारी अनु मित्तल, अंकिता लोधा और सीमा जवानपुरिया ने बतलाया कि 3 अक्टूबर को मुख्य समारोह में नई बहुओं का होगा स्वागत किया जाएगा। जिन युवतियों का विवाह 1 नवंबर 2023 के बाद हुआ है, उन्हें शगुन स्वरुप चांदी का सिक्का देकर सम्मानित किया जाएगा। साथ ही जो बुजुर्ग दंपत्ति 60 पार के हैं, वे यदि किसी विशेष परिधान में आते हैं, तो उन्हें साठ में ठाठ पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इस प्रतियोगिता के संयोजक बिमल मुरारका और गीता मुरारका होंगे।

अग्रसेन मेला का होगा आयोजन : बजरंग लाल अग्रवाल, सांवरमल अग्रवाल और लालचंद अग्रवाल ने बतलाया कि 2 और 3 अक्टूबर को धालभूम क्लब ग्राउंड में अग्रसेन मेला का आयोजन किया जाएगा, जहां रणथंभौर गणेश जी, सालासर बालाजी, मेहंदीपुर बालाजी, राणी सती दादी, जीण माता, भगवान श्री रामलला और अग्रसेन जी महाराज का भव्य दरबार सजाया जाएगा। कई तरह के फन, फूड, चूरन इत्यादि के स्टॉल लगाए जाएंगे। साथ ही सेल्फी काउंटर, झूला इत्यादि की व्यवस्था की जाएगी।

श्री रामलला-भगवान अग्रसेन शोभायात्रा

अग्रवाल सम्मेलन के प्रदेश प्रवक्ता कमल किशोर अग्रवाल और लिपु शर्मा के अनुसार 3 अक्टूबर को श्री रामलला-भगवान अग्रसेन शोभायात्रा निकाली जाएगी जिसमें शामिल होने वाली झांकियों एवं सर्वश्रेष्ठ वेशभूषा में शामिल होने वाले बच्चों, महिलाओं, पुरुषों और जोड़ों को पुरस्कृत किया जाएगा।

जोड़ा जाएगा समाज के हर घटक को : उपाध्यक्ष मनोज केजरीवाल एवं मोहित मूनका समाज की हर छोटी-बड़ी संस्थाओं की सूची तैयार कर रहे हैं। प्रयास हो रहा है कि समाज के हर तबके, वर्ग व क्षेत्र के लोगों को अग्रसेन जयंती से जोड़ा जाए।

संक्षिप्त समाचार

10 टुकड़ों में बंट जाएगा वंडर इलेक्ट्रिकल्स का शेयर, कंपनी ने किया ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। वंडर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने स्टॉक स्प्लिट का ऐलान किया है। कंपनी ने एक शेयर को 10 हिस्सों में बांटा जाएगा। हालांकि, इस फैसले पर निवेशक बहुत खुश नहीं दिखे। बता दें, पिछले एक साल के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। 22 अगस्त को शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा गया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 10 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये हो जाएगी। कंपनी ने इस स्टॉक स्प्लिट के लिए अभी तक रिकॉर्ड डेट का ऐलान नहीं किया है। लेकिन उम्मीद है कि आने वाले समय में कंपनी रिकॉर्ड डेट का ऐलान कर सकती है। शुक्रवार को कंपनी के शेयर गुरुवार की क्लोजिंग की तुलना में बढ़त के साथ 1617.85 रुपये के लेवल पर खुला था। वहीं, कंपनी के शेयर 1620 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गए थे। यह कंपनी का 52 वीक हाई है। हालांकि, इस स्तर पर पहुंचने के बाद कंपनी के शेयर 11.75 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1149.65 रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल पर पहुंच गया था। शुक्रवार को बाजार 1464.55 रुपये के लेवल पर बंद हुआ है। बीते एक साल के दौरान वंडर इलेक्ट्रिकल्स के शेयरों की कीमतों में 529 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 6 महीने से स्टॉक का होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 294 प्रतिशत का लाभ मिला है। बीते एक महीने में स्टॉक को भाव 17 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी एक शेयर पर 1 रुपये का डिविडेंड दे रही है। कंपनी के शेयर 18 सितंबर को एक्स-डिविडेंड स्टॉक के तौर पर ट्रेड करेगा। कंपनी योग्य निवेशकों को एक शेयर पर एक रुपये का डिविडेंड देगी।

दिग्गज निवेशक ने अडानी की कंपनी पर फिर लगाया दांव, खरीद डाले 4.39 करोड़ शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम अडानी समूह के प्रमोटर ने शुक्रवार को ओपन मार्केट ट्रांजैक्शन के जरिये अंबुजा सीमेंट्स में लगभग 2.8 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी है। यह हिस्सेदारी जीक्यूजी पार्टनर्स जैसे निवेशकों को 4,250 करोड़ रुपये में बेची गई है। प्रमोटर ने अंबुजा सीमेंट्स की हिस्सेदारी को अपने नियमित समायोजन के हिस्से के रूप में बेचा, ताकि अडानी समूह में अपनी हिस्सेदारी को मनचाहे स्तर पर बनाए रखा जा सके। इस बीच, राजीव जैन समर्थित जीक्यूजी पार्टनर्स ने दो अलग-अलग लेन-देन में बल्क डील के जरिये अंबुजा सीमेंट्स में 4.39 करोड़ से अधिक शेयर (1.78 प्रतिशत हिस्सेदारी) खरीदे। शेयरों को 625.50 रुपये प्रति शेयर की औसत कीमत पर खरीदा गया, जिससे ज्वाइंट डील का मूल्य 2,746.79 करोड़ रुपये हो गया। इस बड़ी डील के बाद फोर्ट लॉडरडेल स्थित संपत्ति प्रबंधन कंपनी जीक्यूजी पार्टनर्स की अंबुजा सीमेंट्स में हिस्सेदारी 1.35 प्रतिशत से बढ़ाकर 3.13 प्रतिशत हो गई है।

अडानी का बांग्लादेश पर 6711 करोड़ रुपया बकाया, अगर नहीं चुकाया तो पड़ोसी देश पर आ सकता है संकट

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के दूसरे सबसे अमीर और अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी का बांग्लादेश पर अरबों रुपया बकाया है। यह रुपया अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी पावर का है। अगर बांग्लादेश ने यह रकम नहीं चुकाई तो इस पड़ोसी देश पर नया संकट आ सकता है। बता दें कि हाल ही में बांग्लादेश में हिंसक प्रदर्शन हुए थे। इस प्रदर्शन के कारण सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। वहीं पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को इस्तीफा देने के बाद देश छोड़ना पड़ा था। ऐसे में अडानी पावर का पैसा चुकाने की जिम्मेदारी बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पर है।

अडानी पावर बांग्लादेश को बिजली की सप्लाई करती है। बांग्लादेश पर अडानी पावर का 80 करोड़ डॉलर (करीब 6711 करोड़ रुपये) बकाया है। बांग्लादेश में तख्तापलट होने के बाद अडानी की यह रकम फंस गई है। जानकारों के मुताबिक अगर बांग्लादेश इस रकम का पेमेंट नहीं करता है तो कंपनी बांग्लादेश को बिजली की सप्लाई रोक सकती है। ऐसे में बांग्लादेश के सामने अंधेरे में डूबने का संकट पैदा हो जाएगा। अडानी पावर झारखंड में लगे अपने पावर प्लांट से बांग्लादेश को बिजली की सप्लाई करता है।

बांग्लादेश की सरकार को पूरी जानकारी

इस बकाया रकम के बारे में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को पूरी जानकारी है। बांग्लादेश बैंक के नए गवर्नर अहसान एच मंसूर ने ब्लूमबर्ग को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि अगर हम अडानी पावर को यह रकम नहीं चुकाते हैं तो कंपनी हमें बिजली देना बंद कर देगी। उन्होंने कहा कि अंतरिम सरकार इस मसले के समाधान निकालने की कोशिश कर रही है। फिलहाल अडानी पावर की बिजली काटने की कोई योजना नहीं है। हालांकि अगर कर्जदार और कोयला सप्लाई करने वालों ने अगर कंपनी पर दबाव बनाया तो उसे कड़े कदम उठाने पड़ सकते हैं।

कंपनी पर पड़ेगा असर

बांग्लादेश अगर यह भुगतान देरी से करता है तो इससे कंपनी के संचालन पर भी असर पड़ेगा। दरअसल, अडानी ग्रुप पिछले कुछ समय से देश के बाहर तेजी से अपने कदम फैला रहा है। इनमें पड़ोसी देशों श्रीलंका, बांग्लादेश, भूटान और नेपाल पर खास नजर है। अगर बांग्लादेश बिजली का भुगतान रोकता है या देरी से करता है तो अडानी ग्रुप की इन देशों में चल रहीं योजनाओं को झटका लग सकता है। अडानी पावर के अलावा देश की दूसरी कंपनियां भी बांग्लादेश को बिजली की सप्लाई करती हैं। इन कंपनियों में एनटीपीसी लिमिटेड और पीटीसी इंडिया लिमिटेड समेत भारत की कुछ अन्य सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियां भी शामिल हैं। इस बात की कोई जानकारी नहीं मिली है कि क्या इन कंपनियों का बांग्लादेश पर कुछ बकाया है या नहीं।

28 अगस्त को खुलने जा रहा है ईसीओएस मोबिलिटी एंड हॉस्पिटैलिटी का आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीओ पर दांव लगाने वाले निवेशकों के लिए गुड न्यूज है। ईसीओएस (इंडिया) मोबिलिटी एंड हॉस्पिटैलिटी आईपीओ ओपन होने जा रहा है। कंपनी का आईपीओ निवेशकों के लिए 28 अगस्त को खुल जाएगा। कंपनी ने इस आईपीओ के लिए प्राइस बैंड का ऐलान कर दिया है। आइए डीटेल्स में जानते हैं इस कंपनी के आईपीओ के विषय में - कंपनी ने दी जानकारी में बताया है कि उनका आईपीओ 28 अगस्त से 30 अगस्त तक खुला रहेगा। 2 रुपये के फेस वैल्यू वाले शेयरों के लिए 318 रुपये से 334 रुपये प्राइस बैंड तय किया गया है। कंपनी का आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए 27 अगस्त को खुलेगा। इस आईपीओ का लॉट साइज 44 शेयर का है। जिस वजह से निवेशकों को कम से कम 14,696 रुपये का दांव लगाना ही होगा। कंपनी ने बताया है कि क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत शेयर जारी किया जा सकता है। वहीं, रिटेल निवेशकों के लिए कंपनी कम से कम 35 प्रतिशत शेयर जारी करेगी। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इंवेस्टर्स के लिए कम से कम 15 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित रहेगा।

रूस से कच्चा तेल खरीदने के मामले में चीन से भी आगे निकला भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत रूस से कच्चा तेल आयात करने के मामले में जुलाई महीने में चीन से भी आगे निकल गया। आरटी डॉट कॉम ने अपनी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। नई दिल्ली मास्को की ओर से दी गई छूट के कारण कच्चे तेल की खरीद बढ़ा रही है क्योंकि रूस पर यूक्रेन से संबंधित प्रतिबंधों के कारण पश्चिमी देशों को खुले तौर पर ऊर्जा निर्यात नहीं कर पा रहा है।

व्यापार और उद्योग स्रोतों से जुटाए गए भारतीय शिपमेंट के आंकड़ों के मुताबिक, जुलाई महीने में भारत के कुल आयात में रूसी कच्चे तेल का 44त्न हिस्सा रहा। भारत प्रति दिन 2.07 मिलियन बैरल प्रति दिन (बीपीडी) कच्चे तेल का आयात कर रहा है, जो जून की तुलना में 4.2त्न अधिक है और एक साल पहले की तुलना में 12त्न अधिक है।

जुलाई में पाइपलाइनों और शिपमेंट के माध्यम से रूस ने चीन को कुल 1.76 मिलियन बीपीडी कच्चे तेल का निर्यात किया। चीनी सीमा शुल्क के आंकड़े इसकी पुष्टि करते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि चीनी रिफाइनरों द्वारा खरीद में यह गिरावट ईंधन के उत्पादन से कम लाभ मार्जिन के कारण दर्ज की गई है। पश्चिमी देशों की ओर से मॉस्को पर प्रतिबंध लगाने और यूक्रेन में संघर्ष के जवाब में अपने ऊर्जा आयात में कटौती करने के बाद भारतीय रिफाइनर फरवरी 2022 से रियायती रूसी तेल की खरीद बढ़ा रहे हैं।

एक भारतीय रिफाइनिंग सूत्र ने रॉयटर्स को बताया, रूसी तेल के लिए भारत की जरूरत तब तक बढ़ने वाली है जब तक कि प्रतिबंधों को और कड़ा नहीं किया जाता है। भारत की बढ़ती खरीद रूसी ईएसपीओ (पूर्वी साइबेरिया-प्रशांत महासागर तेल पाइपलाइन) के प्रवाह को बदल रही है। पारंपरिक चीनी खरीदारों के साथ रूस अब दक्षिण एशिया के कच्चे तेल के बाजार पर भी फोकस कर रहा है। शिपिंग डेटा के मुताबिक, भारत में ईएसपीओ आयात जुलाई में 188,000 बीपीडी तक पहुंच गया क्योंकि बड़े सुएजमैक्स जहाजों का उपयोग किया गया था। इराक पिछले महीने भारत का दूसरा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बना रहा, इसके बाद सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात का स्थान रहा। आंकड़ों से पता चला है कि मध्य पूर्व से भारत की कच्चे तेल की खरीद जुलाई में 4त्न बढ़ी, जिससे जून में भारत की कुल तेल खरीदारी में इस क्षेत्र की हिस्सेदारी 38त्न से बढ़कर 40त्न हो गई।

फिर बढ़ा भारत का विदेशी मुद्रा भंडार

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी मुद्रा भंडार के मोर्चे पर भारत को एक बार फिर से खुशखबरी मिली है। बीते 16 अगस्त को समाप्त सप्ताह के दौरान इसमें 4.54 बिलियन की बढ़ोतरी हुई है। इसी के साथ अपना भंडार अब बढ़ कर 674.66 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। इससे पहले, बीते 9 अगस्त को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 4.80 बिलियन की कमी हुई थी। उधर अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार चार सप्ताह से बढ़ ही रहा है।

कितना हो गया अपना भंडार

भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से से जारी आंकड़ों के मुताबिक 16 अगस्त 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने विदेशी मुद्रा भंडार में 4.546 बिलियन बढ़ कर 670.11 बिलियन पर पहुंच गया। इससे पहले 9 अगस्त 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपना भंडार 4.809 बिलियन घट कर 670.119 बिलियन रह गया था। इससे पहले, दो अगस्त 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपना भंडार बढ़ कर रिकार्ड 753 बिलियन तक पहुंच गया था जो कि सर्वकालिक उच्चतम स्तर है।

फॉरेन करेंसी एसेट्स में हुई बढ़ोतरी

रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियां में बढ़ोतरी हुई है। बीते 16 अगस्त को समाप्त सप्ताह के दौरान में 3.609 बिलियन की बढ़ोतरी हुई है। अब अपना एफसीए भंडार बढ़ कर यूएसडी 591.569 बिलियन हो गया है। उल्लेखनीय है कि कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

गोल्ड रिजर्व भी बढ़ा

बीते सप्ताह देश का गोल्ड रिजर्व भी बढ़ गया है। 16 अगस्त को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के स्वर्ण भंडार में 865 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। अब अपना सोने का भंडार यूएसडी 60.104 बिलियन का हो गया है।

एसडीआर भी बढ़ गया

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार में भी बढ़ोतरी हुई है। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान एसडीआर 60 मिलियन डॉलर बढ़ कर 18.341 बिलियन डॉलर हो गया है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास रखे हुए देश के मुद्रा भंडार में मामूली 12 मिलियन डॉलर के बराबर की बढ़ोतरी हुई है। अब यह बढ़ कर यूएसडी 4.650 बिलियन का हो गया है।

पाकिस्तान में लगातर चौथे सप्ताह भंडार में बढ़ोतरी

अपने पड़ोसी देश, पाकिस्तान में इस समय विदेशी मुद्रा की जबरदस्त किल्लत चल रही है। स्थिति यह है कि वहां सिर्फ जरूरी सामानों का ही आयात हो रहा है। हालांकि पिछले कुछ सप्ताह से वहां के विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा ही हो रहा है। बीते 16 अगस्त को समाप्त सप्ताह के दौरान वहां के विदेशी मुद्रा भंडार में 22.2 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। अब वहां का विदेशी मुद्रा भंडार 14.667 अरब डॉलर का हो गया है। बीते 9 अगस्त को समाप्त सप्ताह के दौरान वहां के विदेशी मुद्रा भंडार में 173.3 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई। इससे एक सप्ताह पहले यानी दो अगस्त 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान भी इसमें 80.2 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी।26 जुलाई 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान भी वहां के मुद्रा भंडार में 56.3 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी।

2025 तक गांवों में होंगे 50 करोड़ इंटरनेट यूजर्स; शहरों में 39 करोड़ ग्राहक का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट की पहुंच बढ़ने से देश में डिजिटल साक्षरता तेजी से बढ़ रही है। 2025 तक गांवों में इंटरनेट यूजर्स की संख्या बढ़कर 50.4 करोड़ पहुंचने की उम्मीद है।शहरों में यह 39 करोड़ तक पहुंच सकती है।देश में स्मार्टफोन ग्राहकों की संख्या 2025 तक 100 करोड़ से अधिक होने की उम्मीद है। इससे डिजिटल उद्योग में तेज बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएएमएआई) की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 तक भारत में सभी नए इंटरनेट यूजर्स में से

करीब 56 फीसदी ग्रामीण क्षेत्रों का योगदान होगा। यह डिजिटल परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतिनिधित्व होगा, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्र नए इंटरनेट यूजर्स का प्रमुख स्रोत बन गए हैं। 2025 तक नए इंटरनेट यूजर्स में 65 फीसदी महिलाओं के होने की उम्मीद है।यह डिजिटल जुड़ाव में लैंगिक समानता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम को दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, गांवों में नएइंटरनेट यूजर्स में 2025 तक 26 फीसदी की वृद्धि का अनुमान है।शहरों इलाकों में 10 फीसदी की मामूली वृद्धि हो सकती है।

80 करोड़ से ज्यादा हैं इंटरनेट यूजर्स

देश में 80 करोड़ इंटरनेट यूजर्स हैं। शहरों के मुकाबले गांवों में इनकी संख्या ज्यादा है। यह विकास देश के डिजिटल तंत्र में ग्रामीण क्षेत्रों के बढ़ते महत्व को रेखांकित करता है। 65 फीसदी इंटरनेट यूजर्स अब एप, वेबसाइट, सोशल मीडिया पोस्ट, मैसेज फॉरवर्ड और यूट्यूब सहित विभिन्न डिजिटल मंचों के जरिये समाचार प्राप्त कर रहे हैं।

पाकिस्तान में दूर होगी विदेशी मुद्रा की किल्लत!

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्थिक रूप से आईसीयू में पड़ी पाकिस्तान की इकॉनोमी को संजीवनी मिलने वाली है। जी हां, इस समय पाकिस्तान पश्चिम एशिया के कुछ बैंकों से करीब 4 अरब डॉलर का कर्ज लेने के लिए बातचीत कर रहा है। इस लोन का उद्देश्य करेंस फाइनेंसियल ईयर के दौरान देश के बाहरी वित्तीय दायित्वों को पूरा करने में मदद करना है। एक तरह से देखा जाए तो यह 7 बिलियन डॉलर की विस्तारित फंड सुविधा का ही हिस्सा है जो अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष की मंजूरी का इंतजार कर रहा है।

हो रही है बैठकें

पाकिस्तानी अखबार डॉन की एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब और उनकी टीम ने बीते गुरुवार को दुबई इस्लामिक बैंक के ग्रुप सीईओ डॉ. अदनान चिलवान के साथ एक वर्चुअल बैठक की। इससे एक दिन पहले मतलब कि बुधवार को मशरेक बैंक के अध्यक्ष और ग्रुप सीईओ अहमद अब्देलाल के साथ भी ऐसी ही बैठक हुई। दोनों बैठकें पाकिस्तान के आर्थिक दृष्टिकोण पर चर्चा करने और

संभावित निवेश अवसरों का पता लगाने के लिए आयोजित की गईं।

इस साल 20 अरब डॉलर के लोन की योजना

पाकिस्तान ने चालू वित्तीय वर्ष के बजट में विदेशी स्रोतों से लगभग 20 अरब डॉलर का कर्ज लेने की योजना बनाई है। इसके साथ ही इकॉनोमी के बैलेंस ऑफ पेमेंट बनाए रखने के लिए संयुक्त अरब अमीरात से 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर का अतिरिक्त रोलओवर करने की योजना बनाई है। यदि इन सब स्रोतो से लोन मिल जाता है तो साल के अंत तक पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार करीब 19-20 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। इस 20 बिलियन डॉलर में से, लगभग 4 बिलियन डॉलर फॉरेन कामर्शियल लोन्स से आएंगे, और अन्य 1 बिलियन डॉलर इंटरनेशन बांड के जरिए जुटाए जाएंगे।

कवायद शुरू

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान अपने एक्टरनल फाइनेंसिंग गैप को कवर करने के लिए पश्चिम एशियाई बैंकों से कामर्शियल लोन मांगना शुरू कर दिया है। यह कदम आईएमएफ द्वारा इस सप्ताह 7 बिलियन अमेरिकी डॉलर के ईएफएफ को मंजूरी देने में इनडिफिनिटली डिले की घोषणा के बाद उठा है। दरअसल, सऊदी अरब, चीन और यूएई से 12 बिलियन अमेरिकी डॉलर की नकद जमा राशि पाने के लिए पाकिस्तान दो अरब डॉलर की एडिशनल फइनेंसिंग या रोलओवर सिक्योर नहीं कर सका था। यदि पश्चिम एशियाई बैंकों से यह लोन मिल जाता है तो पाकिस्तान को अगले महीने आईएमएफ से नए ईएफएफ की मंजूरी मिल सकती है।

कम क्रेडिट रेटिंग बन रही है बाधा

पाकिस्तान ने विदेशी वाणिज्यिक बैंकों के साथ जुड़ने के अपने प्रयास भले ही बढ़ा दिए हैं, लेकिन ऊंची फाइनेंसिंग कॉस्ट और कम क्रेडिट रेटिंग उसके राह की बड़ी चुनौतियां हैं। इस समय पाकिस्तान की क्रेडिट रेटिंग सीसीसी+ है जो कि इंवेस्टमेंट ग्रेड से नीचे की रेटिंग है। इसी वजह उसे लोन देने के लिए फाइनेंसियल बैंक ज्यादा ब्याज की मांग कर रहे हैं।

मुकेश अंबानी दुनिया के अमीरों की सूची में फिसले, एनवीडिया के सीईओ ने पछाड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया के सबसे बड़े उद्योगपति मुकेश अंबानी जो लंबे समय से दुनिया के अमीरों की सूची में 11वें स्थान पर बने हुए थे, अब एक पायदान फिसल कर 12वें स्थान पर आ गए हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को अमेरिकी एआइ चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया के फाउंडर और सीईओ जेंसन हुआंग ने पछाड़ा है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के अनुसार, अंबानी और हुआंग की नेटवर्थ एक बराबर 113 अरब डॉलर है लेकिन दशमलव के बाद की गणना में हुआंग अंबानी से आगे हैं। शुक्रवार को हुआंग की नेटवर्थ में 4.73 अरब डॉलर की वृद्धि हुई, जबकि अंबानी की नेटवर्थ में 12.1 करोड़ डॉलर का इजाफा हुआ।

एनवीडिया के शेयरों में इस साल काफी तेजी आई है। इस कारण हुआंग इस साल सबसे ज्यादा कमाई करने वाले रईस हैं। उनकी नेटवर्थ इस साल 69.3 अरब बढ़ी है। कमाई के मामले में उनके बाद फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के मार्क जकरबर्ग हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 59.5 अरब का इजाफा हुआ है। वह 188 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं। शुक्रवार को उनकी नेटवर्थ में 1.38 अरब डॉलर की गिरावट आई। अंबानी की नेटवर्थ में इस साल 16.3 अरब डॉलर की तेजी आई है। टेस्ला, स्पेसएक्स, एक्स और कई दूसरी कंपनियों को चला रहे एलन मस्क 244 अरब डॉलर के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में पहले नंबर पर हैं। शुक्रवार को उनकी नेटवर्थ में 6.91 अरब डॉलर की तेजी आई। फ्रांसीसी कारोबारी बर्नार्ड अरनॉल्ट (201 अरब डॉलर) दूसरे, जेफ बेजोस (200 अरब डॉलर) तीसरे और बिल गेट्स (159 अरब डॉलर) पांचवें नंबर पर हैं। लैरी एलिसन (154 अरब डॉलर) छठे, लैरी पेज (149 अरब डॉलर) सातवें, स्टीव बालमर (145 अरब डॉलर) आठवें, वॉरेन बफे (143 अरब डॉलर) नौवें और सर्गेई ब्रिन (141 अरब डॉलर) दसवें नंबर पर हैं।

शिखर धवन ने क्रिकेट को कहा अलविदा

भावुक संदेश में बोले- दिल में भारत के लिए खेलने का सुकून

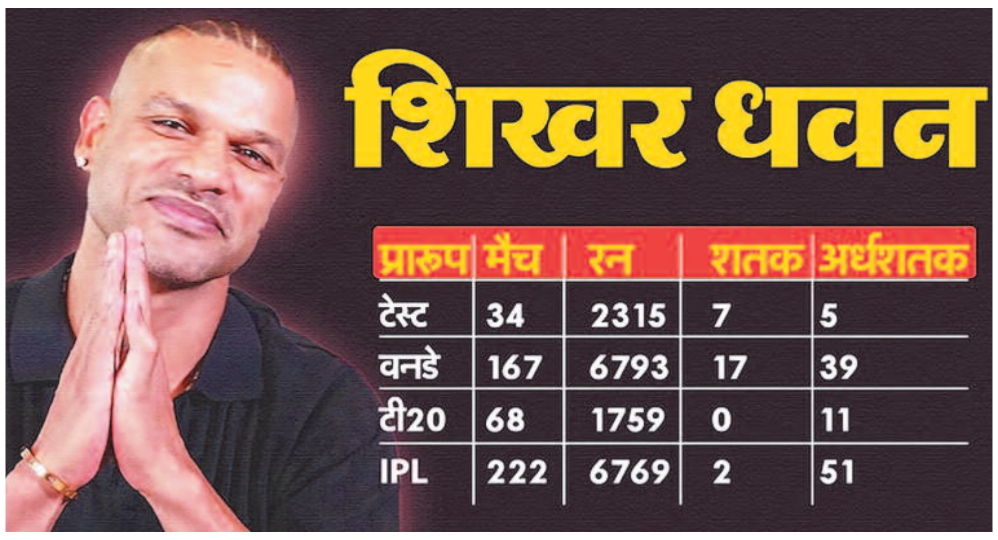

प्रारुप	मैच	रन	शतक	अर्धशतक
टेस्ट	34	2315	7	5
वनडे	167	6793	17	39
टी20	68	1759	0	11
IPL	222	6769	2	51

नई दिल्ली, एजेंसी। धवन ने 10 दिसंबर 2022 को अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला बांग्लादेश के खिलाफ खेला था। वनडे प्रारूप का यह मुकाबला चटगांव में खेला गया था। इस मैच धवन महज तीन रन बना पाए थे। इसी तरह धवन ने अपना आखिरी टी20 मैच कोलंबो में 29 जुलाई 2021 को श्रीलंका में खेला था। इस मैच में वे खाता भी नहीं खोल पाए थे। धवन ने अपना आखिरी टेस्ट सितंबर 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में खेला था। इस मैच की दोनों पारियों में तीन और एक रन बनाए थे।

शिखर धवन ने अंतराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा। 37 साल के इस खिलाड़ी ने 2010 में भारत के लिए डेब्यू किया था। अपने 13 साल के करियर में वह 34 टेस्ट, 167 वनडे और 68 टी20 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

संन्यास का एलान करते हुए धवन ने कहा, संन्यास का एलान करते हुए धवन ने कहा कि नमस्कार दोस्तों! आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा हूं, जहां से मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो ढेरों यादें नजर आती हैं और जब आगे देखता हूं तो पूरी दुनिया। मेरी हमेशा से एक ही मंजिल थी इंडिया के खेलना और ऐसा हुआ भी। इसके लिए मैं कई लोगों का शुक्रिया अदा करना चाहूंगा, मेरा परिवार, मेरे बचपन के कोच तारिक सिन्हा, मदन शर्मा, जिनके अंडर मैंने क्रिकेट सीखी। फिर मेरी टीम जिनके साथ मैं वर्षों तक खेला। एक नया परिवार मिला। नाम मिला। साथ मिला। ढेर सारा प्यार मिला। कहते हैं न कि कहानी में आगे बढ़ने के लिए पन्ने पलटने जरूरी है। बस, मैं भी ऐसा करने जा रहा हूं। मैं अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास का एलान कर रहा हूं। अब जब मैं इस क्रिकेट यात्रा को अलविदा कह रहा हूं कि तो मेरे दिल में एक सुकून है कि मैं लंबे समय तक देश के लिए खेला। मैं बीसीसीआई और डीडीसीए को भी शुक्रिया कहना चाहूंगा कि उन्होंने मुझ पर भरोसा जताया। मैं अपने फैंस का भी शुक्रिया अदा करता हूं, जिन्होंने मुझे बहुत प्यार दिया। मैं बस खुद से यही कहता हूं कि तुम इस बात से दुखी मत हो कि अब तुम देश के लिए नहीं खेलोगे, बल्कि इससे खुश हो कि तुम देश के लिए बहुत खेले।

शिखर धवन का टेस्ट करियर

धवन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मोहाली में पहला टेस्ट खेला था। 2013 से वह अब तक 34 टेस्ट में हिस्सा ले चुके हैं। धवन को पिछली बार 2018 में टेस्ट मैच में खेलने का मौका मिला था। उन्होंने क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में 40.61 की औसत से 2315 रन बनाए। इस दौरान सात शतक और पांच अर्धशतक लगाए। धवन का सर्वाधिक स्कोर 190 रन है।

वनडे और टी20 में भी सफल हुए धवन

शिखर ने भारत के लिए पहला वनडे 2010 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विशाखापट्टनम में खेला था। वह 167 मैचों में 6793 रन बना चुके हैं। धवन ने 44.11 की औसत और 91.35 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। उनके नाम 17 शतक और 39 अर्धशतक हैं। टी20 करियर की बात करें तो 68 मैचों में धवन ने 1759 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 11 अर्धशतक निकले हैं।

आईपीएल में भी चला है धवन का बल्ला

धवन ने आईपीएल में भी जमकर रन बनाए हैं। वह इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे सफल बल्लेबाजों में एक हैं। वह सर्वाधिक रन बनाने के मामले में विराट कोहली के बाद दूसरे स्थान पर हैं। धवन ने 222आईपीएल मैचों में 6769 रन बनाए हैं। इस दौरान दो शतक और 51 अर्धशतक लगाए हैं। धवन का औसत 35.26 और स्ट्राइक रेट 127.14 का रहा है।

2022 में खेला था आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच

धवन ने 10 दिसंबर 2022 को अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला बांग्लादेश के खिलाफ खेला था। वनडे प्रारूप का यह मुकाबला चटगांव में खेला गया था। इस मैच धवन महज तीन रन बना पाए थे। इसी तरह धवन ने अपना आखिरी टी20 मैच कोलंबो में 29 जुलाई 2021 को श्रीलंका में खेला था। इस मैच में वे खाता भी नहीं खोल पाए थे। धवन ने अपना आखिरी टेस्ट सितंबर 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में खेला था। इस मैच की दोनों पारियों में तीन और एक रन बनाए थे।

गंभीर, सहवाग, BCCI का शिखर धवन के संन्यास पर रिएक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने शनिवार सुबह अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की, जिसके बाद पूर्व खिलाड़ियों और बीसीसीआई ने उनके शानदार क्रिकेट करियर के लिए बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं । सोशल मीडिया पर बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अपने शानदार क्रिकेट करियर को विराम देने का ऐलान किया, जिसमें उन्होंने 269 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 24 शतक (वनडे में 17 और टेस्ट में 7) बनाए । उनका आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच इस साल अप्रैल में इंडियन प्रीमियर लीग में पंजाब किंग्स के लिए था । भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर उन्हें बधाई देते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं । उन्होंने लिखा, आपके लिए शुभकामनाएं शिखी पा । शानदार करियर के लिए बधाई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बाएं हाथ के इस खिलाड़ी को वर्षों से उनके शानदार योगदान के लिए बधाई दी । बीसीसीआई ने एक्स पर लिखा, शिखर धवन ने अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है । हम उनके इस फैसले का सम्मान करते हैं और उन्हें आगे के सफर के लिए शुभकामनाएं देते हैं ।

मार्क वुड की रफ्तार का शिकार हुए दिनेश चांदीमल, बाउंसर पर हुए घायल

ओल्ड ट्रैफर्ड , एजेंसी। श्रीलंका क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन लीड हासिल कर ली है। हालांकि मैच के तीसरे ही दिन टीम को बड़ा झटका लगा। उनके विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश चांदीमल इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड की रफ्तार का शिकार हुए और उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा।श्रीलंका की पारी का 18वां ओवर चल रहा था। क्रिस वुड यह ओवर डालने आए। ओवर की दूसरी गेंद पर स्ट्राइक पर चांडदीमल थे। वुड की 145 किमी प्रति घंटे से ज्यादा रफ्तार से गेंद चांदमल के अंगूठे पर लगी। गेंद लगते ही वह दर्द से कराहने लगे। उनके चेहरे पर उनकी परेशानी साफ दिख रही थी।मैदान पर फीजियो आए और उन्होंने चांदीमल की चोट पर स्पे किया और बैंडज लगाया। चांदीमल ने बल्लेबाजी करने की कोशिश की लेकिन वह नाकाम रहे। उनके अंगूठे और अंगुली में सूजन बढ़ गई थी। चांदीमल को वापस जाना पड़ा। उनके जाने के बाद धनंजया डि सिल्वा बल्लेबाजी करने आए। धनंजया डि सिल्वा को अस्पताल ले जाया गया। उनके एक्स रे पता चला कि उन्हें फैक्चर हुआ है। 56वें ओवर में मिलन के कैच आउट होने के बाद चांदीमल फिर से क्रीज पर उतरे। उन्होंने अपने कुल स्कोर में 10 रन और जोड़े।ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले जा रहे इस मैच के तीसरे दिन इंग्लैंड की पहली पारी 358 रनों पर सिमट गई। इंग्लैंड की ओर से उनके युवा विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ ने शतक जमाया। यह उनके करियर का पहला शतक था। जेमी स्मिथ 148 गेंदों में 111 रन बनाकर आउट हो गए। श्रीलंका की तरफ से पहली पारी में असिथा फर्नांडो ने सबसे ज्यादा 4 विकेट हासिल किए। इसके अलावा प्रभात जयसूर्या ने तीन लिए। विश्वा फर्नांडो ने दो और मिलन प्रियनाथ रथनायके को 1 विकेट मिला।

पैरालंपिक गेम्स में उतरेंगे भारत के चार गोल्डमेडलिस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। पेरिस में 28 अगस्त से पैरालंपिक गेम्स की शुरुआत होने वाली है। भारत इस बार 84 खिलाड़ियों का दल पेरिस भेज रहा है जो कि अबतक का सबसे बड़ा दल है। भारतीय खिलाड़ी 25 मेडल्स का लक्ष्य लेकर पेरिस गए हैं। इन 84 खिलाड़ियों में चार ऐसे खिलाड़ी हैं जो कि अपने गोल्ड मेडल का बचाव करने उतरेंगे। इन चार खिलाड़ियों में दो निशानेबाज, एक एथलीट और एक बैडमिंटन खिलाड़ी शामिल हैं। पेरिस समर ओलंपिक में नीरज चोपड़ा अपने गोल्ड का बचाव नहीं कर सके थे लेकिन इन चारों पर अब नीरज का अधूरा काम पूरा करने का मौका है। सुमित अंतिल पेरिस पैरालंपिक खेलों में भारत के ध्वजवाहक होंगे। सुमित जैविनथ्रो के एफ 64 कैटेगरी में हिस्सा लेते हैं। इस कैटेगरी में पैर के निचले हिस्से में विकार वाले खिलाड़ियों से संबंधित है जो कृत्रिम (आर्टिफिशियल) पैर का इस्तेमाल करके खड़े होने की स्थिति वाले इवेंट मेंर भाग लेते है। सुमित अंतिल इस साल के मई में पैरा विश्व चैम्पियनशिप में 70.83 मीटर दूर थ्रो फेंक कर गोल्ड मेडल अपने नाम किया था. सुमित अपने करियर में तीन बार विश्व रिकॉर्ड बना चुके है।

7 छक्के, 2 चौके और तूफानी अर्धशतक

नईदिल्ली, एजेंसी। निकोलस पूरन के तूफान में उड़ा साउथ अफ्रीका, स्टब्स की पारी गई बेकार वेस्टइंडीज ने साउथ अफ्रीका को मात देकर टी20 सीरीज में जीत से शुरुआत की। त्रिनिदाद में खेले गए पहले टी20 मैच में वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने आग बरसाई जिसमें साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज झुलस गए। ट्रिस्टन स्टब्स की तूफानी पारी भी साउथ अफ्रीका को इस हार से नहीं बचा पाई। साउथ अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 174 रन बनाए। वेस्टइंडीज ने यह लक्ष्य महज 17.5 ओवर में ही हासिल कर लिया।

176 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी रही। एलिक एथनाजे और शे होप ने पहले विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी की। एलिक ने 30 गेंदों में 40 रन बनाए वहीं होप ने 36 गेंदों में 51 रन बनाए। होप ने अपनी पारी में तीन छक्के और दो चौके लगाए।

इसके बाद निकोलस पूरन बल्लेबाजी करने आए और साउथ अफ्रीकी बल्लेबाजों को जमकर कूटा। उन्होंने होप के साथ मजबूत साझेदारी की। निकोलस पूरन ने 26 गेंदे खेली और 65 रन बना दिए। 250 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने दो चौके और सात छक्के लगाए। इसी कारण टीम ने 13 गेंद पहले ही लक्ष्य हासिल कर लिया।इससे पहले साउथ अफ्रीका ने सात विकेट खोकर 174 रन बनाए। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं थी। रेजा हेंडरिक्स और रिकलटन पहले विकेट के लिए केवल पांच रन की साझेदारी की। दोनों बल्लेबाज 4-4 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। वहीं कप्तान ऐडन मार्करम केवल 14 ही रन बना पाए।

40 लाख में बिकी जर्सी, 28 लाख का ग्लव्स, केएल राहुल के ऑक्शन में विराट कोहली का धमाका, रोहित-धोनी रह गए पीछे

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल और उनकी पत्नी अथिया शेट्टी ने जरूरतमंद बच्चों के लिए हाल ही में एक ऑक्शन करवाया था. राहुल को कई क्रिकेटर्स से उनके खेल की चीजें साइन करके मिली थीं, जिसे नीलामी के लिए रखा गया था. विप्ला फाउंडेशन के लिए 'क्रिकेट फॉर चैरिटी' नाम से हुए इस ऑक्शन में विराट कोहली की चीजों को लेकर खुमार देखने को मिला. उनकी जर्सी और ग्लव्स पाने के लिए नीलामी में होड़ मच गई. विराट की एक जर्सी के सामने रोहित शर्मा और एमएम धोनी के बल्ले फीके पड़ गए. इस दौरान विराट कोहली की जर्सी ने नीलामी में धमाका कर दिया. कोहली ने राहुल को साइन की हुई वर्ल्ड कप की जर्सी दी थी, जो 40 लाख रुपए में बिकी. वहीं उनके ग्लव्स के लिए 28 लाख रुपए मिले. राहुल ने इस नीलामी से कुल 1.93 करोड़ रुपए जुटाए.

भारत में क्रिकेट का जबरदस्त क्रेज रहता है. फैंस विराट-रोहित जैसे धुरंधरों से मिलने के लिए बेताब रहते हैं. उनकी चीजें तो मिल जाएं तो फैंस के लिए किसी सपने से कम नहीं होता. इसलिए केएल राहुल के ऑक्शन में इन धुरंधर क्रिकेटर्स की चीजों पर जमकर बोली लगी. हालांकि, विराट ने हर बार की तरह इस बार भी बाजी मार गए. रोहित और धोनी के दो बल्ले मिलकर भी विराट की जर्सी का मुकाबला नहीं कर सके. रोहित का बैट जहां 24 लाख में बिका, वहीं धोनी का बैट 13 लाख में बिका. इन दोनों को मिलाकर कुल 37 लाख होते हैं, जो विराट की जर्सी की मिली प्राइस से 3 लाख कम है.

विराट कोहली की जर्सी और ग्लव्स, रोहित और धोनी के बैट के बाद राहुल द्रविड़ के बल्ले को मिला, जिसकी कीमत 11 लाख लगाई गई. वहीं केएल राहुल की टीम इंडिया की टेस्ट जर्सी 11 लाख. उनके वर्ल्ड कप बैट को 7 लाख की कीमत लगाई गई. इसके अलावा जसप्रीत बुमराह की वर्ल्ड कप जर्सी 8 लाख और ऋषभ पंत के आईपीएल बैट को 7 लाख मिले.

केएल राहुल के ऑक्शन में वेस्टइंडीज के क्रिकेटर निकोलस पूरन की आईपीएल जर्सी को सबसे कम दाम मिला. इसके लिए महज 45 हजार की बोली लगी. इसके अलावा युजवेंद्र चहल और संजू सैमसन की आईपीएल जर्सी को 50-50 हजार, वहीं जॉस बटलर की आईपीएल जर्सी को 55 हजार में खरीदा गया.

बुमराह को किया चैलेंज, वर्ल्ड कप में मचाया तहलका, अब खिलाड़ी ने डेब्यू में रचा इतिहास

नईदिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के बीच 3 मैचों की टी20 सीरीज खेली जा रही है. इसके पहले मुकाबले में साउथ अफ्रीका की ओर से आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस के लिए खेल चुके एक खिलाड़ी ने डेब्यू किया. हम बात कर रहे हैं युवा गेंदबाज क्वेना मफाका की, जिन्होंने अंडर-19 वर्ल्ड कप में अपनी गेंदबाजी से तलहका मचा दिया था. मफाका ने अपनी पेस और बाउंस से अंडर-19 वर्ल्ड कप में बल्लेबाजों को खूब परेशान किया था. इसके बाद उन्होंने खुद को जसप्रीत बुमराह से भी बेहतर गेंदबाज बताया था. अब उन्होंने डेब्यू मैच में ही इतिहास रच दिया है. मफाका ने अपने पहले मुकाबले में शानदार गेंदबाजी की और 4 ओवर में महज 25 रन दिए. उन्होंने एक विकेट भी हासिल किया.

वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 में डेब्यू करने वाले मफाका की उम्र महज 18 साल 138 दिन है. इसके साथ ही वो साउथ अफ्रीका के लिए डेब्यू करने वाले सबसे युवा

क्रिकेटर बन गए हैं. इसके पहले ये रिकॉर्ड विक्टर म्पित्सांग के पास था, जिन्होंने 1999 में 18 साल 314 दिन की उम्र में साउथ अफ्रीका के लिए इंटरनेशनल डेब्यू किया था. वहीं दुनिया में सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू करने का रिकॉर्ड पाकिस्तान के हसन रजा के पास है. उन्होंने 1996 में महज 14 साल 233 दिन की उम्र में अपना पहला इंटरनेशनल मैच खेला था.

क्वेना मफाका ने अंडर-19 वर्ल्ड कप में कहर बरपा दिया था. उन्होंने 6 मैच में ही 21 विकेट चटकाकर सनसनी फैला थी. वहीं 140 की रफ्तार और डेथ ओवर में उनकी गेंदबाजी ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा था. इसके बाद मुंबई इंडियंस तुरंत टीम में उन्हें शामिल किया. टीम में एंट्री करते ही मफाका के नाम एक बड़ा रिकॉर्ड दर्ज हुआ था और वो आईपीएल में सबसे कम उम्र में एंट्री लेने वाले तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी बन गए थे. उन्होंने 17 साल 354 दिन की उम्र में आईपीएल डेब्यू किया था.

1 ही टी-20 मैच में 3 सुपर ओवर, क्रिकेट इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

नईदिल्ली, एजेंसी। महाराजा टी20 ट्रॉफी में क्रिकेट के मैदान में 23 अगस्त को गजब को रोमांच देखने को मिला. हुबली टाइगर्स ने तीन सुपर ओवर के बाद रोमांचक जीत दर्ज की. हुबली टाइगर्स ने पहले खेलते हुए 164 रन बनाए. जवाब में बेंगलुरु ब्लास्टर्स भी 164 रन बना सकी. इसके बाद मैच सुपर ओवर में चला गया. संभवत॰ क्रिकेट इतिहास में पहली बार एक ही मैच में तीन सुपर ओवर देखने को मिल. चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुए इस महाथ्रिलर मुकाबले में हुबली टाइगर्स ने शुक्रवार को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में महाराजा टी-20 ट्रॉफी के एक बेहद रोमांचक मैच में जीत हासिल की, जिसमें दोनों टीमों के बीच तीन सुपर ओवर तक रोमांच चला.

बेंगलुरु ब्लास्टर्स की टीम तीन विकेट शेष रहते निर्धारित समय में हुबली को हराने के लिए शेष छह में से केवल पांच रन ही बना पाई. गणेश्वर नवीन ने 20वें

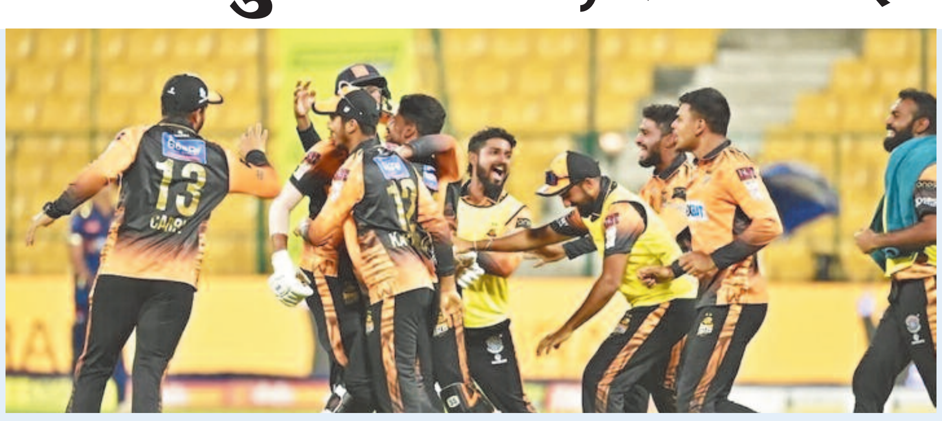

ओवर की पहली ही गेंद पर चौका लगाकर ब्लास्टर्स को बढ़त दिलाई, लेकिन अगली ही गेंद पर आउट हो गए.

इसके बाद एलआर कुमार ने दो डॉट बॉल फेंकी, जिसके बाद लविश कौशल को पांचवीं गेंद पर रिटायर्ड आउट कर दिया गया, जबकि उन्होंने और उनके साथी बल्लेबाज क्रांति कुमार ने एक बाई रन भी लिया. आखिरी गेंद पर एक रन बचाने के लिए क्रांति रन आउट हो गए, जिससे खेल सुपर ओवर में चला गया.

बेंगलुरु ब्लास्टर्स के कप्तान मयंक अग्रवाल पहली गेंद पर आउट हो गए, लेकिन अनिरुद्ध जोशी के आखिरी गेंद पर लगाए गए छक्के की बदौलत टीम ने वापसी करते हुए 10 रन बनाए. मनीष पांडे ने टाइगर्स के लिए तीन में से आठ रन की जरूरत के समय एक बड़ा शॉट लगाया, लेकिन जब स्कोर 1 गेंद पर 2 रन रह गया, तो पांडे को गेंदबाज कौशल ने कैच कर लिया, फ?िर टाइगर्स ने एक रन लेकर सुपर ओवर को बराबर कर दिया.

पांडे इस बार मनवंत कुमार के साथ ओपनिंग करने उतरे. मनवंत वो खिलाड़ी थे, जिन्होंने इस मैच में 164 रन का बचाव करते हुए 33 रन देकर 4 विकेट चटकाए, इससे पहले उन्होंने 15 गेंदों में 28 रन की पारी भी खेली थी. लेकिन दूसरे सुपर ओवर में, वह और पांडे सिर्फ आठ रन ही बना सके. इसके बाद तेज गेंदबाज विद्वत कवेरप्पा ने अपनी टीम के लिए शानदार गेंदबाजी की. शुरुआत में एक बाउंड्री देने के बावजूद, उन्होंने सिर्फ चार और रन दिए, जिससे खेल तीसरे सुपर ओवर में चला गया.

तीसरे सुपर ओवर में पहले बल्लेबाजी बेंगलुरु ब्लास्टर्स ने की. ओपनिंग करने अनिरूद्ध जोशी और शुभांग हेगड़े आए. लेकिन मनवंत ने पहली ही गेंद पर अनिरूद्ध को आउट कर दिया. लेकिन आखिरी गेंद पर शुभांग हेगड़े ने बैकवर्ड पॉइंट पर छक्का लगाकर ब्लास्टर्स का स्कोर 12 रन पर पहुंचा दिया.

इसके बाद बारी हुबली टाइगर्स की थी. ओपनिंग करने मनवंत कुमार और कप्तान मनीष पांडेय आए. गेंदबाजी क्रांति कुमार कर रहे थे. उन्होंने दूसरी गेंद पर चौका लगाकर खेल को आगे बढ़ाया. लेकिन क्रांति ने जोरदार वापसी की और अगली तीन गेंदों पर केवल तीन रन दिए (उनमें से एक अतिरिक्त था). टाइगर्स को अब अंतिम गेंद पर चार रन चाहिए थे और मनवंत ने चौका जड़कर मैच जीत लिया.

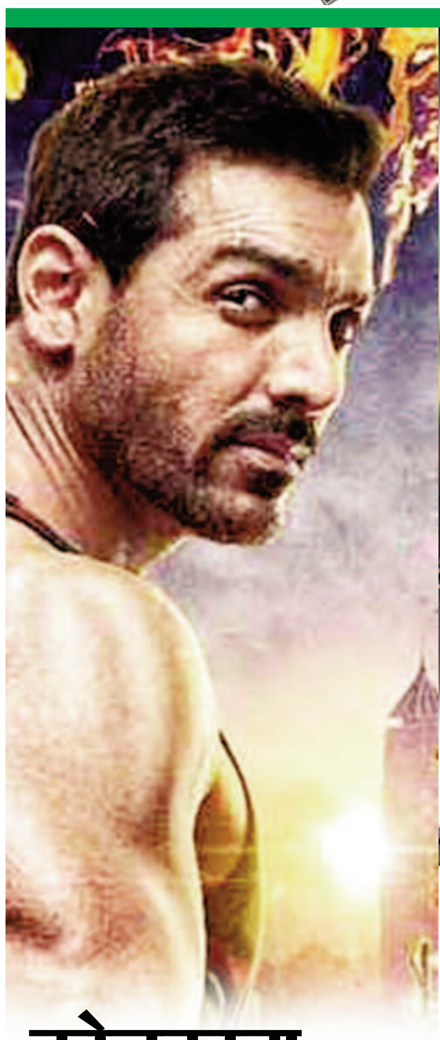

जी ले जरा-फैशन 2 की शूटिंग के लिए मुंबई लौटीं प्रियंका चोपड़ा?

बॉलीवुड देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा बेहद ही स्टाइलिश लुक में मुंबई एयरपोर्ट पहुंचीं। उनको वापस भारत में देखकर उनके प्रशंसक बेहद खुश हैं, साथ ही वह यह कयास लगा रहे हैं कि क्या वह फिल्म जी ले जरा या फिर फैशन 2 की शूटिंग के लिए मुंबई लौटीं हैं। मुंबई एयरपोर्ट पर प्रियंका चोपड़ा का स्टाइलिश लुक हर किसी को पसंद आया। एयरपोर्ट से बाहर निकलती हुई प्रियंका मुस्कुराती हुई नजर आईं। उनका यह लुक उनके प्रशंसकों को बेहद पसंद आया। इन दिनों प्रियंका चोपड़ा अपनी कई आगामी फिल्मों को लेकर व्यस्त हैं। हाल ही में प्रियंका ने फिल्म द ब्लफ की शूटिंग ऑस्ट्रेलिया में खत्म की थी। उनके प्रशंसकों का कहना है कि प्रियंका मुंबई इसलिए वापस लौटीं ताकि वह अपनी बॉलीवुड फिल्म जी ले जरा की शूटिंग शुरू कर सकें। हालांकि कुछ प्रशंसकों का कहना है कि क्या प्रियंका निर्देशक मधुर भंडारकर की फिल्म फैशन 2 में आने वाली हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि हाल ही में मधुर अभिनेत्री से मिलने उनके घर लॉस एंजेलिस गए थे।

हाल ही में लॉस एंजेलिस से फैशन डायरेक्टर मधुर भंडारकर के साथ उनकी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। अभिनेत्री-निर्देशक की यह जोड़ी लंबे समय के बाद मिली और दोनों के बीच कुछ चर्चाएं भी हुईं। हालांकि यह बात साफ नहीं हो पाया है कि मुधर किसी बॉलीवुड प्रोजेक्ट के सिलसिले में प्रियंका से मिले थे या यह सिर्फ एक मुलाकात ही थी। मधुर ने तस्वीर साझा करते हुए लिखा था, लॉस एंजेलिस में अपने शानदार घर पर टेलेंटेड प्रियंका चोपड़ा से मिलना और आकर्षक चर्चा में शामिल होना बहुत खुशी की बात थी। वहीं इन दोनों की साथ में तस्वीरे के बाद प्रशंसक फैशन 2 के आने के बारे में कमेंट करते नजए आए।

वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में द ब्लफ की शूटिंग पूरी की है, जिसके लिए वह ऑस्ट्रेलिया में शूटिंग कर रही थीं। इस फिल्म में प्रियंका के अलावा कार्ल अर्बन, इस्माइल क्रूज कॉर्डोवा, सफिया ओकले-ग्रीन और वेदांतन नायडू भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा प्रियंका फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट की शूटिंग पूरी कर चुकी हैं। इस फिल्म में उनके साथ इदरीस एल्बा, जॉन सीना मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। प्रियंका के बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स की बात करें तो, कथित तौर पर निर्देशक फरहान अख्तर की फिल्म जी ले जरा में प्रियंका के साथ कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट मुख्य भूमिका में नजर आ सकती हैं। हालांकि अभी तक इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

कोलकाता डॉक्टर मामले पर बोले जॉन अब्राहम

कोलकाता में डॉक्टर के साथ हुई दरिंदगी के बाद देशभर के लोगों में गुस्सा है। फिल्मी कलाकार भी इस मामले पर खुलकर बोल रहे हैं। इसी सिलसिले में ताजा नाम जॉन अब्राहम का है, जो आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हुई घटना से काफी दुखी हैं। उन्होंने एक हालिया साक्षात्कार में महिला सुरक्षा को लेकर अपनी ओर से सुझाव दिया है।

लड़कों को दी अच्छा व्यवहार करने की सलाह

जॉन अब्राहम का कहना हैं कि माता-पिता को अपने बेटों को सही ढंग से व्यवहार करने के बारे में सिखाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी के स्वर में लड़कों से अच्छा बर्ताव करने को कहा। साथ ही मां-बाप से लड़कों की अच्छी परवरिश करने की भी उम्मीद जताई।

मैं लड़कियों को कुछ नहीं कहूंगा

जॉन अब्राहम ने यह सब सुझाव रेडियो नशा को दिए एक हालिया साक्षात्कार में साझा किए। जॉन ने कहा कि वो लड़कियों को कुछ भी नहीं कहेंगे, क्योंकि उनकी गलती ही क्या है? बता दें कि ये पहला मौका नहीं है, जब जॉन अब्राहम ने महिला सुरक्षा को लेकर खुलकर अपनी बात रखी हो। उन्होंने रणवीर इलाहाबादिया के पॉडकास्ट में कहा था कि भारतीय पुरुषों को इस बात को समझना चाहिए कि उन्हें महिलाओं के साथ किस तरह का व्यवहार करना चाहिए।

बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष कर रही है वेदा

इन दिनों जॉन अब्राहम की फिल्म वेदा सिनेमाघरों में चल रही है। यह फिल्म जातिगत भेदभाव के मुद्दे पर बात करती है। इसमें शरवरी और अभिषेक बनर्जी ने भी अहम रोल अदा किया है। इसका निर्देशन निखिल आडवाणी ने किया है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष करती हुई दिख रही है। फिल्म ने अभी तक 17 करोड़ रुपये का ही कलेक्शन किया है।

छावा में औरंगजेब के रूप में नजर आएंगे अक्षय खन्ना

कुछ दिन पूर्व विक्की कौशल के अभिनय से सजी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म छावा का टीजर जारी किया गया था। इस टीजर में युद्ध के कुछ दृश्य थे जिनमें सिर्फ विक्की कौशल नजर आ रहे थे। टीजर के अंत में दो क्षण के फिल्म का दूसरा मुख्य किरदार नजर आया जो मुस्लिम बादशाह के रूप में था। इस किरदार ने अपनी दो क्षण की उपस्थिति में वो चर्चा पाई है जो विक्की कौशल भी नहीं पा सके हैं। सब तरफ यह बात हो रही है कि यह अदाकार कौन है?

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म छावा इस समय काफी चर्चा में है। फिल्म की कहानी मराठा योद्धा छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित है, जिसमें विक्की कौशल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, लेकिन इस फिल्म में औरंगजेब के किरदार को लेकर भी काफी उत्सुकता है।

फिल्म छावा में मुगल बादशाह औरंगजेब के किरदार के लिए सीनियर एक्टर अक्षय खन्ना को चुना गया है, जो अपनी दमदार एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं और अपने करियर में कई आइकॉनिक किरदार निभा चुके हैं। छावा पिछले काफी समय से चर्चा में है। हाल ही में फिल्म का टीजर रिलीज हुआ था, जिसमें विक्की कौशल फुल एक्शन मोड में नजर आए थे, लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान अक्षय खन्ना ने खींचा क्योंकि टीजर में उन्हें पहचान पाना मुश्किल था। छावा के टीजर के आखिर में अक्षय थोड़ी देर के लिए औरंगजेब के किरदार में नजर आए, लेकिन उनका लुक और एक्टिंग ऐसी है कि इत्तेफाक एक्टर को पहचानने के लिए दोबारा टीजर देखना पड़ सकता है। छावा के साथ दर्शक अक्षय खन्ना को औरंगजेब के किरदार में एक नए अवतार में देख पाएंगे। यह देखना दिलचस्प होगा कि वह इस ऐतिहासिक किरदार को किस तरह जीवंत करते हैं। छावा का निर्माण बड़े पैमाने पर किया जा रहा है और हर कोई इसके रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उटेकर कर रहे हैं। फिल्म में साउथ की सनसनी रश्मिका मंदाना के साथ विक्की कौशल और अक्षय खन्ना भी हैं।

शादी के लिए इटली रवाना हुई एमी जैक्सन

सिंह इज ब्लिंग फेम बॉलीवुड एक्ट्रेस एमी जैक्सन शादी करने जा रही हैं। वह मंगेतर और ब्रिटिश एक्टर एड वेस्टविक से दो साल डेटिंग के बाद शादी कर रही हैं। एमी अपने बेटे एंड्रियास और मंगेतर के साथ प्राइवेट जेट से इटली रवाना हो गई हैं। इस कपल ने इटली के अमाल्फी कोस्ट को वेडिंग वेन्यू चुना है। एमी जैक्सन ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह मंगेतर एड, अपने होने वाले ससुराल वालों और अपने बेटे एंड्रियास के साथ उड़ान भरती नजर आ रही हैं। एमी जैक्सन ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, चलो बेबी, शादी कर लेते हैं।

एमी ने इसके साथ ही अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर भी तस्वीरें शेयर की हैं। उन्होंने लिखा, इटली, हम आ रहे हैं। बीते दिनों एमी ने प्राइवेट जेट में बैचलर पार्टी की थी। उनके मंगेतर एड वेस्टविक बेहद मशूहर टीवी शो गॉसिप गर्ल में चक बास के रोल के लिए काफी मशहूर हैं। दोनों ने इसी साल जनवरी में सगाई की थी। एड वेस्टविक ने इस साल जनवरी में स्विट्जरलैंड के गस्टाड में एमी जैक्सन को प्रपोज किया था। इस खूबसूरत पल की तस्वीरें काफी वायरल हुई थीं। तब कैप्शन में रिंग इमोजी के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए एमी ने लिखा, यकीनन हां। जबकि एड वेस्टविक ने फोटो शेयर करते हुए लिखा, मैंने जैकपॉट मारा है।

एमी जैक्सन की एक बार पहले भी सगाई हो चुकी है। वह पहले बिजनसमैन जॉर्ज पानायियोटौ को डेट करती थीं। दोनों ने सगाई की। उनका एक बेटा एंड्रियास भी पैदा हुआ। लेकिन शादी से पहले यह रिश्ता टूट गया। एमी जैक्सन फिल्मों से ज्यादा अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में रही हैं। 2011 में उन्हें फिल्म एक दीवाना था के सेट पर प्रतीक बब्बर से हुआ। लेकिन 2012 में दोनों का ब्रेकअप हो गया। इसके बाद वह तीन साल मुंबई छोड़ लंदन चली गईं। एमी जैक्सन ने साल 2010 में तमिल फिल्म मद्रासपट्टिनम से एक्टिंग की शुरुआत की थी। उनकी पहली बॉलीवुड फिल्म प्रतीक बब्बर के साथ एक दीवाना था थी, जो 2012 में रिलीज हुई।

हाउसफुल 5 में अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगी जैकलीन फर्नांडिस

हिंदी सिनेमा की सबसे बहुप्रतीक्षित फैंचाइज़, हाउसफुल 5, लम्बे समय से चर्चाओं में हैं। अब यह फिल्म फ्लोर पर जाने के लिए तैयार है। बताया जा रहा है कि आगामी माह से यह फिल्म शूटिंग शुरू कर रही है। निर्माता साजिद नाडियाडवाला की इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ फरदीन खान, रितेश देशमुख और संजय दत्त मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। 300 करोड़ के भारी भरकम बजट में बनने वाली यह अब तक की सबसे महंगी हाउसफुल फिल्म है और निर्माता कास्टिंग के साथ इस

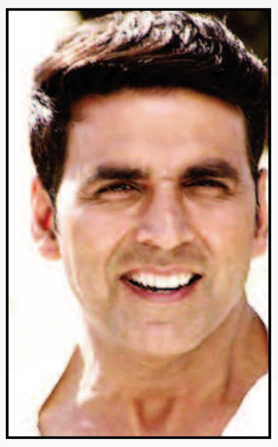

फैंचाइज़ को और भी बड़ा बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। फिल्म का नेतृत्व करने के लिए शीर्ष ए लिस्ट अभिनेताओं को चुनने के बाद, साजिद नाडियाडवाला ने जैकलीन फर्नांडीज को हाउसफुल 5 की मुख्य महिला कलाकारों में से एक के रूप में चुना है। प्राप्त समाचारों के अनुसार जैकलीन को हाउसफुल 5 में अक्षय कुमार के साथ जोड़ा गया है। बताया जा रहा है कि, जैकलीन हाउसफुल फैंचाइज़ में वापसी को लेकर उत्साहित हैं। उन्हें कॉमिक स्पेस पसंद है और वह साजिद नाडियाडवाला और हाउसफुल फैंचाइज़ के साथ अपना जुड़ाव जारी रखने को लेकर उत्साहित हैं। सूत्र ने आगे बताया कि साजिद फिल्म में शामिल होने के लिए तीन अन्य शीर्ष अभिनेत्रियों से बातचीत कर रहे हैं और जल्द ही आधिकारिक घोषणा की जाएगी। हाउसफुल 5 जून 2025 में रिलीज होगी और इसका निर्देशन तरुण मनसुखानी करेंगे।

कहानी को और गहरा बनाता है तनाव 2 में मेरा किरदार

स्ट्रीमिंग शो 'तनाव' सीजन 2 में दिखाई देने वाले अभिनेता सत्यदीप मिश्रा ने कहा कि उनकी भूमिका शो की कहानी को और भी गहरा करती है और साथ ही इसे आगे बढ़ाने में मदद करती है। तनाव' इजरायली सीरीज 'फौदा' का भारतीय रूपांतरण है। कश्मीर में सेट की गई एक एक्शन से भरपूर कहानी में बहादुरी, धोखे, लालच, प्यार और बदले की कहानियों को दिखाया गया है। दूसरे सीजन में स्पेशल टास्क ग्रुप (एसटीजी) को एक नए खतरे का सामना करना पड़ता है, जब अल-दमिश्क नामक एक प्रतिशोधी युवक घाटी में आता है। शो में अपनी भूमिका के बारे में सत्यदीप ने आईएएनएस को बताया, यह सीजन पहले सीजन को आगे लेकर जाता है, जो शो को अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर ले जाता है। हर एपिसोड दर्शकों को रोमांचित करेगा, जिसमें हर तरफ ट्विस्ट और सरप्राइज हैं। उन्होंने यह भी कहा कि स्पेशल टास्क ग्रुप का हिस्सा होने से उनके किरदार को एक स्थायी प्रभाव छोड़ने का एक अनूठा अवसर मिला है, चाहे वह देश की रक्षा करने या जान बचाने के बारे में हो।

उन्होंने कहा, यह भूमिका न केवल उनके लिए एक अभिनेता के रूप में चुनौती है, बल्कि यह इसकी कहानी को भी खास गहराई देती है। कोविड-19 महामारी से पहले की पृष्ठभूमि की कहानी पर आधारित यह शो एक सामाजिक-राजनीतिक ड्रामा है, जो घाटी में राज्य द्वारा संचालित स्पेशल टास्क ग्रुप और पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों के बीच संघर्ष के इर्द-गिर्द घूमता है। शो के पहले सीजन में इसमें हरकत-उल-मुजाहिदीन, जमात-ए-इस्लामी कश्मीर जैसे आतंकवादी संगठनों की गतिविधियों और एसटीजी द्वारा उनका मुकाबला करने के तरीके को दिखाया गया था। अप्लॉज एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित तनाव का निर्देशन पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता सुधीर मिश्रा और ई. निवास ने किया है। शो में मानव विज, गौरव अरोड़ा, अरबाज खान, रजत कपूर, सुखमणि सदाना, साहिबा बाली, अर्सलान गोनी, अमित गौर, एकता कौल और वलूशा देसूसा जैसे कलाकारों की टोली शामिल है। तनाव 2 सोनी लिव पर 6 सितंबर को रिलीज होगी।

भावनाओं का एटम बम होगी गदर 3

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल गदर फ्रैंचाइजी की अगली किस्त में तीसरी बार तारा सिंह का किरदार निभाने के लिए तैयार हैं। गदर 2 की सफलता के बाद दर्शक गदर 3 देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं। अब फिल्म के निर्देशक अनिल शर्मा ने फिल्म से जुड़ी बड़ी अपडेट दी है। उन्होंने हाल ही में एक बातचीत में सनी देओल स्टारर गदर फ्रैंचाइजी के अगले सीक्वल को भावनाओं का परमाणु बम बताया है।

गदर 3 पर शुरू हो चुका है काम

अनिल शर्मा ने एक बातचीत में फिल्म के बारे में बात करते हुए खुलासा किया कि उन्होंने गदर 3 पर काम शुरू कर दिया है। इसके साथ ही सनी देओल की तारा सिंह के रूप में वापसी की पुष्टि की है। निर्देशक ने कहा, हमने गदर 3 पर काम करना शुरू कर दिया है। फिल्म से जुड़ी जब हर चीज हो जाएगी, तब हम इसे साझा करेंगे, अभी कुछ समय है। उन्होंने आगे कहा कि फिल्म गदर 2 को बनने में 20 साल लग गए। निर्देशक अनिल शर्मा ने आगे फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा कि वह चाहते हैं कि अगला भाग पहले की रिलीज की तुलना में बड़ा और बेहतर भावनात्मक पहलू वाला हो। उन्होंने कहा, गदर 3 तब आएगी जब स्क्रिप्ट पूरी हो जाएगी और मुझे लगता है कि यह सिर्फ भावनाओं का बम नहीं बल्कि भावनाओं का एटम बम है। इसके साथ ही उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि कहानियों का सिलसिला जारी रहना चाहिए। मैं कहानी का सिलसिला जारी रखना चाहता हूं।